नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 01

सोमवार, 03 से 09 फरवरी 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

विधायक अपनी कार्यशैली पारदर्शी रखें 03

भारतवंशी तुलसी गबार्ड राष्ट्र खुफिया निदेशक होंगीः डग कोलिन्स... 08

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया 10

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़े बच्चे 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

एटली की ए६ में हुई रश्मिका की एंट्री 12

दिल्ली में 27 साल बाद खिला कमल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को बाहर का रास्ता दिखते हुए 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में दो तिहाई बहुमत के साथ वापसी की है।

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए हुए चुनाव के शनिवार को घोषित नतीजों में भाजपा को 48 सीटों पर जीत हासिल हुई है जबकि आप 22 सीटें मिली। कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में शून्य की हैट्रिक लगाते हुए एक बार फिर खाता तक नहीं खोल सकी। दिल्ली में सत्ता विरोधी लहर इतनी जबरदस्त थी कि आप के शीर्ष नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके निकटतम सहयोगी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी चुनाव हार गये। मंत्रिमंडल के दो मंत्री भी चुनाव हार गये हैं।

नयी दिल्ली सीट पर श्री केजरीवाल को भाजपा के प्रवेश वर्मा ने 4089 मतों से हराया। पटपड़गंज सीट बदलकर जंगपुरा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे श्री सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि कड़े मुकाबले में मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से जीत गईं। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस ने नयी दिल्ली से संदीप दीक्षित तथा कालकाजी सीट पर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा को चुनाव मैदान में उतारा था।

आप ने 2015 के चुनाव में 70 में से 67 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था और फिर 2020 में 62 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की थी। श्री केजरीवाल को इस बार भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भाजपा की भारी जीत ने उसे 22 सीटों पर सिमट कर रख दिया।

श्री केजरीवाल ने हार स्वीकारते हुए कहा कि जनता ने जो निर्णय दिया उसे वह विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस आशा के साथ लोगों ने भाजपा को बहुमत दिया है वह उन सभी उम्मीदों और आशाओं पर खरा उतरेगी। मुख्यमंत्री आतिशी ने जनादेश स्वीकार करते हुए कहा है कि वह जीत अवश्य गई हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी का संघर्ष दिल्ली की जनता के लिए जारी रहेगा।

भाजपा नेताओं ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया है और कहा है कि यह परिणाम श्री मोदी पर जनता के विश्वास का प्रतीक है। श्री मोदी ने जीत को विकास एवं सुशासन की जीत करार दिया और कहा कि वह दिल्ली के चहुंमुखी विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

विकसित भारत की विकसित राजधानी बनेगी दिल्ली : मोदी

नई दिल्ली, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत को शनिवार को ऐतिहासिक बताया और कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में जन्मी आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस के डीएनए में रची बसी अर्बन नक्सली सोच को आगे बढ़ा रही थी तथा विकास को अवरुद्ध करके दिल्ली वालों पर आपदा बन कर रह गयी थी।

प्रधानमंत्री मोदी का दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर पार्टी के मुख्यालय में जबरदस्त स्वागत किया गया। पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने श्री मोदी का स्वागत किया।

श्री मोदी ने उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने 'आप-दा' को बाहर कर दिया है। एक दशक की 'आप-दा' से दिल्ली मुक्त हुई है। दिल्ली का जनादेश स्पष्ट है - आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। आज आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आप-दा की हार हुई है। उन्होंने कहा, आज दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया। दिल्ली के इस जनादेश से ये भी स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि तीन-तीन बार लोकसभा में शत-प्रतिशत विजय दिलाने के बाद भी देश भर के और दिल्ली के भाजपा कार्यकताओं के मन में एक टीस थी। ये टीस दिल्ली की पूरी तरह से सेवा न कर पाने की थी। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद हमने पहले हरियाणा में अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया।फिर महाराष्ट्र में नया रिकॉर्ड बनाया। अब दिल्ली में नया इतिहास रच गया है। आज दिल्ली का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, ऐसा कोई वर्ग नहीं जहां कमल न खिला हो। हर भाषा बोलने वालों ने, हर राज्य के लोगों ने दिल्ली में भाजपा के कमल निशान पर वोट दिया है।

श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश में अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में भी भाजपा की शानदार जीत पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि दिल्ली में हर वर्ग ने भारी संख्या में भाजपा के लिए मतदान किया है। आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की नीति को चुन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की राजनीति, टकराव और प्रशासनिक अनिश्चितता ने दिल्ली के लोगों का बहुत नुकसान किया है। आज दिल्ली के विकास के सामने से एक बड़ी रुकावट आप सब दिल्ली वासियों ने दूर कर दी है। पूरा देश जानता है कि जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) है वहां सुशासन है, विकास है, विश्वास है। राजग का हर प्रतिनिधि, हर जन प्रतिनिधि लोगों के हित में काम करता है।

दिल्ली हुई 'आप-दा' मुक्त, प्रगति के नए युग की यात्रा आरंभः नड्डा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की हार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, अंत्योदय व विकासपरक नीतियों पर जनता-जनार्दन के अटूट समर्थन की जीत करार दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आप-दा' सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार, कुशासन, और तुष्टीकरण की सारी सीमाएं लांघ दी थीं। आज दिल्ली उनके झूठ, छल और प्रपंच से मुक्त होकर प्रगति और प्रतिष्ठा के नए युग में अपनी यात्रा आरंभ कर रही है। यह जनादेश विकसित दिल्ली-विकसित भारत के हमारे संकल्प को साकार स्वरूप प्रदान करेगा।

समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करेगी भाजपाः सचदेवा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने भाजपा को जनसमर्थन देने के लिए दिल्लीवासियों के प्रति आभार व्यक्ति किया है और कहा है कि उनकी पार्टी समाज के हर के कल्याण और विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए कार्य करेगी। श्री सचदेवा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की जनता ने आज आम आदमी पार्टी (आप) और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार, आराजकता और अकर्मण्यता से भरे शासन को पूरी तरह नाकार दिया है और भाजपा पर विश्वास प्रकट करते हुए बड़ा बहमुत भाजपा को दिया है। उन्होंने कहा कि कहा, "लगभग 27 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद दिल्ली की जनता ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व जन समर्थन के साथ चुन कर विकसित दिल्ली के निर्माण का अवसर दिया है, जिसके लिए हम दिल्ली में समाज के हर वर्ग के लोगों का आभार प्रकट करते हैं।" उन्होंने कहा, "यह चुनाव विजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता के विश्वास की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व की है और हमारे कार्यकताओं के परिश्रम की है।"

एक नजर

प्रशांत भूषण ने आप की हार के लिए केजरीवाल को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। के संस्थापक सदस्य प्रशांत भूषण ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के लिए इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया है। श्री भूषण ने शनिवार देर शाम दिल्ली विधानसभा चुनाव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की तबाही के लिए श्री केजरीवाल पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि यह पार्टी वैकल्पित राजनीति के लिए गठित की गई थी जिसे पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पहचाना जाना था। लेकिन श्री केजरीवाल ने इसे जल्दी ही अपने आधिपत्य वाली पार्टी में बदल दिया। यह अपारदर्शी और भ्रष्टाचारी पार्टी में बदल गई। पार्टी ने दिल्ली में लोकपाल नियुक्त करने का प्रयास नहीं किया और पार्टी में अपने लोकपाल को हटा दिया। श्री भूषण ने कहा कि श्री केजरीवाल ने अपने लिए 45 करोड़ रुपए का शीश महल बनवाया और लग्जरी कारों में चलना आरंभ कर दिया। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल ने अपनी ही पार्टी द्वारा गठित विशेषज्ञ समितियों की 33 विस्तृत नीतिगत रिपोर्टों को कूड़े में फेंक दिया और कहा कि समय आने पर पार्टी इन रिपोर्टों को तेजी से लागू करेगी।

राष्ट्रपति भवन में 22 फरवरी से नए प्रारूप में होगा गार्ड परिवर्तन समारोह

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में 22 फरवरी से रस्मी गार्डों की अदला-बदली (चेंज ऑफ गार्ड) समारोह नए प्रारूप में बैठने की क्षमता में वृद्धि के साथ आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 16 फरवरी को उद्घाटन कार्यक्रम की साक्षी बनेंगी। बयान में कहा गया है कि गार्ड परिवर्तन समारोह के नए प्रारूप में लोग राष्ट्रपति भवन की पृष्ठभूमि में एक गतिशील दृश्य और संगीत प्रदर्शन देख सकते हैं। समारोह में राष्ट्रपति के अंगरक्षक दल के सैनिकों और घोड़ों तथा सेरेमोनियल गार्ड बटालियन के सैनिकों द्वारा औपचारिक सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन किया जाएगा, साथ ही सेरेमोनियल मिलिट्री ब्रास बैंड भी शामिल होगा।

स्वदेशी क्रायो इंजन का वैक्यूम इग्निशन परीक्षण सफल : इसरो

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन परीक्षण एलवीएम-3 प्रक्षेपण यान में सफलतापूर्वक किया है जिसका उपयोग पहले मानव उड़ान मिशन गगनयान के लिए किया जाएगा। इसरो ने शनिवार को कहा कि उसने एलवीएम3 के ऊपरी चरण को संचालित करने वाले स्वदेशी सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का इग्निशन परीक्षण सफलतापूर्वक किया जिसमें वैक्यूम स्थितियों में मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर था जो अंतरिक्ष की वैक्यूम स्थिति में इंजन इग्निशन का अनुकरण करता है।

संगम विहार विधानसभा सीट से पूर्वांचली भाजपा प्रत्याशी चंदन कुमार चौधरी की हुई जीत

नमिता चौहान, एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। संगम विहार विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक दिनेश मोहनिया को हरा कर इस बार भाजपा के चंदन कुमार चौधरी ने जीत हासिल की है। दोनों के बीच 344 वोटों का अंतराल रहा। दिनेश मोहनिया को कुल 53705 वोट मिले, जबकि चंदन चौधरी को 54049 वोट मिले, वहीं कांग्रेस के हर्ष चौधरी को 15863 वोट मिले वह तीसरे स?थान पर रहे।

संगम विहार विधानसभा सीट पर मुकाबला काफी दिलचस्प रहा। लगभग अंतिम चरण तक यह पता लगा पाना मुश्किल था की जीत किसकी होगी, क्योंकि दोनों ही पार्टियां अअढ और इखढ के बीच ज्यादा वोटों का फासला नहीं था, लेकिन फिर भीड़ बढ़त बनाते हुए भाजपा प्रत्याशी ने 344 वोटों से जीत हासिल की। संगम विहार के वर्तमान भाजपा विधायक चंदन चौधरी

ने बहुत काम समय में बहुत बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। महज 2 साल के अपने पार्षद कार्यकाल में उन्होंने ऐसे काम किए कि, पार्टी ने उन्हें विधानसभा चुनाव की टिकट दी और उन्होंने पहली बार में ही जीत को अपनी तरफ कर लिया।

भाजपा के चंदन चौधरी पूर्वांचल है और अटकलें ये भी लगाई जा रही है कि, सभी अन्य वोटर्स के साथ साथ इन्हे अपने पूर्वांचली वोटर्स का भी भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ, जो इनके जीत का कारण बना।

संगम विहार विधानसभा सीट का गठन 2008 में हुआ था और इस सीट पर हुए पहले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) के डॉ. शिवचरण लाल गुप्ता ने जीत हासिल की थी। डॉ. गुप्ता ने कांग्रेस के आमोद कुमार कंठ को 3,589 वोटों से हराया था। डॉ. गुप्ता को कुल 20,332 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 16,743 वोट मिले थे। इस प्रकार, यह चुनाव भाजपा के लिए जीत का संदेश लेकर आया था और संगम विहार में भाजपा ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। 2008 में बनी थी सीट, भाजपा जीती थी। दिल्ली संगम विहार विधानसभा सीट का गठन वर्ष 2008 में हुआ था। यहां हुए पहले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक?कर थी।यहां से भाजपा के डॉ. शिवचरण लाल गुप्ता ने जीत हासिल की थी। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी आमोद कुमार कंठ को 3589 वोट से हराया था। गुप्ता को कुल 20332 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 16743 वोट मिले थे।

2013 से लेकर 2020 तक के चुनाव परिणामों को देखा जाए तो यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी (आप) के दिनेश मोहनिया ने भाजपा के उम्मीदवार शिवचरण लाल गुप्ता को लगातार हराया।

2013 का चुनावः इस चुनाव में आम आदमी पार्टी की पहली बार एंट्री हुई थी। दिनेश मोहनिया ने भाजपा के शिवचरण लाल गुप्ता को केवल 777 वोटों से हराया। 2015 का चुनावः इस बार मोहनिया ने गुप्ता को जोरदार मात दी और 43,988 वोटों से जीत हासिल की। दिनेश को 72,131 वोट मिले, जबकि गुप्ता को केवल 28,143 वोट मिले। २२2020 का चुनावः इस चुनाव में गुप्ता ने जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन फिर से दिनेश मोहनिया ने उन्हें 42,522 वोटों से हराया। मोहनिया को 75,345 वोट मिले, जबकि गुप्ता को 32,823 वोट मिले।

इन तीन चुनावों के परिणाम दशार्ते हैं कि आम आदमी पार्टी और दिनेश मोहनिया का इस क्षेत्र में मजबूत दबदबा रहा है, और उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को लगातार हराया है।

संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है केंद्र सरकारः प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को दावा किया कि देश ऐसे दौर से गुजर रहा है, जिसमें केंद्र सरकार भारत में संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए सब कुछ कर रही है।

वायनाड से सांसद प्रियंका ने यहां मननथावाडी विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर के नेताओं की एक बैठक में कहा कि इस जिले के भूस्खलन के पीड़ितों को आज तक आवास संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार ने लोकसभा में हमारे प्रयासों के कारण कम से कम वायनाड भूस्खलन को गंभीर प्रकृति की आपदा घोषित किया और उम्मीद जताई कि इससे पीड़ितों के पुनर्वास के लिए अधिक धन प्राप्त होगा।

उन्होंने जिले में जंगली जानवरों के हमलों के कारण जान-माल के नुकसान के विभिन्न मामलों का भी उल्लेख किया और कहा कि मानव-पशु संघर्ष के कारण भी आजीविका का

नुकसान हो रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि पिछली बार जब वह यहां वायनाड में थीं, तो जिला प्रशासन ने कहा था कि मानव-पशु संघर्ष को कम करने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसे अधिक धन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि मैं उनके साथ काम करूंगी और साथ मिलकर हम जितना संभव हो सके उतनी धन राशि जुटाने की कोशिश करेंगे, ताकि उन्हें जो काम करने की जरूरत है, उसे करने में मदद मिल सके और समस्या के लिए नए प्रकार के समाधान भी ढूंढे जा सकें। प्रियंका गांधी ने लोकसभा उपचुनाव में अपनी जीत में मदद करने के लिए बूथ स्तर के नेताओं और कार्यकताओं की भी प्रशंसा की और उन्हें धन्यवाद दिया तथा उनसे केवल चुनाव के दौरान ही नहीं, बल्कि हर दिन लोगों के लिए उपलब्ध रहने का आग्रह किया।

धर्मेंद्र प्रधान ने विश्व पुस्तक मेले में पीएम युवा 2.0 के तहत 41 पुस्तकों का किया विमोचन

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 में पीएम युवा 2.0 योजना के तहत 41 नई पुस्तकों का विमोचन किया। त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेन रेड्डी नल्लू कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने उन 41 युवा लेखकों को बधाई दी जिनकी पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी लेखनी और रचनात्मकता साहित्यिक परिदृश्य को समृद्ध करेगी और बौद्धिक विमर्श को एक नई दिशा प्रदान करेगी। प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री युवा योजना की संकल्पना की और इसे राष्ट्रीय आंदोलन में बदलने पर प्रकाश डाला। उन्होंने उभरते लेखकों को मार्गदर्शन देने और उनका पोषण करने, भारतीय संस्कृति, विरासत, इतिहास, भाषाओं तथा साहित्य के गौरवशाली राजदूतों को बढ़ावा देने और स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की कहानियों को

प्रकाश में लाने में इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर जोर दिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश भर में भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देना एक राष्ट्रीय मिशन है। उन्होंने पीएम युवा जैसी पहलों को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस साल के बजट में हाल ही में घोषित भारतीय भाषा पुस्तक योजना इस राष्ट्रीय प्रयास को गति देगी। भारतीय भाषाओं में पुस्तकों और साहित्य को सुलभ बनाने में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने संस्था से प्रौद्योगिकी को अपनाने और भारत की समृद्ध साहित्यिक विरासत और भाषाई परंपराओं को वैश्विक दर्शकों तक ले जाने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

प्रधान ने प्रदर्शनी हॉल का भी दौरा किया और दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक के आयोजन के लिए एनबीटी को बधाई दी। उन्होंने इसे साहित्य, भाषा, ज्ञान, लोगों और संस्कृतियों का ज्ञान-कुंभ बताते हुए मेले को पाठकों का स्वर्ग बताया जो नई पुस्तकों की खोज करने, साहित्य में डूबने, लेखकों से मिलने और साथी पुस्तक प्रेमियों से जुड़ने के लिए एक आदर्श मंच है। इसके अलावा, प्रधान ने द सागा ऑफ कुडोपालीः द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857 का हिंदी संस्करण भी जारी किया।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, जबरन वसूली व हथियारों की करते थे तस्करी

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ–पाम्बेई) के दो उग्रवादियों को शनिवार को जिले के नारनकोन्जिल इलाके से गिरफ्तार किया है। दोनों उग्रवादी जबरन वसूली की गतिविधि और हथियारों व गोला–बारूद की अवैध तस्करी में भी शामिल थे। उनके कब्जे से एक .32 पिस्तौल और 3,120 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक उग्रवादी को शनिवार को कांगजाबी लीराक माचिन इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

एयरपोर्ट पर केन्याई यात्री को रोका, जांच में पेट से निकले 67 कोकीन कैप्सूल

-इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 14.94 करोड़ आंकी गई

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क (कस्टम्स) अधिकारियों ने ड्रग तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया है। यहां अदीस अबाबा (इथियोपिया) से आए केन्याई नागरिक को संदेह के आधार पर रोका गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने कोकीन से भरी 67 कैप्सूल खा रखी है, जिसे भारत में तस्करी के लिए लाया गया था। जानकारी के मुताबिक कस्टम्स अधिकारियों ने यात्री की गतिविधियों पर संदेह होने पर उसे टर्मिनल–3 पर रोक कर जांच की गई। केन्याई नागरिक को टर्मिनल–3 पर प्रिवेंटिव कस्टम्स ऑफिस ले जाया गया और पूछताछ की। पहले तो वह गुमराह करता रहा, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल निगल रखे हैं। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में यात्री के पेट से 67 कैप्सूल निकाले गए। जब इन्हें काटकर देखा गया, तो उनमें 996 ग्राम हाई–प्योरिटी कोकीन मिली। शुरुआती जांच में पुष्टि हुई कि यह कोकीन है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 14.94 करोड़ आंकी गई है। इसकी मात्रा को देखते हुए कहा गया है कि यह बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का हिस्सा था, जो भारत में ड्रग्स लेकर आया था। यात्री को 7 फरवरी को एनडीपीएस एक्ट के तहत तस्करी और प्रतिबंधित सामान रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ जब्त कोकीन को सुरक्षित कर लिया है। ड्रग तस्करी में तस्कर प्लास्टिक या लेटेक्स से बने छोटे कैप्सूल में नशीला पदार्थ भरकर उन्हें निगल लेते हैं, ताकि एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच में पकड़े न जाएं। यह तरीका जानलेवा भी हो सकता है, क्योंकि अगर पेट के अंदर कैप्सूल फट जाए, तो तस्कर की मौत भी हो सकती है।

यौन शोषण मामले में जबरियां टेस्ट नहीं कराई जा सकती मर्दानगी : न्यायालय

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि यौन उत्पीड़न के आरोपी पुरुषों को अनिवार्य रूप से 'मर्दानगी परीक्षण' या 'पोटेंसी टेस्ट' से नहीं गुजरना होगा। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश और जस्टिस सुंदर मोहन की बेंच ने चिदंबरम में एक पुरुष छात्र और नाबालिग लड़की से जुड़े मामले सहित कई मामलों की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जिला स्तर के सत्र न्यायालयों को यौन उत्पीड़न के मामलों में गिरफ्तार पुरुषों के लिए पोटेंसी टेस्ट का आदेश नहीं देना चाहिए। राज्य की ओर से पेश हुए अभियोजक ने अदालत को बताया किया कि अधिकारी टू–फिंगर टेस्ट पर प्रतिबंध लगाने के अदालत के आदेशों का ईमानदारी से पालन कर रहे हैं। हालांकि, एक अन्य आदेश, जिसमें आपराधिक मामले के निपटारे तक भ्रूण को संरक्षित रखने की बात कही गई थी, सभी सरकारी अस्पतालों में ऐसी सुविधाओं की कमी के कारण ठीक से पालन नहीं किया जा सका। इस पर, हाईकोर्ट ने सरकार को सरकारी अस्पतालों में ऐसी सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी खुद को निर्दोष साबित करने के लिए पोटेंसी टेस्ट कराना चाहता है तो वह अदालत का रुख कर सकता है, लेकिन किसी को भी इस परीक्षण के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि इस आदेश को सभी पुलिस स्टेशन निरीक्षकों तक पहुंचाया जाए। कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पुरुषों को पोटेंसी टेस्ट के लिए मजबूर न किया जाए।

कोर्ट परिसर में पति ने पत्नी के सामने कर ली आत्महत्या

- महाराष्ट्र के पुणे का मामला, पति नहीं चाहता था तलाक हों

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में हाल ही में शिवाजीनगर अदालत परिसर में एक व्यक्ति ने पत्नी के सामने आत्महत्या कर ली। उसका पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। पत्नी ने कोर्ट में उसके खिलाफ केस किया था। पति कोर्ट में सुनवाई पर आया और यहां पत्नी से उसकी बहस हुई। उसने वहीं जहर खा लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान पशान निवासी सोहेल येनिघुरे (28) के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि सोहेल का उनकी पत्नी के साथ झगड़े होते थे। बीते दिनों उसकी पत्नी मायके चली गई और पति के खिलाफ केस कर दिया। सोहेल और उसकी पत्नी के बीच तलाक का केस चल रहा था। पुलिस ने बताया कि सोहेल पत्नी को तलाक नहीं देना चाहता था जबकि वह उसके साथ रहने को तैयार नहीं थी। दोनों के बीच काउंसलिंग के प्रयास किए गए लेकिन असफल रहे। फैमिली कोर्ट में बने काउंसलिंग सेंटर में दोनों को बुलाया गया था। यहां उनके बीच फिर से बहस हुई। इस दौरान सोहेल ने वहीं पत्नी के सामने ही जहर खा लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोहेल के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

केजरीवाल के सामने पार्टी को एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती

– आम आदमी पार्टी में मचेगी भगदड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्ना आंदोलन से निकले अरविंद केजरीवाल ने 2 अक्टूबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनाई थी। 2013 के अंत में उन्होंने दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ा। पहली ही बार में 28 विधानसभा की सीटें जीतकर कांग्रेस और भाजपा को ठिकाने लगा दिया था। पहले सरकार 49 दिन की रही। कांग्रेस के समर्थन से बनी थी। उसके बाद 2015 का चुनाव दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से उन्होंने 67 सीटों के भारी बहुमत से जीती। 2020 का चुनाव 62 सीटों के साथ जीता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होते हुए दिल्ली की जीत ने केजरीवाल को राष्ट्रीय स्तर का नेता बना दिया था। उसके बाद से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल राष्ट्रीय पार्टी बनकर सारे देश में धूम-धड़ाका कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहे थे।

2020 के बाद से भाजपा ने आम आदमी पार्टी को नेस्त नाबूत करने के लिए हर संभव प्रयास शुरू कर दिए थे। भारतीय जनता पार्टी को इसमें सफलता मिली। एक्साइज घोटाले में मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। केंद्र सरकार ने सत्येंद्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा विधायकों और मंत्रियों को जेल भेजा। दिल्ली सरकार के पर कतरने के लिए अध्यादेश लाये। मुख्यमंत्री के ऊपर एलजी को बैठा दिया। केजरीवाल की इमेज भ्रष्टाचारी और झूठे नेता के रूप में बना दी। पिछले कई वर्षों से कोई काम नहीं करने दिया। केंद्र और राज्य सरकार के झगड़े में मतदाताओं ने भी केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। जिसके कारण दिल्ली के इस चुनाव में करारी पराजय अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को झेलना पडी।

चुनाव के पहले ही आम आदमी पार्टी के 7 विधायक भारतीय जनता पार्टी में चले गए थे। इस पराजय के बाद आम आदमी पार्टी में भगदड़ मचना तय है।अरविंद केजरीवाल ने अपने 11 साल के राजनीतिक जीवन में दुश्मनों की बहुत बड़ी लाइन खड़ी कर ली है। जिसके कारण आम आदमी पार्टी का अस्तित्व बना रहेगा,या नहीं। यह उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने पिछले 5 वर्षों में आम आदमी पार्टी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए जो राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रयास किए हैं। केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल के पिछले 10 सालों के कामकाज की जांच कराकर और आने वाले कुछ ही महीनो में पंजाब सरकार को ठिकाने लगाकर, आम आदमी पार्टी को तगड़ी चुनौती देने की तैयारी कर रही है। ऐसी स्थिति में अब आम आदमी पार्टी के अस्तित्व और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी में पकड़ बनी रहेगी या नहीं। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पार्टी को एकजुट रखने की है। जितनी तेजी के साथ आम आदमी पार्टी ने देश के कई राज्यों में अपनी पहचान बनाई थी। एक ही झटके में आम

आदमी पार्टी का अस्तित्व खत्म होते नजर आ रहा है।ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी यदि बनी रह जाए। यह बहुत बड़ी बात होगी।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने इशारों ही इशारों में बता दिया दिल्ली के सीएम का नाम

नई दिल्ली। दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा। इस पर पूरे देश की नजर है। सियासी गलियों में लोग सीएम के नाम की टोह लेते नजर आ रहे है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, इस संबंध में किसी भी अटकलों पर ध्यान न दें। लगभग तीन दशकों से पार्टी सत्ता में नहीं थी। हमें आने वाले पांच वर्षों के लिए एक चेहरा देना है। यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। इस पर फैसला लेने के लिए काफी आत्ममंथन की जरूरत है। कोई भी इस पोस्ट के लिए यूं ही दावा नहीं कर सकता। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस बारे में फैसला करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, हरदीप पुरी ने एक इंटरव्यू में कहा–यह जनादेश सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं है। यह उससे कहीं बड़ा है। क्योंकि यह एक ऐसे मॉडल को ध्वस्त करके मिली है, जो धोखे ओर धोखाधड़ी पर बेस्ड था। बिजली सब्सिडी दी गई, वह तो ठीक हैजजिन्हें इसकी जरूरत है, उन्हें मिलना भी चाहिए। लेकिन बढ़े हुए बिजली बिलों के बारे में बात क्यों नहीं गई, जिनके जरिए धोखाधड़ी की जा रही थी। बीजेपी की सरकार सारी योजनाओं को लागू रखेगी लेकिन भ्रष्टाचार को खत्म करके रहेंगे।

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने बंगाल के सिस्टम में सड़न को उजागर किया: प्रधान

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में गुंडों को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है। उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस तरह की घटना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, जो कुछ आर. जी. कर में हुआ, वह गंभीर चिंता का विषय है। समाज की सुरक्षा के लिए बनाए गए तंत्र में गुंडों की भर्ती इस बात का संकेत है कि यह व्यवस्था सड़ चुकी है। यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। प्रधान का इशारा कोलकाता पुलिस के सिविक

वॉलंटियर संजय रॉय की ओर था। संजय राय को नौ अगस्त 2023 को प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना में दोषी ठहराया गया था। पीड़िता के परिवार और प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का दावा है कि इस अपराध में अकेला संजय रॉय शामिल नहीं था। यह एक बड़ी साजिश थी जिसमें घटना की रात आसपास मौजूद कई अन्य लोग भी शामिल थे। प्रधान ने कहा, हम चाहते हैं कि पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उनकी बेटी देश की हर एक महिला का प्रतिनिधित्व करती है। हमें सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) पर भरोसा है और धैर्य रखना होगा।

बीजेपी की जीत पर खुश हुई कंगना रनौत, दिल्ली को दी बधाई

–अनुपम खेर ने केजरीवाल की हार का कनेक्शन कश्मीर पंडितों के साथ किया

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद, अभिनेत्री और लोकसभा क्षेत्र मंडी की सांसद कंगना रनौत ने अपनी खुशी व्यक्त की। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने दिल्ली को बधाई दी। इस पर पूर्व नट अनुपम खेर और फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। अनुपम खेर ने केजरीवाल की हार द्वपर युक्तिसंगत टिप्पणी की और उन्होंने बताया कि किसी की पीड़ा का मजाक उड़ाना ठीक नहीं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से हार का कनेक्शन कश्मीर पंडितों के साथ किया और श्राप के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने विवेक रंजन अग्निहोत्री की पोस्ट का समर्थन भी किया। विवेक रंजन ने भी केजरीवाल की हार पर करारा व्यंग्य किया और बताया कि हर हिसाब यहीं पर होने की बात। वे उन्होंने भी दिल्ली चुनाव के

मामले में करारा सामना किया। इसके साथ ही उन्होंने वैकल्पिक तरीके से समर्थन दिया और अनुपम खेर के नारे का समर्थन किया। इस प्रकार, राजनैतिक और सांस्कृतिक घटनाओं की चर्चा जारी रहेगी और सोसाइटी में यह नए सोच और विचार के साथ जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। अभिनेता अनुपम खेर ने अरविंद केजरीवाल की एक पुरानी तस्वीर को एक्स हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, वैसे तो किसी को भी पीड़ा पहुंचाना ठीक नहीं, लेकिन जिनके साथ गहरा अन्याय हुआ हो ! उन पर हंसना, उनकी पीड़ा का मजाक उड़ाना, उनकी आत्मा को दुःख पहुंचाना, ये इंसानियत की सभी हदों को पार करना होता है और फिर उस दुखी आत्मा से ना चाहते हुए भी एक आह निकलती है और वही आह आगे जाकर एक श्राप का रूप धारण कर लेती है। शेयर की गई तस्वीर की ओर इशारा करते हुए अभिनेता ने आगे लिखा ?कि इस तस्वीर के लोगों के साथ शायद ऐसा ही हुआ है ! यह विधि का विधान है ! जिस दिन दिल्ली की विधानसभा में इन लोगों ने ठहाके लगाए थे, उस दिन लाखों कश्मीरी पंडितों ने खून के और बेबसी के आंसू बहाए थे। अनुपम खेर से पहले फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी एक पोस्ट शेयर किया था, जिस पर वह केजरीवाल की हार पर करारा व्यंग्य करते नजर आए थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की हार पर विवेक रंजन ने व्यंग्य भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने हर हिसाब यहीं पर होने की बात कही।

मनीष का छलका दर्द बोले– आज नहीं तो कल जनता फिर देगी मौका

नई दिल्ली। मैं दिल्ली की जनता का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे 12 वर्षों तक उनकी सेवा करने का और बच्चों का भविष्य संवारने का अवसर दिया। अगर शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है, तो राजनीति ही उसका जरिया है। इसलिए मैंने अपना जीवन शिक्षा को समर्पित किया है और आगे भी इसके लिए काम करता रहूँगा। जय हिन्द .... ये शब्द आप नेता मनीष सिसोदिया के हैं जिन्होंने एक वीडियो शेयर कर दिल्ली की जनता के लिए लगातार काम करने का भरोसा दिलाया है। वीडियो में सिसोदिया ने कहा, नमस्कार, मैं दिल्ली के लोगों का बहुत शुक्रगुजार हूं कि 12 साल तक मुझे, आम आदमी पार्टी को अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में राजनीति करने के लिए अवसर दिए, काम करने के लिए अवसर दिए। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं राजनीति में आऊंगा। एमएलए बनना, मंत्री बनना, ये सब तो बहुत दूर की बात थी, कभी सोचा भी नहीं था, लेकिन आपने मौका दिया, राजनीति में आने का मौका दिया, एमएलए बनने का मौका दिया, मंत्री के रूप में काम करने का मौका दिया। बता दें कि मनीष सिसोदिया ने इस बार पटपड़गंज सीट छोड़कर जंगपुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। जहां उन्हें भाजपा उम्मीदवार तरविंदर सिंह मारवाह के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के मारवाह ने सिसोदिया को 675 मतों के मामूली अंतर से हरा दिया। मारवाह को 38,859 वोट मिले, जबकि सिसोदिया को 38,184 वोट मिले।

आप की हार से उद्धव और शरद पवार दुखी, केजरीवाल को मानते थे मजबूत नेता

–बीजेपी का दिल्ली चुनाव में जीत का महाराष्ट्र में भी मन रहा उत्सव

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की हार से महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को झटका लगा है। दिल्ली चुनाव में बीजेपी की जीत ने न केवल राजधानी में बल्कि महाराष्ट्र में भी उत्सव का माहौल बना दिया है। महाराष्ट्र में हालांकि आप का कभी चुनावी आधार नहीं रहा है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद गुट) ने केजरीवाल में एक मजबूत और प्रतिबद्ध नेता देखा था। जो बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाने का साहस रखता था। उद्धव ठाकरे, शरद पवार और आप नेता अक्सर इंडिया गठबंधन में एक साथ दिखते थे, ताकि अपने-अपने राज्यों में बीजेपी का मुकाबला कर सकें।

अरविंद केजरीवाल का महाराष्ट्र से जुड़ाव 2011-12 में देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से जुड़ा है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने पुणे जिले के रालेगांव से इसका नेतृत्व किया था। उस समय अरविंद केजरीवाल, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, किरण बेदी, मेधा पाटकर, स्वामी अग्निवेश, और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे और लोकपाल विधेयक को पारित करने की मांग कर रहे थे।

अब अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल के बीच मतभेद बढ़ चुके हैं। अन्ना ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप के खिलाफ वोट डालने की अपील की थी। उन्होंने कहा था, कि एक नेता को हमेशा निस्वार्थ और ईमानदार होना चाहिए। अगर आपको लोगों का समर्थन चाहिए तो ये जरुरी गुण हैं। केजरीवाल को शिवसेना और एनसीपी ने एक मजबूत और प्रतिबद्ध नेता के रूप में देखा था। कई मौके पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने आप की मदद की और इसके नेताओं ने भी बीजेपी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रैलियों में भाग लिया था। जब बीजेपी ने ऑपरेशन लोटस के तहत शिवसेना और एनसीपी को तोड़ा, आप नेता केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगहों पर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोलने आगे आए थे। केजरीवाल ने जब केंद्र द्वारा एक कानून लाकर ग्रुप-ए अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग को नियंत्रित करने की कोशिश की तब वह उद्धव ठाकरे से समर्थन मांगने के लिए मातोश्री भी गए थे।

आप की दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को न केवल चौंका दिया, बल्कि यह उन दोनों दलों के लिए निराशा का कारण बन गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि बीजेपी ने दिल्ली चुनावों में वही रणनीति अपनाई जो उसने महाराष्ट्र में अपनाई थी, जैसे केंद्रीय एजेंसियों के जरिए केजरीवाल को परेशान करना, पार्टी नेताओं को गिरफ्तार करना और फर्जी मतदाता सूची बनाना। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हार के बाद क्षेत्रीय दलों ने उम्मीद जताई थी कि आप अब बीजेपी के खिलाफ मजबूत होगी, लेकिन दिल्ली में हार के बाद वह उम्मीद टूट गई। अब मुंबई और महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनावों, विशेष रूप से बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर उद्धव ठाकरे के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। यह चुनाव उनके राजनीतिक नेतृत्व और पार्टी की पहचान के लिए 'करो या मरो' स्थिति होगी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा दिल्ली में जीत का साफ संकेत है कि लोग पार्टी के नेतृत्व में विश्वास करते हैं। हम बिहार विधानसभा चुनाव भी जीतेंगे।

तेजस्वी के लिए चुनौती: अब तो बिहार में कांग्रेस को तवज्जो देना ही होगा

पटना (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने क्षेत्रीय दलों को एक बड़ा सबक सिखा दिया है। दिल्ली में कांग्रेस भले ही शून्य पर रही, लेकिन उसके वोटों ने आम आदमी पार्टी की हार में अहम भूमिका निभाई। इससे साफ है कि बीजेपी विरोधी क्षेत्रीय दलों के लिए कांग्रेस से गठबंधन कितना जरूरी है। अगर रीजनल पार्टियां कांग्रेस को भाव नहीं दिए तो केजरीवाल बनने में देर नहीं लगेगी। दिल्ली से कांग्रेस ने लालू यादव और तेजस्वी यादव को साफ-साफ संकेत दे दिया है कि बिहार चुनाव में हर हल में भाव देना होगा।

दिल्ली में कांग्रेस ने हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे वाली कहावत चरितार्थ कर दी। अब सवाल उठता है कि आखिर कांग्रेस जरूरत भी क्यों है और मजबूरी भी? इसका जवाब हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिलता है। आप ने कांग्रेस से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को पहला झटका लगा। कांग्रेस और आप अलग-अलग लड़े। नतीजा, दोनों को नुकसान हुआ। कांग्रेस की हार की एक बड़ी वजह आप बनी। दिल्ली चुनाव से पहले बिहार में आरजेडी, कांग्रेस को भाव नहीं देती थी। हालांकि बिहार में कांग्रेस और आरजेडी के बीच ज्यादा अनबन नहीं है। लेकिन राहुल गांधी के जातिगत जनगणना वाले बयान ने राजद को असहज कर दिया है। राहुल गांधी के बयान से तेजस्वी यादव बैकफुट पर हैं। इधर कांग्रेस हर हाल में 2020 वाली सीट आरजेडी से चाहती है। दूसरी ओर लालू यादव अभी तक कांग्रेस को 70 सीट देने के मूड में नहीं थे। अंदरखाने से खबर थी की लालू-तेजस्वी कांग्रेस को 50 से भी कम विधानसभा सीट देना चाहते हैं। लेकिन दिल्ली रिजल्ट के बाद साफ हो गया है कि अगर कांग्रेस महागठबंधन से बाहर हो जाती है तो लालू परिवार को अरविंद केजरीवाल तो बिहार में बना ही सकती है। दिल्ली के चुनाव नतीजों ने क्षेत्रीय दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है। कांग्रेस की अनदेखी करना उनके लिए नुकसानदेह हो सकता है। सियासी पंडितों का भी मानना है कि बीजेपी विरोधी गठबंधन में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी उपेक्षा करके रीजनल पार्टियां अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारेंगे। हालांकि अब यह देखना होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी कांग्रेस को कितना भाव देती है।

कांग्रेस ने दिल्ली में आप का सूपड़ा साफ किया, अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी की बारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। फिर भी खुश नजर आ रही है। वजह ये है कि कांग्रेस का विरोध करने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से बदला ले लिया। आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ करवा दिया है। अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नजर पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर है। ये वही टीएमसी है जिसने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर सवाल उठाए थे। कुल मिलाकर कांग्रेस भले ही चुनाव जीतने में कामयाब न हो पाए पर दिल्ली चुनाव के बाद यह माना जाने लगा है कि विरोधियों को धूल चटाने में कांग्रेस सफल हो रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार के बाद और समाजवादी पार्टी तथा नेशनल कांफ्रेंस द्वारा कांग्रेस पर आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनौती देने की योजना बनाई जा रही है। यहां ममता बनर्जी की पार्टी ने कांग्रेस को बार-बार नजरअंदाज किया है।सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस ने यह स्पष्ट किया है कि राज्य स्तर पर सहयोगियों के खिलाफ संघर्ष का मतलब राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन खत्म करना नहीं है, बल्कि यह सिर्फ पार्टी की महत्त्वाकांक्षाओं का हिस्सा है। इसे उसके अन्य सहयोगी आसानी से पचा नहीं पा रहे हैं। राहुल गांधी ने इस विचार को स्वीकार किया कि अगर कांग्रेस ने राज्य दर राज्य हार मान ली, तो इसका राष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ेगा और बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस एक ठोस विकल्प नहीं बन पाएगी। इस समय राहुल गांधी का मानना है कि कांग्रेस के सभी राज्य इकाइयों को एक नई दिशा की आवश्यकता है और यही उनके अगले कदम का उद्देश्य है।

कांग्रेस ने आप से बदला लिया अब ममता की बारी, राहुल गांधी ने सेट किए कांग्रेस के नए टारगेट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अंततः अपनी राजनीति की राह पर चलने लगे हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद अब कांग्रेस की नजर पश्चिम बंगाल पर है। पार्टी वहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से मुकाबला करने के लिए तैयार है। राहुल गांधी ने 2004 में सक्रिय राजनीति में कदम रखा था और उन्हें युवाओं के मामलों का प्रभारी नियुक्त किया गया था। तब उन्होंने एकला चलो रे के सिद्धांत पर विश्वास किया था, यानी पार्टी को अकेले ही खड़ा होना चाहिए। यह सिद्धांत सोनिया गांधी के नेतृत्व में बने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) से बिल्कुल अलग था। हालांकि यह कांग्रेस के लिए गठबंधन राजनीति का एक प्रयोग था। राहुल का हमेशा मानना था कि पार्टी तब ही बढ़ सकती है जब वह अकेले चुनाव लड़े।

राहुल गांधी ने अपनी पार्टी के नेताओं से यह अक्सर कहा था कि अकेले खड़े होने से लंबी अवधि में फायदा होगा, भले ही चुनाव हार जाएं। लेकिन कई चुनावी विफलताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने की इच्छा ने उन्हें गठबंधन राजनीति को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को यह एहसास हुआ कि जहां इंडिया गठबंधन के अन्य दल मजबूत हो रहे हैं, वहीं

कांग्रेस पिछड़ती जा रही है। सीधे मुकाबले में बीजेपी के साथ कांग्रेस का जीतना अब संभव नहीं लग रहा था। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद राहुल गांधी ने यह विचार किया कि अब कांग्रेस को अकेले ही चुनावी मैदान में उतरना होगा और अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप को चुनौती देने का इरादा बनाना पड़ा।

विधायक अपनी कार्यशैली पारदर्शी रखें

नई दिल्ली/ एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा के चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, राष्ट्रीय मंत्री दिल्ली भाजपा की सह प्रभारी डा. अल्का गुर्जर, सह प्रभारी अतुल गर्ग, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं संगठन महामंत्री पवन राणा ने आज सभी 48 नवनिर्वाचित विधायकों के साथ छोटी बैठकें की। संसदीय क्रमवार तय बैठकों में लगभग सभी सांसदों ने भी अपने क्षेत्र के विधायकों के साथ भाग लिया।

वरिष्ठ नेताओं ने विधायकों को उचित संगठनात्मक एवं प्रशासनिक नियमों के अंतर्गत कार्य करने के दिशा-निर्देश देने के साथ ही कहा की सभी विधायक अपनी कार्यशैली पूरी तरह पारदर्शी रखें।

बैठकों में नेताओं ने विधायकों का ध्यान शनिवार की शाम को प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के विजय संदेश की ओर आकृष्ट किया और कहा की हमे बिना समय खोये प्रधान मंत्री के मन की विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए काम शुरू करना होगा।

भाजपा ने की नई सरकार के गठन की कवायद शुरू

दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व ने दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की नई सरकार के गठन को लेकर विचार मंथन आज शुरू कर दिया। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के सदस्यों के नामों पर विचार के लिए गृह मंत्री अमित शाह के निवास पर एक बैठक हुई जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल हुए। बैठक में भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाने और केंद्रीय पर्यवेक्षक तय करने पर भी बातचीत होनी है।

■ बैठकों में सांसदों ने भी अपने क्षेत्र के विधायकों के साथ लिया भाग

वहीं भाजपा की दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को शाम पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलायी है। श्री सचदेवा विधायकों से मिल कर उन्हें बधाई देंगे। गौरतलब है कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड विजयी हासिल की है। पार्टी ने 48 सीटें जीत कर 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। इस जीत के बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल है। पार्टी के विजयी उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र में जुलूस निकाल कर रहे हैं।

वहीं, नई दिल्ली विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को शिकस्त देने वाले भाजपा के विजयी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा, बिजवासन विधानसभा सीट से पार्टी के विजयी उम्मीदवार कैलाश गहलोत और गांधी नगर विधानसभा सीट से पार्टी के विजयी उम्मीदवार अरविंदर सिंह लवली ने राज निवास जाकर उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना से रविवार को मुलाकात की। इन नेताओं ने श्री सक्सेना से मुलाकात के बाद कहा कि उन्होंने उपराज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की है। वहीं, श्री सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के लिए वोट दिया है।

एलजी को सौंपे गए दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से पूर्ण कर ली है। इस प्रक्रिया के तहत संविधान अधिसूचना और निर्वाचित प्रत्याशियों की सूची रविवार को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को सौंपी गई। यह सूची भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अजय कुमार और दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर एलिस वाज़ द्वारा सौंपी गई। इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के सचिव बी सी पात्रा और दिल्ली के विशेष मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार भी उपस्थित रहे। इस प्रस्तुतिकरण के साथ, दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है, जो कि एक स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रतीक है।

संविधान अधिसूचना और निर्वाचित प्रत्याशियों की सूची भी सौंपी गई

हमदर्द नेशनल फाउंडेशन और फ़िक्की ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए

नई दिल्ली। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया द्वारा और फेस इस्लामिक कल्चरल कम्युनिटी इंटीग्रेशन (फिक्की) के सहयोग से एक कंबल वितरण कार्यक्रम आराम पार्क में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड से प्रभावित गरीब और जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाना था, ताकि वे भी सर्दियों में सुखद नींद ले सकें।

इस अवसर पर फ़िक्की के फाउंडर चेयरमैन डॉक्टर मुश्ताक अंसारी ने कहा कि हमदर्द फाउंडेशन लंबे समय से सामाजिक सेवा में अग्रसर है और गरीबों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहता है। इस कड़ी में एचईसीए और फ़िक्की के संयुक्त सहयोग से यह कंबल वितरण अभियान चलाया गया, जिसमें अनेक गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को सर्दियों से बचाव के लिए कंबल उपलब्ध कराए गए।

डॉक्टर मुश्ताक अंसारी ने कहा कि फ़िक्की केवल स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि गरीबों और जरूरतमंदों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी निरंतर प्रयास कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि हमदर्द नेशनल फाउंडेशन और फ़िक्की स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए मिलकर काम करती हैं। ये दोनों संस्थाएँ गरीब और जरूरतमंदों के जीवन सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और भविष्य में भी ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित करती रहेंगी।

दिल्ली में झूठ की हार : जय भगवान गोयल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली में प्रचंड जीत पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने इसे 'झूठ की हार' करार दिया है। भाजपा की शानदार जीत के उपलक्ष में शाहदरा स्थित कार्यालय में जोरदार आतिशबाजी की गई, पटाखे छोड़े गए और लड्डू बांटे गए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि झूठ के सहारे अधिक समय तक सत्ता में टिकना असंभव है। आम आदमी पार्टी ने झूठ के दम पर सत्ता हासिल की थी और शासन में रहते हुए लगातार जनता को गुमराह करती रही। दिल्ली को विकास के नाम पर अराजकता और अव्यवस्था में धकेल दिया गया, जिससे राजधानी नरक बनकर रह गई। श्री गोयल ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की हार इस बात का संकेत है कि अब पार्टी जल्द ही देशभर में बिखर जाएगी। उन्होंने भाजपा की ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को दिया। उन्होंने कहा कि यह जीत दिल्ली की जनता की जागरूकता और भाजपा के कुशल नेतृत्व का प्रमाण है, जिसने झूठ और भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक विजय प्राप्त की।

सचदेवा ने किए हनुमान जी के दर्शन, मांगा आशीर्वाद

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़त के बीच दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचकर दर्शन किए व पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने 'विकसित दिल्ली' निर्माण के लिए सामर्थ्य प्रदान करने की प्रार्थना की। सुबह से हो रही मतगणना और प्रचंड जीत की ओर बढ़ रही भाजपा के बारे में वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ और विकास के मॉडल को अपनाने के लिए वोट दिया है। लोगों ने हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा किया है।' मुख्यमंत्री कौन बनेगा यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा का कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बनेगा, वह कार्यकर्ता कौन होगा यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास था कि नतीजे भाजपा के पक्ष में आएंगे। चुनाव के दौरान हमारे कार्यकर्ताओं ने दृढ़ता और जुनून के साथ काम किया है। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं से मिली प्रतिक्रिया और शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि दिल्ली में डबल इंजन सरकार बन रही है। सचदेवा ने आगे कहा, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह ने शुक्रवार को जो बयान दिए हैं, उससे पता चलता है कि वे हारने जा रहे हैं। पिछले डेढ़ साल से भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को मुद्दों से भागने नहीं दिया है। हमने शराब घोटाला, वायु और जल प्रदूषण, खराब सड़कें, शीश महल, ओवरफ्लो हो रहे सीवर आदि पर बात की है और हर मुद्दे पर केजरीवाल माफी मांगते नजर आए। उन्होंने आगे कहा, दिल्ली की दुर्दशा दिखाने के लिए ये मुद्दे जरूरी थे। आआपा ने इन मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने, बहकाने और भटकाने की कोशिश की है। आज दिल्ली की जनता तय कर दिया है कि वह विकास के साथ चलेगी, झूठे वादे करने वाले भ्रष्टाचारियों के साथ नहीं।

मालीवाल का आप पर कटाक्ष, द्रौपदी के 'चीरहरण' की तस्वीर साझा की

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने द्रौपदी के 'चीरहरण' की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि अहंकार के कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) और इसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल की हार हुई है। पिछले साल आप से अलग हो चुकीं मालीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यहां तक कि रावण का अहंकार भी नहीं बचा था।'' द्रौपदी के ''चीरहरण'' पर मालीवाल का पोस्ट उनके उन आरोपों का संदर्भ है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि केजरीवाल के एक करीबी सहयोगी ने मुख्यमंत्री आवास के भीतर उन पर हमला किया था। यह कथित घटना उस वक्त हुई थी जब केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री थे। मालीवाल का यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब दिल्ली विधानसभा चुनाव के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आप पर बढ़त बनाए हुए है और वह राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल भी नई दिल्ली सीट से चुनाव हार गए हैं।

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के चयन की कवायद शुरू होने के बीच नड्डा ने शाह से मुलाकात की

नई दिल्ली/ एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक दिन पहले ही दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के साथ नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कवायद तेज होने के बीच पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय में विचार-विमर्श किया था। पार्टी की शानदार जीत के बाद मोदी ने उत्साही कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

भाजपा ने चुनावों में हर क्षेत्र और अधिकतर समुदायों के बीच प्रभावशाली बढ़त हासिल की है, इसलिए उसके पास मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों की एक विस्तृत सूची है।

विभिन्न राज्यों में अपने मुख्यमंत्रियों को चुनने में पार्टी के विकल्पों को अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, ऐसे में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि दिल्ली कोई अपवाद नहीं होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले जाट समुदाय के नेता प्रवेश वर्मा जैसे प्रमुख चेहरे और सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, आशीष सूद एवं पवन शर्मा जैसे संगठन के अनुभवी नेताओं की चर्चा हो रही है,

लेकिन भाजपा का इतिहास अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को आगे बढ़ाने का रहा है।

भाजपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राजनीतिक समीकरणों के आधार पर पूर्वांचल की पृष्ठभूमि वाले किसी विधायक, सिख या महिला पर भी विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि 2023 में मध्यप्रदेश और राजस्थान तथा पिछले साल ओडिशा समेत पिछले अनुभव के मद्देनजर ऐसे मामलों पर अटकलों के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

भाजपा ने मध्यप्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा और ओडिशा में मोहन चरण माझी को चुना, जिससे अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक हैरान रह गए।

भाजपा नेता ने कहा, ''आप कभी नहीं जानतेज्राष्ट्रीय नेतृत्व एक बिल्कुल नया चेहरा लेकर आ सकता है, जो इस पद के लिए उपयुक्त हो और लोगों की भारी उम्मीदों के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हो।''

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री पर फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा। उन्होंने कहा कि सभी नवनिर्वाचित विधायक उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सक्षम हैं।

● इल्मास मंसूरी पूर्व राष्ट्रीय, कार्यकारिणी समिति सदस्य अल्पसंख्यक मोर्चो, भारतीय जनता पार्टी ने अभय वर्मा को लक्ष्मी नगर से दोबारा जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई दिया और सारे दिल्ली वासियों का भी आभार व्यक्त किया जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

आप की हार पर आतिशी ने कहा- चुनाव में गुंडागर्दी और प्रशासन की मिलीभगत रही बड़ी वजह

नई दिल्ली/ एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली शानदार जीत और आम आदमी पार्टी (आप) की करारी हार के बाद रविवार को आप नेता आतिशी ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जितनी गुंडागर्दी हुई है, उतनी पहले कभी नहीं देखी गई।

आतिशी ने कहा कि जितनी गुंडागर्दी के साथ दिल्ली का यह चुनाव हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ।

खुलेआम पैसा और शराब बांटी जा रही थी, इसमें पुलिस वाले भी शामिल थे और जिन लोगों ने इसका विरोध किया, उन्हें जेल में डाल दिया गया। यह आम आदमी पार्टी नहीं कह रही है, यह दिल्ली की जनता कह रही है। हालांकि,

उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता के जनादेश का सम्मान करती है और इस चुनावी परिणाम को स्वीकार करती है।

कांग्रेस के बारे में पूछे गए सवाल पर आतिशी ने कहा कि अभी इस बात का विश्लेषण किया जा रहा है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार में कितनी भूमिका निभाई, लेकिन इस मुद्दे पर फिलहाल कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। हालांकि, यह साफ है कि आम आदमी पार्टी की हार का एक बड़ा कारण चुनाव में हो रही गुंडागर्दी और प्रशासन की मिलीभगत रही। उन्होंने कहा कि पार्टी की आधिकारिक बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी और जल्द ही सभी तथ्यों का विश्लेषण किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाएगी, ताकि दिल्ली की जनता के हक में काम किया जा सके और उन्हें बेहतर सुविधा मिल सके। बता दें कि शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। इस चुनाव में भाजपा ने 42 सीटों पर शानदार जीत हासिल की तो वहीं, आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर सिमट गई। इस चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस का खाता नहीं खुला।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत 13 अंक बढ़ा और 'आप' का 10 अंक घटा

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मत प्रतिशत लगभग 13 अंक बढ़ा है जबकि इसी अवधि के दौरान 'आप' का मत प्रतिशत लगभग 10 अंक कम हुआ है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) के मतों में मात्र दो प्रतिशत का अंतर रहा।भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी में 70 में से 48 सीट जीतकर सत्ता हासिल कर ली है तथा 'आप' को 22 सीट पर जीत मिली।भाजपा ने 26 साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की है। दिल्ली में कांग्रेस लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत सकी।'आप' को 43.57 प्रतिशत मत मिले, जो 2020 के चुनाव में 53.57 प्रतिशत से कम है। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में उसे 54.5 प्रतिशत मत मिले थे। ऐसा शायद पहली बार है कि कोई पार्टी 40 प्रतिशत मत प्राप्त करने के बाद भी

चुनाव हार गई।वर्ष 2020 और 2015 में 'आप' ने क्रमशः 67 और 62 सीट हासिल करके भारी जनादेश हासिल किया था।भाजपा ने 45.56 प्रतिशत मत हासिल किये और 48 सीट जीतीं। भाजपा का मत प्रतिशत 2020 के चुनाव में मिले 38.51 प्रतिशत और 2015 के चुनाव में हासिल 32.3 प्रतिशत के मुकाबले बढ़ा है।वर्ष 1998 से 2013 तक 15 साल तक दिल्ली में सत्ता में रही कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली और उसे 6.34 प्रतिशत मत मिले। देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए एकमात्र राहत की बात यह रही कि पिछली बार की तुलना में इस बार उसके मत प्रतिशत में 2.1 प्रतिशत का सुधार हुआ।कांग्रेस को 2020 के विधानसभा चुनाव में 4.3 प्रतिशत मत मिले थे। कांग्रेस को इस बार मिले 6.34 फीसदी वोट के चलते 'आप' को सभी विधानसभा क्षेत्रों में नुकसान उठाना पड़ा।

दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व को : विजेंद्र गुप्ता

-जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी की रोहिणी में आयोजित विजय यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार लगातार जीत हासिल कर हैटट्रिक मारने वाले भाजपा प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा है कि यह विजय उनकी जनकल्याणकारी नीतियों, विकसित भारत के निर्माण की योजनाओं और प्रभावशाली व कुशल नेतृत्व का प्रतिफल है। गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा पर विश्वास व्यक्त कर ऐतिहासिक और प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली की देवतुल्य जनता का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। बकौल गुप्ता दिल्ली में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनाने के लिये दिल्ली की देवतुल्य जनता ने आज विकास और समृद्धि का %कमल% खिलाकर एक इतिहास रचने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक जनादेश भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के कुशल सांगठनिक नेतृत्व, गृहमंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा के असंख्य समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है।

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में भारी मतों से जीत हासिल करने के बाद विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में अपनी विजय यात्रा निकाली। उनकी जीत का जुलूस रोहिणी के सेक्टर-15 के एनसीसी भवन से शुरू हुआ और सेक्टर 18 की रेड लाइट, मानव चौक, सेक्टर 15 की ष्ट-ष्ठ डिवाइडिंग रोड, श्व-स्न ब्लॉक डिवाइडिंग रोड, बंसल प्रॉपर्टी, एफ ब्लॉक, ए ब्लॉक ड्रेन रोड, सचदेवा स्कूल, नीलकंठ अपार्टमेंट, तुलसी अपार्टमेंट, प्रशांत विहार के बाबोसा मंदिर रोड, डीसी चौक, कैप्टन संजीव दहिया मार्ग, फायर स्टेशन, शिव रोड, सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग रोड और अशोका अपार्टमेंट से होता हुआ सेक्टर 7 के चुनाव कार्यालय पर सम्पन्न हुआ। विजय यात्रा में भाजपा के हजारों समर्पित कार्यकर्ता, संगठन के पदाधिकारी, स्थानीय निवासी और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में जगह जगह स्थानीय लोगों ने माला पहनाकर और पुष्प वर्षा के साथ उनका भव्य स्वागत किया। विजय यात्रा के अवसर पर जनता जनार्दन को उन्होंने अपना भारी समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया और उनको संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास के नए विजन के कारण ही दिल्ली में भाजपा का 27 साल का वनवास खत्म हुआ है और यहां डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने एक फिर से आप सरकार के भ्रष्टाचार पर हमला करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार और मुख्यमंत्री आतिशी के झूठे वादों के कारण ही आज दिल्ली में आम आदमी पार्टी को सबसे बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि गरीबों और श्रमिकों को राशन तक ना दे सकने वाली सरकार को दिल्ली की जनता ने आईना दिखा दिया है कि जनता का आवाज़ को दबाने वाली पार्टी का क्या हश्र हो सकता है। झूठे वादों और सपनों का कोई वजूद नहीं होता और

आम आदमी पार्टी ने झूठे वादे करके दिल्ली की जनता को जो सपने दिखाए थे, वो सब एक न एक दिन तो टूटने ही थे।

गुप्ता ने इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना भारी समर्थन देने के लिए दिल्ली की जनता को बधाई दी और उनका आभार जताते हुए कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में दिल्ली में जो सरकार बनेगी वो पहले दिन से ही भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार लोक कल्याण के लिए और दिल्ली के विकास के लिए काम करना शुरू कर देगी।

यूपी विधानसभा का बजटसत्र 18 फरवरी से होगा प्रारंभ

लखनऊ, ।उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से प्रारंभ होगा।विधान सभा सचिवालय से रविवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गयी। जारी अधिसूचना के अनुसार 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं,आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल,उत्तर प्रदेश एतदद्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा को मंगलवार 18 फरवरी 2025 को 11 बजे पूर्वाह्न से विधान सभा मंडप विधान भवन लखनऊ में उसके वर्ष 2025 के प्रथम सत्र के लिए आहूत करती हूं।'

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में बड़ा रेल हादसा टला, ट्रैक पर पत्थर रख रची गई थी साजिश

रायबरेली।उत्तर प्रदेश के रायबरेली में रविवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया। चंपा देवी पुल के नजदीक रेलवे ट्रैक पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा बड़े पत्थर रख दिए गए थे।सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोको पायलट की सूझबूझ से दुर्घटना टल गई। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।आरपीएफ मामले की छानबीन कर रहा है।पुलिस ने बताया कि नगर कोतवाली में एक तहरीर प्राप्त हुई है।इस मामले को आरपीएफ देख रहा है।वही इसकी छानबीन कर रहा है।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना पुल पर हुई है।रनिंग रेल के बीच कुछ पत्थर रखे दिखाई दिए। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने पुलिस को जानकारी दी और स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया गया।फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है कि इन पत्थरों को वहां रखने के पीछे किसकी साजिश है।बछरावां क्षेत्र के वरिष्ठ खंड अभियंता ने शहर कोतवाली में तहरीर दी।अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।उल्लेखनीय है कि बीते कुछ माह से ट्रेन हादसा कराने के उद्देश्य से लगातार साजिश की जा रही है। कहीं पत्थरबाजी, तो कहीं ट्रेन के रास्ते पर लोहे के रॉड भी रखे जा चुके हैं।किसी भी मामले में साजिशकर्ता का नाम सामने नहीं आया है।

रायबरेली के पास ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम, जांच शुरु

रायबरेली।रायबरेली में रेलवे स्टेशन के समीप चंपा देवी मंदिर के पास पटरी पर पत्थर रखकर ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम हो गयी क्योंकि समय रहते लोको पायलट ने उसे (पत्थर को) देख लिया और आपातकालीन ब्रेक लगा दी। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार मामले की सूचना कोतवाली पुलिस और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को दी गयी।वरिष्ठ खंडीय अभियंता (सीनियर सेक्शन इंजीनियर) की ओर से कोतवाली पुलिस को तहरीर भी दी गई है।अधिकारियों के मुताबिक स्टेशन से कुछ दूर चंपा देवी मंदिर के पास रेलवे पुल के ट्रैक पर किसी ने पत्थर रख दिया।रेलवे पुल पर 'गार्ड रेलिंग' और 'रनिंग रेलिंग' के बीच 450 मिमी का मानक अंतर है, जहां शनिवार रात पत्थर रख दिये गये थे।शनिवार रात लखनऊ से आने वाली यशवंतपुर एक्सप्रेस जब करीब पहुंची तो सिग्नल लाल होने के कारण ट्रेन की गति धीमी थी।इस पर यशवंतपुर एक्सप्रेस के लोको पायलट ने रेलवे पटरी पर पत्थर रखे देख लिये। लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी और पत्थर हटवाया, उसके बाद गाड़ी आगे बढ़ी।लोको पायलट ने इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष को दी।इसके बाद वरिष्ठ खंडीय अभियंता (बछरावां) ने आरपीएफ और नगर कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। अधिकारियों के अनुसार रात में ही रेलवे अधिकारी, आरपीएफ और सिविल पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे, छानबीन की।जांच के बाद देर रात रेलवे के वरिष्ठ खंडीय अभियंता ने नगर कोतवाली पुलिस को घटना के संबंध में तहरीर दी।वरिष्ठ खंडीय अभियंता शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि पत्थर रखे होने की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे तथा आरपीएफ और सिविल पुलिस को भी सूचना दी गई थी।श्रीवास्तव के अनुसार आरपीएफ और पुलिस अधिकारियों ने भी छानबीन की है।पत्थर करीब एक फीट का था, इसके अलावा अन्य कई छोटे–छोटे पत्थर रखे गए थे।वरिष्ठ खंडीय अभियंता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर जानलेवा हमला

-महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी पर आरोप

प्रयागराज ।महाकुंभ में किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर जानलेवा हमला हुआ। हिमांगी सखी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं।उन्होंने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी पर हमला करने का आरोप लगा है।हमला सेक्टर– 8 स्थित कैंप में किया गया।इसके फुटेज सामने आ गए हैं।हिमांगी सखी ने कहा कि लक्ष्मी नारायण अपने साथ 50–60 लोगों को लेकर आई थीं, जिनके पास त्रिशूल, फरसा जैसे हथियार थे।बता दें कि हिमांगी सखी लगातार ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने का विरोध कर रही थीं।किन्नर जगदगुरु हिमांगी सखी ने बताया– मैं इस समय सेक्टर–8 में रह रही हूं।कल रात मैं अपने सेवादारों के साथ शिविर में थी। रात करीब 9.50 बजे किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी अपने साथ पवित्रा, कलावती मां, कौशल्या नंदगिरी उर्फ टीना मां, कलकेश्वरी, आशानाथ के साथ मेरे पास पहुंचीं।ये लोग 10–12 गाड़ियों में 50 अन्य लोगों के साथ लाठी–डंडे, हॉकी, रॉड, तलवार, फरसा, त्रिशूल और असलहे लेकर मेरे शिविर में घुस आए। मेरी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी को पकड़ लिया।लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी और उनके साथियों ने जान से मारने की नीयत से मुझ पर हमला किया।मुझे लात, मुक्के, घूसों और डंडे से बुरी तरह मारा पीटा।इससे मैं गंभीर रूप से घायल हो गई।मेरे सभी सेवादार इन लोगों के हाथ–पैर जोड़ते रहे।लेकिन, इन लोगों ने किसी की बात नहीं सुनी। इस घटना की वीडियो रिकार्डिंग सीसीटीवी में मौजूद है।

महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रक से टकराई, 4 की मौत, 4 घायल

सोनभद्र।यूपी के सोनभद्र जिले के एक गांव में रविवार सुबह श्रद्धालुओं से भरी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई, जिसमें दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक बोलेरो कार में सवार श्रद्धालु महाकुंभ से स्नान कर छत्तीसगढ़ के रायपुर लौट रहे थे।श्रद्धालुओं की कार जब दरनखाड़ गांव पहुंची तभी सामने से आ रहे एक ट्रेलर ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।इस घटना में लक्ष्मी बाई (30), अनिल प्रधान (37) ठाकुर राम यादव (58) और रुक्मिणी यादव (56) की मौत हो गई। जबकि दिलीपा देवी, योगी लाल, सुलेन्द्री देवी एवं ढाई वर्षीय हर्षित गंभीर रूप से घायल हो गए।उन्होंने बताया कि घायलों को सामुदायिक चिकित्सालय भेजा गया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मिल्कीपुर में सपा की शर्मनाक हार, जनता को है जवाब का इंतजार

- मायावती ने कहा-दिल्ली में अब बीजेपी किए वादे और गारंटियों को पूरा करे

लखनऊ।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने मिल्कीपुर में सपा की हार को लेकर कहा कि सपा की इतनी शर्मनाक हार कैसे हुई, इसके जवाब का जनता को इंतजार है।मायावती ने रविवार को जारी बयान में कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की अपनी सीट पर 61,710 वोटों से करारी हार भी जनता की नजर में हकीकत को लेकर है कि बसपा द्वारा चुनावी गड़बड़ी संबंधी सुधार होने तक देश में कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले के कारण इस सीट पर पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं होने के बावजूद सपा की इतनी शर्मनाक हार कैसे हुई उन्होंने कहा कि सपा के जवाब का लोगों को इंतजार है क्योंकि यूपी में पिछली बार हुए उपचुनाव में सपा ने अपनी पार्टी की हार की ठीकरा बसपा पर फोड़ने की कोशिश की थी।उन्होंने कहा कि यूपी के गरीब, मजदूरों, दलितों, अन्य पिछड़ा और मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों से यही कहना है कि बीजेपी, कांग्रेस और सपा आदि जातिवादी पार्टियां उनकी हितैषी नहीं बल्कि अधिकतर मामलों में शोषक हैं। इन सभी लोगों का हित केवल अम्बेडकरवादी बसपा में सुरक्षित है।

प्रयागराज पहुंचे उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, कहा - यह आस्था का महासंगम

–महाकुम्भ के भव्य आयोजन के लिए की पीएम मोदी और सीएम योगी की प्रशंसा

–मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड मंडपम का भी किया निरीक्षण, ज्ञान महाकुंभ' में भी लिया हिस्सा

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महाकुम्भ 2025 के पावन अवसर पर रविवार को प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ को आस्था का महासंगम करार दिया और कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि यह महाकुम्भ हमारे युग में आया है। उन्होंने महाकुम्भ के भव्य आयोजन के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड मंडपम का भी निरीक्षण किया। साथ ही, वह सेक्टर 8 में आयोजित ज्ञान महाकुंभ' में भी हिस्सा लेने पहुंचे।

त्रिवेणी से समृद्ध भारत के लिए करेंगे कामना

प्रयागराज पहुंचने पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा, 'यह आस्था का महासंगम है। हमारे देश के करोड़ों लोग यहां पवित्र स्नान कर रहे हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि यह महाकुम्भ हमारे युग में आया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम मां गंगा, यमुना और सरस्वती से प्रार्थना करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर समृद्धि और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे।' उन्होंने सीएम योगी को भी भव्य आयोजन के लिए धन्यवाद कहा।

उत्तराखंड मंडपम में आए श्रद्धालुओं से की मुलाकात

यहां से सीएम धामी ने महाकुम्भ 2025 में स्थापित उत्तराखंड मंडपम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तराखंड मंडपम में आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने श्रद्धालुओं से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी सुविधा को लेकर संतोष जताया। यह मंडपम उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा को सहजता से पूरा कर सकें। महाकुम्भ 2025 में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। उत्तराखंड मंडपम जैसे केंद्र उन्हें विशेष सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनकी यात्रा और अधिक स्मरणीय बन सके।

'ज्ञान महाकुंभ' में भी लिया हिस्सा

पुष्कर सिंह धामी ने सेक्टर-08, प्रयागवाल मार्ग में आयोजित 'ज्ञान महाकुंभ' में भी सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने धार्मिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विमर्शों पर अपने विचार साझा किए और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा, ÷शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए इस ज्ञान महाकुंभ का आयोजन किया गया है। निश्चित रूप से यह ज्ञान महाकुंभ हमारी आने वाली नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को एक नई दिशा देने का कार्य करेगा।÷ उन्होंने कहा कि प्रयागराज की पवित्र

धरा पर हो रहे %ज्ञान महाकुंभ% में शैक्षिक प्रदर्शनी, संगोष्ठियां, छात्र, महिला और आचार्य सम्मेलन जैसे विभिन्न आयोजनों के माध्यम से युवाओं में भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना को जागृत किया जा रहा है। उन्होंने आगामी वर्ष 2027 में हरिद्वार में होने वाले अर्धकुम्भ के लिए सभी को आमंत्रित किया।

प्रयागराज महाकुम्भ के त्रिवेणी स्नान गहरी शांति और आत्मिक उत्थान का क्षण: सीएम प्रेम सिंह तमांग

– महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने वाले पूर्वोत्तर के पहले मुख्यमंत्री बने तमांग

– कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी लगाई पावन डुबकी

महाकुम्भ नगर(एजेंसी)। प्रयागराज महाकुम्भ के त्रिवेणी स्नान गहरी शांति और आत्मिक उत्थान का क्षण था। इस दिव्य आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सौभग्य की बात है। करोड़ों श्रद्धालु यहां आस्थ और भक्ति के साथ एकत्र हुए हैं। इस ऊर्जा को महसूस करना अत्यंत प्रेरणादायक है। यह विचार रविवार को संगम स्नान करने के बाद सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री तमांग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे महाकुम्भ 2025 का हिस्सा बनने और त्रिवेणी संगम में स्नान करने का अवसर प्रदान किया। मुख्यमंत्री तमांग के साथ सिक्किम से आए 135 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी महाकुम्भ में भाग लिया और संगम में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। उन्होंने प्रयागराज प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा अन्य अधिकारियों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री तमांग ने त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से आशीर्वाद लेकर समस्त देशवासियों के लिए धर्म, शांति और सद्भाव की कामना की।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने भी लगाई डुबकी

प्रयागराज महाकुम्भ मेले में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी रविवार को परिवार सहित त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। 144 वर्ष में आयोजित हो रहे इस महाकुम्भ में शामिल होकर उन्होंने खुशी जाहिर की।

मिल्कीपुर का चुनाव जिताने वाले जाबांजों का हो सम्मान : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। मिल्कीपुर उपचुनाव के परिणाम के बाद भाजपा की जीत को झूठी करार देने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को भी हमला जारी रखा। उपचुनाव में गड़बड़ी के सवाल उठाए और गड़बड़ी करने वालों को 'लोकतंत्र के जांबाज' नाम से पुरस्कार देने की बात कहकर कटाक्ष किया।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद अखिलेश यादव ने इसे भाजपा द्वारा चुनावी तंत्र के दुरुपयोग का परिणाम बताया था। रविवार को उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि चुनाव कराने वालों को कुछ लोगों को अवार्ड देना चाहिए। एक अवार्ड उस व्यक्ति को जिसने मिल्कीपुर में भाजपा के लिए अकेले छह वोट डाले। एक अवार्ड उन लोगों को जिन्होंने उन लोगों से मतदान करवाया जो दुनिया से जा चुके है और उनसे भी, जिनके मतदान के दिन कहीं और ड्यूटी करने के प्रमाण हैं।

कहा कि एक अवार्ड उन कर्मचारियों को जिन्होंने आंखें बंद करके ऐसे लोगों के मतदान करने को संभव बनाया। एक अवार्ड उन अधिकारियों को जिन्होंने सत्ताधारियों द्वारा दिये गये टार्गेट को स्वयं पूरी कर्तव्यनिष्ठा से संपन्न कर किसी पर 'एहसान' किया। ?सबसे बड़ा अवार्ड चुनाव कराने वालों को खुद को ही देना चाहिए, जिन्होंने 'सत्ता सेवा' के लिए अपनी गौरवशाली निष्पक्ष चुनाव कराने की परंपरा का संपूर्ण त्याग कर दिया।

अखिलेश यादव ने कटाक्ष करते हुए लिखा कि ऐसा महान त्याग अगर पुरस्कृत नहीं होगा तो पुरस्कारों का महत्व ही क्या रह जाएगा और ऐसा करने के बाद अंत में उन्हें अपने गले में एक माला भी डाल लेनी चाहिए।

महाकुंभ में हो आपात व्यवस्थाएं, फ्री हों टोल

सपा मुखिया ने रविवार को महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए। एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उप्र में वाहनों को टोल मुक्त किया जाना चाहिए। जब फिल्मों को मनोरंजन कर मुक्त किया जा सकता है तो महाकुंभ पर गाड़ियां कर मुक्त क्यों नहीं की जा सकतीं।

नवाबगंज, गौहनिया और वाराणसी की तरफ़ से आने वाले रास्ते पर जाम का उल्लेख कर श्रद्धालुओं के लिए तुरंत आपातकालीन व्यवस्था करने की बात कही। अखिलेश यादव ने कहा कि उप्र सरकार असफल हो चुकी है। वो अहंकार से भरे झूठे विज्ञापन में ही दिख रही है, लेकिन सच में जमीन पर नदारद है।

वर्ल्ड क्लास होगा गोरखपुर रेलवे स्टेशन, स्थानीय संस्कृति और विरासत की दिखेगी झलक : अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में निर्माणाधीन नए रेलवे स्टेशन के निर्माण में एक-एक बिंदुओं पर रेलवे के अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए रेलमंत्री ने कार्य में तेजी लाने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्टेशन के मॉडल और अन्य तैयारियों का निरीक्षण किया। मंत्री ने गोरखपुर रेलवे स्टेउशन को भी वर्ल्ड क्लास का बनाने की बात कही। गोरखपुर रेलवे स्टेशन के बाद रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव रेलवे के विशेष सैलून द्वारा बेतिया के लिए रवाना हो गए।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गुरु गोरखनाथ एयरपोर्ट टर्मिनल पर एक नया रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है। एयरपोर्ट के डायरेक्टर और रेलवे के महाप्रबंधक को आपस में समन्वय स्थापित करके इस दिशा में कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ से स्वीकृति मिलने के बाद गोरखपुर में रेल और हवाई यात्रियों को जोड़ने के लिए नए रेलवे स्टेशन का काम तेज कर दिया जाएगा।

मीडिया से बातचीत करते हुए रेलमंत्री ने कहा कि संस्कृति और विरासत को ध्यान में रखकर गोरखपुर स्टेतशन को विकसित किया जाएगा। उन्होंरने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने गोरखपुर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बनाने का आह्वान किया है। पर पर तेजी से काम चल रहा है। इस काम की लगातार मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत के दौरान गोरखपुर रेलवे स्टेशन के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टोशन के विकास में सभी यात्री सुविधाओं को ध्याीन में रखा जा रहा है। साथ ही स्थानीय संस्कृति और विरासत को को भी संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की इच्छ्ा के अनुसार गोरखपुर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है। काम तेजी से चल रहा है। विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि इस परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके। गोरखपुर रेलवे स्टेशन का विकास न केवल एक आधुनिक सुविधा का उदाहरण होगा, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित करेगा।

महाकुम्भ : सरकारें हिंदू मंदिरों को हिंदू समाज को वापस सौंपे –विहिप

महाकुम्भ नगर।अब किसी भी स्थिति में हम मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति दिला कर ही रहेंगे।इस संकल्प से साथ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तीन दिवसीय बैठक रविवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र में संपन्न हो गयी।गौरतलब है कि बैठक में देश–विदेश के 950 प्रतिनिधियों ने मिलकर भविष्य की कार्ययोजनाओं का खाका खींचा है।विहिप शिविर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि, मंदिर मुक्ति आंदोलन के प्रथम चरण में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर मांग करेंगे की सरकारें हिंदू मंदिरों को वापस हिंदू समाज को सौंपे। उन्होंने बताया कि, उत्तर भारत और दक्षिण भारत में बड़ी जनसभाएं कर इस संबंध में अपनी मांगे बुलंद करेंगे।आंदोलन के दूसरे चरण में प्रत्येक राज्य की राजधानी व महानगरों में वहां के बुद्धजीवी समाज की सभाएं कर इसके लिए व्यापक जन समर्थन जुटाएंगे।जिन राज्यों में यह समस्या ज्यादा विकट है, वहां आगामी विधानसभा सत्र के दौरान हमारे कार्यकर्ता विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों से मिलकर वहां के राजनीतिक दलों पर मंदिरों की मुक्ति हेतु दबाव बनाएंगे।आलोक कुमार ने बताया कि, बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि मंदिरों को अपने नियमित कामकाज के संचालन हेतु अधिकतम स्वतंत्रता होनी चाहिए।मंदिर प्रबंधन में किसी भी प्रकार का बाहरी नियंत्रण अब स्वीकार्य नहीं होगा।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर मुक्ति आंदोलन में हम केवल उन्हीं मंदिरों की बात कर रहे हैं जो अभी तक सरकारी नियंत्रण में है, अन्य मंदिरों की नहीं।आलोक कुमार ने कहा कि, मंदिरों के पैसों को केवल हिंदू कार्यों के लिए खर्च किया जाना चाहिए।इस संबंध के कानून में पूरी तरह से पारदर्शी बही खाते और आडिट की व्यवस्था होगी।मंदिरों के संचालन में हिंदू समाज की सहभागिता ~ उन्होंने कहा कि, मंदिरों के संचालन में संपूर्ण हिंदू समाज की सहभागिता और मंदिरों के लिए बने ट्रस्ट में अन्य लोगों के साथ महिलाओं व अनुसूचित समाज का प्रतिनिधित्व भी होगा। मंदिरों के पुजारियों, पुरोहितों व अन्य कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन व भत्तों में कोई कमी नहीं की जाएगी और किसी भी हालत में उनका वेतन उस राज्य के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन से काम नहीं होगा।उन्होंने आगे बताया कि, विहिप प्रतिनिधि जब मुख्य मंत्रियों को मिलने जाएंगे तो वह अपने साथ उस राज्य के लिए इस संबंध में प्रस्तावित कानून का एक प्रारूप भी उनको सौंपेंगे।पांच परिवर्तनों का संकल्प ~ आलोक कुमार ने बताया कि, बैठक में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी व स्व का बोध जैसे पांच परिवर्तनों को भी जनमानस के आचार व्यवहार और संस्कारों का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया।विश्व भर में हिंदू समाज से जुड़े अन्य ज्वलंत मुद्दों पर भी विस्तार से विचार विनिमय हुआ।बैठक में युग पुरुष पूज्य स्वामी श्रीपरमानंद जी महाराज व बौद्ध लामा पूज्यश्री चोस फेल ज्योतपा जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसवोले तथा पूर्व सर कार्यवाह व विहिप के पालक अधिकारी भैया जी जोशी भी उपस्थित रहे।बैठक में देश के सभी प्रांतों के अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, हांगकांग मॉरीशस, दक्षिणी अफीका, फ्रांस, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल बांग्लादेश, गुयाना जैसे अनेक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मूर्मू आज संगम में लगाएंगी आस्था की डुबकी

-अक्षयवट और श्री बड़े हनुमानजी का करेंगी दर्शन

प्रयागराज ।प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदम रखेंगी और इसकी भव्यता व दिव्यता की साक्षी बनेंगी।वे आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी और इस दौरान संगम स्नान के साथ ही यहां अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन–पूजन करेंगी।इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह संगम नोज पहुंचकर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगी।मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में राष्ट्रपति आस्था की डुबकी लगाकर सनातन आस्था को मजबूत आधार देंगी।देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा।बता दें कि इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुम्भ में पावन स्नान किया था।

देशवासियों के सुख–समृद्धि की करेंगी कामना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके उपरांत धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन–पूजन करेंगी।सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है।यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है।इसके अलावा वे बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा–अर्चना कर देशवासियों के सुख–समृद्धि की कामना करेंगी।

मंदिर मुक्ति आंदोलन की रणनीति के साथ महाकुंभ में संपन्न हुई विहिप की तीन दिवसीय बैठक

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित विश्व हिंदू परिषद (विहिप) शिविर में चल रही त्रि-दिवसीय बैठक रविवार को इस संकल्प से साथ पूरी हो गई कि अब किसी भी स्थिति में हम मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति दिला कर ही रहेंगे। बैठक में उपस्थित देश-विदेश के 950 प्रतिनिधियों ने मिलकर एक बड़ी रणनीति भी बनाई है। इस बारे में जानकारी देते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने रवि?वार को कहा कि मंदिर मुक्ति आंदोलन के प्रथम चरण में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन दे कर मांग करेंगे कि सरकारें हिंदू मंदिरों को वापस हिंदू समाज को सौंपें। उन्होंने कहा कि उत्तर और दक्षिण भारत में बड़ी जनसभाएं कर इस संबंध में अपनी मांगें बुलंद करेंगे।'

विहिप प्रतिनिधि जब अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों को मिलने जाएंगे, तो वह उस राज्य के लिए इस संबंध में प्रस्तावित कानून का एक प्रारूप भी उनको सौंपेंगे।

आंदोलन के दूसरे चरण में प्रत्येक राज्य की राजधानी और महानगरों में वहां के बुद्धिजीवी समाज की सभाएं कर इसके लिए व्यापक जन समर्थन जुटाएंगे। जिन राज्यों में यह समस्या ज्यादा विकट है, वहां आगामी विधानसभा सत्र के दौरान हमारे कार्यकर्ता विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों से मिलेंगे। हमारा उद्देश्य वहां के राजनीतिक दलों पर मंदिरों की मुक्ति के लिए दबाव बनाना है।

विहिप अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि मंदिरों को अपने नियमित कामकाज के संचालन हेतु अधिकतम स्वतंत्रता होनी चाहिए। मंदिर प्रबंधन में किसी भी प्रकार का बाहरी नियंत्रण अब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर मुक्ति आंदोलन में हम केवल उन्हीं मंदिरों की बात कर रहे हैं, जो अभी तक सरकारी नियंत्रण में है, अन्य मंदिरों की नहीं।

आलोक कुमार ने कहा कि हमारा मत है कि मंदिर के पैसों को केवल हिंदू कार्यों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। इस संबंध के कानून में पूरी तरह से पारदर्शी खाते और अंकेक्षण की व्यवस्था होगी। मंदिरों के संचालन में संपूर्ण हिंदू समाज की सहभागिता और मंदिरों के लिए बने ट्रस्ट में अन्य लोगों के साथ महिलाओं और अनुसूचित समाज का प्रतिनिधित्व भी होगा।

मंदिरों के अर्चकों, पुरोहितों और अन्य कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन और भत्तों में कोई कमी नहीं की जाएगी। किसी भी हालत में उनका वेतन उस राज्य के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन से काम नहीं होगा।

बैठक में देश भर के सभी प्रांतों के अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, हांगकांग मॉरीशस, दक्षिणी अफ्रीका, फ्रांस, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, गुयाना जैसे अनेक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी व स्व का बोध जैसे पांच परिवर्तनों को भी जनमानस के आचार व्यवहार और संस्कारों का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया। विश्व भर में हिंदू समाज से जुड़े अन्य ज्वलंत मुद्दों पर भी विस्तार से विचार-विनिमय हुआ।

बैठक में युग पुरुष स्वामी परमानंद महाराज और बौद्ध लामा चोस फेल ज्योतपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसवोले तथा पूर्व सरकार्यवाह और विहिप के पालक अधिकारी भैया जी जोशी भी उपस्थित रहे।

राजस्थान: सड़कों पर फैल रहा नीम-हकीमों का जाल गुप्तरोग के नाम पर छल-प्रपंच और गलतफहमियों का फायदा उठा रहे झोलाछाप

हरविंदर सिंह

राजस्थान: आजकल किसी भी शहर में निकल जाइए, सड़कों के किनारे दीवारों पर 'गुप्तरोग का शर्तिया इलाज' के विज्ञापन और तंबू में चलने वाले अस्पताल आपको जरूर मिलेंगे। इन तंबुओं के बाहर तरह-तरह के पोस्टर लगे होते हैं, जिनमें 'शक्ति बढ़ाने' और 'खोई शक्तियों को वापस पाने' का दावा किया जाता है। ये विज्ञापन और तंबू वाले अस्पताल आमतौर पर 'झोलाछाप डॉक्टर' के रूप में जाने जाते हैं, जिन्हें अंग्रेजी में 'क्वैक' कहा जाता है। यहाँ तक कि 'नीम-हकीम खतरा-ए-जान' का मुहावरा भी इसी परिप्रेक्ष्य में आता है। असल में, हमारे समाज में लोग स्वास्थ्य के मामलों को लेकर तो जागरूक होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें अजीब डर या संकोच होता है, खासकर यौन-स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर। इन संकोचों का फायदा उठाते हुए, नीम-हकीम और बाबा कहे जाने वाले लोग लोगों को अपनी जालसाजी का शिकार बना रहे हैं। यौन रोगों को लेकर समाज में अनेक भ्रांतियां फैली हुई हैं और उन्हें 'गुप्त रोग' के नाम से डराया जाता है, जोकि एक प्रकार का भ्रम फैलाने का तरीका है। यह गुप्तता और गलतफहमियाँ लोगों को सही जानकारी से दूर रखती हैं, जिससे वे इस तरह के तथाकथित इलाजों के चक्कर में पड़ जाते हैं। साथ ही इंटरनेट पर भी नीम-हकीमों का जाल तेजी से फैल रहा है। अब वे इंटरनेट के माध्यम से भी लोगों को अपने झांसे में ले रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि पढ़े-लिखे लोग भी निजता के नाम पर गुपचुप तरीके से इनकी दवाइयों का इस्तेमाल करने को इच्छुक हैं, जो इस तरह के ठगों की सफलता को बढ़ाता है। नीम-हकीमों द्वारा लोगों को शारीरिक विकास की सामान्य अवस्थाओं को बीमारी के रूप में पेश करना और उनके नाम पर इलाज करना अब एक आम बात बन गई है। यह न केवल समाज में अंधविश्वास को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने के अधिकार को भी छीन रहा है। अंत में सवाल यह उठता है कि क्या इन जाली 'रहनुमाओं' को खुद इलाज की आवश्यकता नहीं है? क्यों इन अनजान लोगों को इलाज देने का हक दिया जाए, जबकि वे खुद को ही धोखा दे रहे हैं और समाज के अन्य लोगों को भी भ्रमित कर रहे हैं? इस पर सख्त नियंत्रण और जागरूकता की जरूरत है।

मध्य प्रदेश: थांदला में स्व. वैद्य जयंति पर आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारिता पर गहरी चर्चा

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: स्वाधीनता सेनानी और प्रख्यात पत्रकार स्व. कन्हैयालाल वैद्य की 117वीं जयंति के अवसर पर आयोजित स्मृति व्याख्यानमाला में वरिष्ठ पत्रकार रामस्वरूप मंत्री ने पत्रकारिता के वर्तमान परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद प्रांगण में हुआ, जहां उन्होंने "मीडिया पर कार्पोरेट घराना का कब्जा" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ पत्रकार रामस्वरूप मंत्री ने कहा कि आजकल पत्रकारिता कठिन परिस्थितियों से गुजर रही है और आंचलिक पत्रकारिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में समाचार पत्रों में पूंजीपतियों का दबदबा बढ़ गया है और गोदी मीडिया ने पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को नुकसान पहुंचाया है। मंत्री ने कहा कि आज देश में एक करोड़ चालीस लाख अखबार पंजीकृत हैं, जिनमें से 22 हजार दैनिक समाचार पत्र और 91 चैनल्स पर पूंजीपतियों का नियंत्रण है। स्व. वैद्य की जयंति पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनिल पण्दा थीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक अरोरा ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में स्वाधीनता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के सदस्य जितेंद्र घोडावत और राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के राजेन्द्रसिंग चैहान तथा ललित चैपड़ा उपस्थित थे। मुख्य वक्ता श्री मंत्री ने आगे कहा कि समाचार पत्रों में व्यावसायिकता का बोलबाला है, जबकि जनता की आवाज को उचित स्थान नहीं मिल रहा है। इस स्थिति में, आंचलिक अखबार ही जनता के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में उभर सकते हैं। उन्होंने स्व. वैद्य को सच्चे और निर्भीक पत्रकार के रूप में सम्मानित किया, जिनकी कलम ने राजा-महाराजाओं को सत्ता से गिराया था। कार्यक्रम में म.प्र शासन जनसम्पर्क विभाग द्वारा स्थापित स्व. कन्हैयालाल वैद्य स्मृति उज्जैन संभागीय आंचलिक पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सनोलिया (नागदा) ने स्व. वैद्य के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष?ट्रीय पत्रकार मोर्चा द्वारा उत्कृष?ट पत्रकारिता के लिए डॉ. उमेश शर्मा, मनोज उपाध्याय, राजेश डामर, शाहिद खान, रियाज मोहम्मद खान, राजू धानक, फारूख शैरानी, हाजी गुलाम कादर खान आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्व. वैद्य की स्मृति में संचालित वैद्य विधा निकेतन स्कूल के वार्षिक समारोह में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्कृष?ट सेवा कार्य के लिए शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार सत्यनारायण शर्मा (बामनिया) ने किया, और आभार स्व. वैद्य की पुत्री श्री क्रांति वैद्य ने व्यक्त किया।

राजस्थान: लोहड़ी महोत्सव: विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरविंदर सिंह

राजस्थान: रविवार को रामलीला मैदान में सिख नौजवान सभा और समाजसेवी युवाओं द्वारा आयोजित लोहड़ी महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी और युवा नेता हरविंदर सिंह पन्नू, 40पीएस पंचायत समिति के प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र गोदारा, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक गोयल, पार्षद हरमीत सिंह, जुगनू गिल, लवप्रीत सिंह बराड़ और मंडल के अध्यक्ष लखविंदर सिंह लक्खा गुरुजी एवं मुख्तार सिंह थे कार्यक्रम में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों की बालिकाओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शॉल पहनाकर और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि यह समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक बेहतरीन तरीका है। समाजसेवी नेताओं ने छात्रों की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। लोहड़ी महोत्सव के इस सांस्कृतिक आयोजन में क्षेत्रीय लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे माहौल को रंगीन और उल्लासपूर्ण बना दिया।

हरियाणा: पानीपत में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच का कार्यक्रम

युवा प्रदेश अध्यक्ष कुणाल सोनी का भव्य स्वागत

मनोज कुमार

हरियाणा: राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के युवा प्रदेश अध्यक्ष अभिनेता कुणाल सोनी जी ने आज पानीपत का दौरा किया, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। कुणाल जी को माला और पटका पहनाकर उनका स्वागत किया गया, और इस अवसर पर संगठन और समाज के विभिन्न लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समाज के सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की और लोगों का मनोबल बढ़ाया। कुणाल सोनी ने समाज और संगठन को मजबूत करने के लिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने समाज के उत्थान के लिए काम करना चाहिए और संगठन को हर स्तर पर मजबूत बनाना चाहिए। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष सतीश सहगल जी को माला और पटका पहनाकर उनका सम्मान किया गया। वहीं, जिला प्रभारी राजेंद्र वर्मा जी को नियुक्ति पत्र, माला और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। जिला युवा अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा जी को उनका नियुक्ति पत्र और सम्मान भी प्रदान किया गया। इसके अलावा, युवा जिला महामंत्री वीरेंद्र वर्मा, युवा जिला कार्यकारिणी सदस्य सन्नी वर्मा, हरविंदर सिंह, तुषार वर्मा, डॉक्टर सतीश वर्मा और डॉक्टर कृष्ण वर्मा जी को भी माला पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी को इस कार्यक्रम में उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी गई। इस आयोजन के दौरान समाज के विकास और एकजुटता पर जोर दिया गया, और भविष्य में साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

एक नजर

मध्य प्रदेश: इंदौर में 3 फरवरी को रोजगार मेला: 8वीं पास अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदन

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेश: इंदौर में 3 फरवरी को रोजगार मेला: 8वीं पास अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदन जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और जिला उद्योग केंद्र इंदौर द्वारा युवा संगम कार्यक्रम के तहत 3 फरवरी को रोजगार, स्वरोजगार और प्रशिक्षुता मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नंदानगर, इंदौर में होगा। मेला सोमवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक खुला रहेगा। उप रोजगार अधिकारी श्री पी.एस. मंडलोई के अनुसार, यह रोजगार मेला न केवल करियर बनाने के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण प्रक्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा।

गुजरात: दाहोद के मोटी खरज गांव में सड़क पर मदिरा से भरी चार पहिया वाहन पलटी, बोतलें हाईवे पर बिखरीं

मुजफ्फर खान शेख/गुजरात: दाहोद जिला मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमाओं से जुड़ा हुआ है। गुजरात में शराबबंदी लागू है, फिर भी बूटलेगर ग्रामीण इलाकों के रास्तों से वाहनों में शराब भरकर गुजरात में प्रवेश करते हैं। इसी कड़ी में आज मोटी खरज गांव के पास गरबाड़ा-दाहोद हाईवे पर एक पिकअप गाड़ी में भारी मात्रा में शराब भरी गई थी, जो दाहोद की ओर जा रही थीkरास्ते में किसी कारण वश पिकअप चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे शराब से भरी यह फोर-व्हीलर गाड़ी हाईवे पर पलट गई। हादसे के चलते पिकअप में भरी भारतीय निर्माण की अवैध शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं। यह घटना 4 फरवरी सुबह के समय हुई, और जैसे ही ग्रामीणों को इस दुर्घटना की जानकारी मिली, मौके पर भारी भीड़ इकट्ठी हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। दाहोद ग्रामीण पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पंजाब सरकार ने प्रवासी भारतीयों के लिए जारी किया व्हाट्सएप नंबर

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने एन.आर.आई (प्रवासी भारतीय) की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9056009884 जारी किया है, जिसके माध्यम से वे अपनी समस्याओं और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं। एन.आर.आई की शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए ये शिकायतें संबंधित विभागों के साथ-साथ पंजाब पुलिस के एन.आर.आई. विंग के ए.डी.जी.पी. को भेजी जाएंगी। अतिरिक्त जानकारी के लिए nri.punjab.gov.in की वेबसाइट पर जा कर देख सकते हैं, जहां उन्हें एन.आर.आई. पुलिस विंग, एन.आर.आई. स्टेट कमीशन और एन.आर.आई. सभा से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी। प्रशासनिक सुधार और एन.आर.आई. मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने रविवार को बताया कि एन.आर.आई. मामलों का विभाग द्वारा विदेशों में बसे पंजाबियों के जन्म प्रमाण पत्र, विभिन्न दस्तावेजों की प्रमाणिकता (काउंटरसाइन) और सत्यापन की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इनमें जन्म प्रमाणपत्र, नॉन-अवेलेबिलिटी बर्थ सर्टिफिकेट, जन्म की देरी से एंट्री, पुलिस क्लीयरेंस, मेडिकल सर्टिफिकेट, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र, विवाह/तलाक प्रमाणपत्र, डिक्री, गोद लेने से संबंधित डीड, हलफनामा, फिंगरप्रिंट प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज शामिल हैं।

कोकून की कीमत 550 रुपये प्रति किलो से बढकर 1,250 रुपये प्रति किलो: भगत

चंडीगढ़। पंजाब के बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने रविवार को चंडीगढ़ में सिल्क मार्क एक्सपो 2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब में रेशम की खेती की यात्रा शीर्षक से एक ब्रोशर भी जारी किया, जिसमें इस क्षेत्र के विकास और उपलब्धियों को दशार्या गया। मंत्री भगत ने रेशम की खेती के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में बताते हुए कहा कि सरकारी प्रयासों से पंजाब में कोकून की कीमत 550 रुपये प्रति किलोग्राम से बढकर 1,250 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जिससे रेशम की खेती करने वाले किसानों, विशेष रूप से इस क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित किया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने बम धमकी देने वालों का पता लगाने के लिए इंटरपोल से मांगी मदद, 100 स्कूलों को मिली धमकी

कुणाल

दिल्ली: दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने से अभिभावकों में हड़कंप मच गया है। धमकियां ईमेल के जरिए भेजी गई हैं, जिनमें वीपीएन और प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल किया गया, जिससे जांच में कठिनाई आ रही है। दिल्ली पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से इंटरपोल से मदद मांगी है। कुछ दिनों में एक के बाद एक बम धमकियों की घटनाओं ने दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। हालांकि अब तक किसी भी धमकी के बाद की गई तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि धमकी देने वाले का पता लगाने के लिए विभिन्न तकनीकी माध्यमों से जांच की जा रही है, लेकिन ईमेल में इस्तेमाल किए गए प्रॉक्सी सर्वर और वीपीएन नेटवर्क की वजह से मुख्य स्त्रोत तक पहुंचने में समस्या आ रही है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि धमकी देने वाले सर्वर या डोमेन यूरोपीय और मिडिल ईस्ट देशों में पाए गए हैं। पुलिस अधिकारी इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि कोई भी धमकी हल्के में नहीं ली जाएगी और सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच की जाएगी। स्पेशल सेल भी मामले की जांच में शामिल है। पिछले कुछ महीनों में बम धमकियों के मामले बढ़े हैं, जिनमें केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि अस्पतालों, हवाई अड्डों और विमानन कंपनियों को भी निशाना बनाया गया। हालांकि, इन सभी मामलों में अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। पुलिस अफसरों का कहना है कि धमकियां देने वाले लोग इंटरनेट पर एक वेब की तरह काम कर रहे हैं, जिससे उनके असली ठिकाने का पता लगाना और भी मुश्किल हो गया है।

मध्य प्रदेश: शुजालपुर में एसडीओपी श्री पिंटू कुमार बघेल के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

बृज कुमार राठोर

बृज कुमार राठोर/ मध्य प्रदेश: शुजालपुर डिवीजन द्वारा मंगलवार को रुद्राक्ष होटल, शुजालपुर मंडी में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शुजालपुर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पिंटू कुमार बघेल को उनके स्थानांतरण के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। पिंटू कुमार बघेल का स्थानांतरण जिला शाजापुर से मध्य प्रदेश पुलिस की इकाई हॉकफोर्स में हुआ है। समारोह में शुजालपुर के पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती बबीता परमार, उप जेल शुजालपुर के जेलर शिवपाल, पत्रकार जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना, और शुजालपुर मंडी, शुजालपुर सिटी, कालापीपल, अकोदिया, अवंतीपुर बड़ोदिया थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे। इसके अलावा, पुलिस लाइन शाजापुर से रक्षित निरीक्षक श्रीमती वंदना सिंह, बेरछा टीआई संजय वर्मा, एडीपीओ बेरछा एवं एजीपी महोदय, पत्रकार गण एवं गणमान्य नागरिकों ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का सफल संचालन जितेंद्र शर्मा (अकोदिया) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में, एसडीओपी पिंटू कुमार बघेल ने सभी की फरमाइश पर लोकप्रिय गीत "कभी अलविदा ना कहना" प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। टीआई मक्सी भीम सिंह पटेल ने कार्यक्रम के दौरान आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निरीक्षक दीपेश व्यास का भी सम्मान किया गया, जो प्रमोशन के पश्चात जिले से विदा हो रहे थे। समारोह के उपरांत सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से भोजन किया और इस यादगार पल को संजोया।

मध्य प्रदेश: विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने राणापुर के पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेश: झाबुआ के विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने राणापुर स्थित पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की कई अव्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी पर गहरी नाराजगी जताई। विधायक ने पाया कि विद्यालय में कक्षाओं में टेबलों की भारी कमी, छात्राओं की संख्या के अनुपात में संसाधनों की कमी, शौचालयों की दयनीय स्थिति और मध्यान्ह भोजन की खराब गुणवत्ता जैसी गंभीर समस्याएं हैं, जिससे छात्राओं को काफी असुविधाएं हो रही हैं। डॉ. विक्रांत भूरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तत्काल प्रभाव से इन समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों का समाधान शीघ्र नहीं किया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। विधायक ने कहा, ह्लशिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बेटियों की शिक्षा एवं सुविधा में कोई समझौता नहीं होगा।

फतेहाबाद में सेम समस्या पर सीएम से मिलेंगे किसान

फतेहाबाद। भारतीय किसान संघ की कार्यकताओं की बैठक जिला अध्यक्ष रोहतास पंघाल की अध्यक्षता संपन्न हुई। बैठक में विशेष तौर पर प्रदेश महामंत्री मास्टर रामवीर, महेंद्र बुडानिया व संजय जाखड़ ने भाग लिया। बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। रविवार को हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जैविक खेती देशहित में है और किसानों को इसे बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा बैठक में फसलों के एमएसपी से ऊपर उठकर लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य को लेकर भी चर्चा की गई।

वक्ताओं ने कहा कि जिले में सेम की समस्या और एनओसी के नाम पर काडा में फैले भ्रष्टाचार सहित अन्य समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिला जाएगा।

संपादकीय

‘वनवास’ के बाद सत्ता

दिल्ली ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति को खारिज कर दिया। जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। उसे प्रचंड बहुमत मिला है, नतीजतन उसका 27 साल का ‘चुनावी वनवास’ समाप्त हुआ है। ‘आप’ सरकार में मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज आदि चुनाव हार गए हैं। सुखद खबर है कि मुख्यमंत्री आतिशी अंतिम दौर में चुनाव जीतने में सफल रही हैं। केजरीवाल 4089 वोट और सिसोदिया सिर्फ 675 वोट से पराजित हुए। यह भाजपा की स्वाभाविक जीत नहीं, बल्कि केजरीवाल ब्रांड की सियासत का ‘अंधकूप’ में गिरना है। पूरा चुनाव केजरीवाल के इर्द-गिर्द सिमटा रहा। बेशक ‘आप’ चुनाव हारी है, लेकिन उसे 43.57 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। सत्तारूढ़ होने वाली भाजपा को 45.56 फीसदी वोट मिले हैं। मात्र 2 फीसदी वोट का फासला रहा, लेकिन भाजपा ने 48 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया, जबकि ‘आप’ 62 सीटों से लुढक कर 22 सीटों पर आ गई। यकीनन यह अप्रत्याशित जनादेश है। ‘आप’ का शीर्ष नेतृत्व पराजित हुआ है। इसके लिए केजरीवाल ही जिम्मेदार हैं। यदि उनके साथ-साथ ‘आप’ की कट्टर ईमानदार, जन-लोकपाल वाली, भ्रष्टाचार-विरोधी और वैकल्पिक राजनीति वाली छवि भंग हुई है, तो दोष उन्हीं का है। आम मतदाता ने उनकी दोगली छवि को स्वीकार नहीं किया। केजरीवाल ने अपने मुख्य चुनावी वायदे भी पूरे नहीं किए और वह नया जनादेश मांगने सडक पर निकल पड़े। जनता ने उन्हें खारिज कर दिया।

एक सर्वेक्षण के दौरान लोगों ने बताया कि 2020 के जनादेश वाले कालखंड में केजरीवाल और ‘आप’ ने कुछ भी ‘नोटेबल’ नहीं किया, जिसके आधार पर एक और बार उन्हें जनादेश दिया जाए। यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि दलित, महिला, मध्य वर्ग ने भाजपा के पक्ष में लबालब मतदान किया, नतीजतन भाजपा सत्ता तक पहुंच पाई। पिछले चुनाव तक ये समुदाय ‘आप’ के समर्थक और जनाधार माने जाते थे, क्योंकि केजरीवाल की नई छवि के साथ इन वर्गों ने उन्हें वैकल्पिक राजनीति का प्रतीक माना था। अब सब कुछ बेनकाब हो गया। केजरीवाल भी बुर्जुआ राजनेता साबित हुए। वह भी भ्रष्टाचारी और पैसावादी हैं। इस चुनाव ने सब कुछ बिखेर कर भी रख दिया, लेकिन अभी ‘आप’ का सफाया नहीं हुआ है। ‘आप’ अब भी एक राजनीतिक ताकत है, लेकिन केजरीवाल का पराजित नेतृत्व ही तय करेगा कि ‘आप’ के भविष्य का अस्तित्व क्या होगा? अलबत्ता इस चुनाव ने विपक्ष के ‘इंडिया’ वाले नेरेटिव और गठबंधन को ध्वस्त कर दिया है।

मोदी की गारंटी ने जीता दिल्ली का दिल

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए कहा था कि "साल 2025 भारत के विकास के लिए अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की ओर हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत, दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है, 2025 में भारत की यह भूमिका और सशक्त होगी।" इस संकल्प के साथ उन्होंने मतदाताओं से दिल्ली में भाजपा को सेवा करने का अवसर देने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था-- ह्लआपने दिल्ली में पिछले कई सालों से भारतीय जनता पार्टी को काम करने का मौका नहीं दिया।

-सुरेश पचौरी-

दिल्ली विधान सभा के चुनाव में वहां की जागरूक जनता ने भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में बिठाकर दुनिया को यह संदेश दे दिया कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है और मोदी जी के नेतृत्व में ही देश प्रगति के नए सोपान नाप सकता है। लगभग 27 वर्षों के बाद दिल्ली में भाजपा सरकार की वापसी हुई है। जीत का यह परचम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुस्पष्ट विजन के कारण लहराया है। मोदी जी के विजन पर मुहर लगाकर दिल्लीवासियों ने डबल इंजन की सरकार पर पूर्ण विश्वा स व्यक्त किया है। स्मरणीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने दिल्लीज में चुनाव अभियान के दौरान नारा दिया था- "मोदी जी का विजन है दिल्ली के लिए उम्मीद की एक किरण।" दिल्लीा की जनता ने इस नारे को आत्मसात करते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार के कुशासन पर करारा प्रहार कर राष्ट्र -विकास के संकल्पम को जिता दिया। यह जीत देश की राजधानी दिल्ली के बिगड़े सूरत-ए-हाल में निखार के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी और बीजेपी के प्रति भरोसे की जीत है। इस शानदार जीत में यह संदेश भी छिपा है कि सिर्फ झूठ, फरेब और आलोचना के सहारे देश के जनमानस को ज्यादा समय तक दिग्भ्रमित नहीं किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए कहा था कि "साल 2025 भारत के विकास के लिए अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की ओर हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत, दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है, 2025 में भारत की यह भूमिका और सशक्त होगी।" इस संकल्प के साथ उन्होंने मतदाताओं से दिल्ली में भाजपा को सेवा करने का अवसर देने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था-- ह्लआपने दिल्ली में पिछले कई सालों से भारतीय जनता पार्टी को काम करने का मौका नहीं दिया। आपने 25 साल तक कांग्रेस और आप को देखा है, अब कमल को मौका दीजिए। जैसे परिवार का मुखिया अपने प्रियजनों का ख्याल रखता है, वैसे ही मैं आपका ख्याल रखूंगा। बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड दिखाता है कि हम जो वादा करते हैं, उसे हर हाल में पूरा करते हैं।

आज देश में मोदी की गारंटी विश्वास का पर्याय बन चुकी है। सर्वविदित है कि ह्यमोदी की गारंटीह्ल का मतलब है, जनता से किए गए प्रत्येक वादे का पूरा होना। देश के तमाम राज्यौं के लोगों ने मोदी की गारंटी पर भरोसा कर भारतीय जनता पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया और वहां की सरकारें जनहित में बेहतर काम कर रही हैं। उस कड़ी में अब दिल्लीश राज्य भी शामिल हो गया और जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को अमली जामा पहना दिया। हम अतीत की बात करें तो मध्यमप्रदेश, राजस्थामन, छत्ती सगढ़, हरियाणा, उत्तयर प्रदेश, गुजरात, उत्त राखंड, गोवा, महाराष्ट्रा और ओडिशा में जनता ने मोदी जी की परिकल्पना पर केन्द्रित बीजेपी की डबल इंजन की सरकार पर यकीन करते हुए बंपर जीत दिलवाई। भाजपा शासित इन प्रदेशों में विकास और राजनैतिक स्थिरता का संदेश दिल्ली की करोड़ों जनता के बीच भी गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता ने मोदी जी पर विश्वासि जताया और चुनाव में मौका मिलते ही अन्य राज्यों् के नागरिकों की तरह ही फैसला लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सेवा करने का अवसर दे दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी वादे में कहा था कि दिल्ली में गरीबों के लिए घर बनाने, शहर का आधुनिकीकरण करने, हर घर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने, पर्याप्त बिजली मुहैया कराने और टैंकर माफियाओं से मुक्त करने वाली सरकार चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी जनसभाओं में केजरीवाल सरकार को आपदा सरकार बताते हुए इन मुद्दों को बराबर उठाया और जनता ने वक्त आने पर मोदी जी की बात पर सहमत होकर दिल्लीा से आपदा को विदा कर भाजपा को गले लगा लिया। जनता अच्छी तरह से समझ गई थी कि अरविंद केजरीवाल ने जो वादे किए थे, वे पूरे किए ही नहीं। भ्रष?टाचार खत्मर करने का वादा कर सत्ताज पर काबिज हुई आम आदमी पार्टी और इसके मुखिया ने भ्रष्टाहचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। उन्होंने राजधानी दिल्ली को विकास का नहीं बल्कि भ्रष्टाचार का मॉडल बना दिया। दूसरे नेताओं की जीवनशैली पर उंगली उठाने वाले तथा राजनीति में सादगीपूर्ण जीवन जीने की बातें करने वाले आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल तथा उनकी पार्टी के अधिकांश नेता सत्ता में आते ही भ्रष्टाकचार के दलदल में डूब गए। नैतिकता की बातें हवा हवाई हो गईं। दो-तीन कमरों के घर में रहकर जनसेवा करने की बात करने वाले नेता ने शान-ओ-शौकत का शीशमहल खड़ा कर लिया। एक ओर जहां दिल्ली की जनता तमाम परेशानियों से जूझ रही थी, वहीं दूसरी ओर मुख्यलमंत्री एवं आम आदमी पार्टी की सरकार के मंत्री व नेतागण अपनी सुख-सुविधा में मस्तु थे। इन हालात में जनता ने आम आदमी पार्टी की वादाखिलाफी के बदले भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार के संकल्पम को अंगीकार कर मोदी जी की गारंटी पर भरोसा जाहिर किया।

दिल्ली विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की इस जीत के निहितार्थ साफ हैं। स्मरण कराना होगा कि मई 2014 में एनडीए सरकार के मुखिया के रूप में नरेन्द्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभाला था, तब राज्योंर में अलग राजनैतिक परिदृश्यज था। उस समय देश के सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सरकारें थीं। इनमें से पांच राज्यों छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान में बीजेपी तो आंध्रप्रदेश और पंजाब में उसकी सहयोगी पार्टियां सत्ता में थीं। उस समय 14 राज्यों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकारें सत्तासीन थीं। इन राज्यों में महाराष्ट्र तथा कर्नाटक जैसे बड़े राज्य शामिल थे। कालांतर में देश ने मोदी सरकार के काम को देखा, मोदी जी की गारंटी को जाना और डबल इंजन की सरकार के महत्वक को समझा।

नीतीश के पाला बदलने का खतरा तो टला

-कुमार कृष्णन-

करीब तीन दशकों से दिल्ली में चुनावी जीत का इंतजार कर रही भारतीय जनता पार्टी वनवास खत्म हुआ और दिल्ली की सत्ता हासिल हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले दिल्ली में आखिरी चुनाव 1993 में जीता था। पिछले कुछ चुनावों में भी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे को आगे रखकर चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत उससे दूर ही रही। एनडीए की जीत से नेताओं के हौसले बुलंद हैं। अब बिहार की बारी है। दिल्ली के चुनाव परिणाम का असर बिहार की राजनीति पर भी पड़ेगा। यहाँ इस साल की अंतिम तिमाही में बिहार में चुनाव होने हैं। हालांकि दिल्ली में भाजपा की जीत के बाद बिहार में समय से पहले ही चुनाव की चर्चा फिर शुरू हो गई है। अगले माह चुनाव आयोग की टीम के बिहार आने की चर्चा है। इसे बिहार में समय से पहले चुनावी आहट के रूप में महसूस किया जा रहा है।

दिल्ली में हुई जीत के बाद बिहार में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति और प्रभाव पहले की अपेक्षा ज्यादा मजबूत होंगे। चुनाव परिणाम से एडीए ने नेताओं में खासा जोश है। महाराष्ट्र की तरह भाजपा बिहार में स्थिति मजबूत कर सकती है। बिहार में बिना नीतीश कुमार के चेहरे भाजपा चुनाव मैदान में नहीं उतर सकती है। उत्साह में भाजपा अपने सहयोगियों को दरकिनार आगे बढ़ने की गलती नहीं करेगी। इसका कारण नीतीश कुमार के चेहरे के साथ साथ मोदी का मैजिक भी होगा। जद यू के नेता चाहते हैं कि नीतीश कुमार चेहरे से ही चुनाव लड़ा जाय। भाजपा इसे लेकर कोई जोखिम मोल लेने के पक्ष में नहीं है। नीतीश कुमार को लेकर भाजपा त्याग ही कर रही है। भाजपा के समर्थन से बिहार में एनडीए की सरकार बनने की उम्मीद है। मुख्य मंत्री के रूप में नीतीश कुमार एनडीए के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगें। बिहार एनडीए में जद यू, भाजपा, हम, लोजपा रामविलास राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा शामिल है।

दूसरी ओर तेजस्वी को इस बार महागठबंधन की सरकार बनने की पूरी उम्मीद है। हालांकि दिल्ली चुनाव परिणाम देख कर उनका उत्साह कमजोर पड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय जनता दल के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव पहले से ही बिहार के जिलों का दौरा कर रहे हैं। वे पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात कर रहे हैं। उम्मीदवारों के बारे में संवाद कर रहे हैं। महागठबंधन की सरकार बनने पर जनता के लिए वे क्या-क्या करेंगे, इसकी भी जानकारी देते रहे हैं। माई-बहिन सम्मान योजना, 200 यूनिट फ्री बिजली देने और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाने की वे घोषणा कर चुके हैं।

बिहार में गठबंधन का नेतृत्व राष्ट्रीय जनता दल ही कर रही है। गठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी यादव न सिर्फ. सीटों का बंटवारा करते हैं, बल्कि साथी दलों के उम्मीदवार का टिकट तक वितरण करते हैं। इसमें कई बार कांग्रेस को भी झुकना पड़ा है। दिल्ली के नतीजे के बाद लालू प्रसाद को यह लगने लगा है यदि गठबंधन टूट गय तो सत्ता हासिल करना ज्यादा मुश्किल होगा। यह कयास लगाया जा रहा है कि इस चुनाव परिणाम के बाद इंडिया गठबंधन के सभी दल कांग्रेस को किनारा कर सकते हैं। दिल्ली के चुनाव से पहले ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा जताया थी। लालू प्रसाद यादव, उमर अब्दुला , शरद पवार, अरविंद केजरीवाल आदि नेताओं ने समर्थन किया था। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में तकरार होती है या खटास बढ़ती है इसका असर महागठबंधन पर पड़ेगा । वह टूट भी सकता है। इसका कारण यह है कि लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को देने का समर्थन किया है। राज्य मे इंडिया गठबंधन में राजद, कांग्रेस के अलावा वीआईपी पार्टी भी है। बिहार में भी राहुल गांधी ने अपने दो दौरों में जिस तरह जातिगत जनगणना पर सवाल उठाए, उससे राष्ट्रीय जनता दल के भी कान खड़े हो गए हैं। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल आधार वोटों में मुस्लिम मतदाता कॉमन हैं। असदुद्दीन ओवैसी पहले से ही मुस्लिम वोटों के बंटवारे का ट्रेलर दिखा चुके हैं ।राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष कांग्रेस को किनारे कर सकता है। गुजरात, पंजाब के बाद हरियाणा और दिल्ली में कांग्रेस ने जिस तरह विपक्षी एकता को तार-तार किया है, उसका खामियाजा तो उसे भोगना ही पड़ा, इंडिया ब्लॉक के साथी दलों से उसका तालमेल भी टूट गया। कांग्रेस ने भी हरियाणा और दिल्ली जैसा रुख अपनाया तो मुस्लिम वोटों का बंटवारा तय है। यह राष्ट्रीय जनता दल के सपनों पर पानी फेर सकता है, जो तेजस्वी को मुख्य मंत्री बनाने का सपना देख रहा है। दिल्ली के चुनाव परिणाम के बाद राजग गठबंधन में शामिल हम ज्यादा ही उत्साहित है। केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि दिल्ली तो झांकी है, बिहार अभी बाकी है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना दिवास्वप्न है। 225 सीटों के साथ बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी ।उप मुख्य मंत्री विजय कुमार सिन्हा नीतीश कुमार को एडीए का सर्वमान्य नेता बताते हैं।

मुख्य मंत्री नीतीश कुमार भी अपनी प्रगति यात्रा इस माह पूरी कर लेंगे। नीतीश जिस भी जिले में जाते हैं, वहां चल रही सरकारी योजनाओं की समीक्षा करते हैं। नई योजनाओं की घोषणा करते हैं। उद्घाटन-शिलान्यास के काम भी संग-संग कर रहे हैं। इससे लगता है कि सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों चुनाव के लिए तैयार हैं ।दिल्ली चुनाव परिणाम का असर यह हो सकता है कि समय से पहले चुनाव हो जाएं। भाजपा इस उत्साह को बेकार नहीं जाने देगी। बिहार में इसे भुनाने का वह भरपूर प्रयास करेगी।

आखिर दिल्ली में क्यों ढ़हा ‘आप’ का किला?

-योगेश कुमार गोयल-

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढ़ह गया है। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए ह्यआपह्ल की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं ह्यवीआईपी कल्चरह्ल के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे, भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढ़ांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे ह्यरेवड़ी संस्कृतिह्ल कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे ह्यआपह्ल की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढ़ांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढ़ेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी ह्यआपह्ल वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चचाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला।

गढ़ भी नहीं रहा और सेनापति भी नहीं

-उमेश चतुर्वेदी-

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को कितनी उम्मीदें थीं कि अन्ना का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ लेकर अरूणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरियाभरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वायदे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। झूठ और फरेब की राजनीति को ही उन्होंने अपनी सियासी आदत बना लिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण,. वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे उनके आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। हालांकि उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी।

केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए। मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं।

केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए। शुरू में उनकी बहानेबाजी तो चली,लेकिन बाद में लोगों ने समझना शुरू कर दिया कि वे सिर्फ हवा-हवाई दावे करते हैं और बहानेबाजी के जरिए खुद को बचा ले जाते हैं।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

सुखोई समेत लड़ाकू विमानों की गर्जना से गूंजा बंगलूरू

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- ये पराक्रम का महाकुंभ

बंगलूरू (एजेंसी)। बेंगलुरू में येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण का समारोह चल रहा है। जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित भी किया है। इस दौरान राजनाथ सिंह ने वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़े देश के तौर पर भारत हमेशा शांति और स्थिरता का हिमायती रहा है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हमारे लिए भारतीय सुरक्षा या भारतीय शांति अलग-थलग नहीं है। सुरक्षा, स्थिरता और शांति साझा निर्माण हैं जो राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। (एयरो इंडिया में) विदेशी देशों के हमारे मित्रों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि हमारे साझेदार एक

धरती, एक परिवार, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं। इस दौरान उन्होंने एयरो इंडिया 2025 की तुलना महाकुंभ से की है। उन्होंने कहा- इस समय भारत में महाकुंभ चल रहा है...मुझे भी संगम में डुबकी लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं समझता हूं कि एयरो इंडिया के रूप में आज से भारत में एक और महाकुंभ का प्रारंभ हो रहा है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ आत्म संधान का कुंभ है, वहीं दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह महाकुंभ अनुसंधान का कुंभ है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ आंतरिक मजबूती पर ध्यान दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह महाकुंभ हमारी बाहरी मजबूती पर ध्यान दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और अमेरिका दौरे पर रवाना

बोले- ट्रम्प से मिलने के लिए उत्साहित; साझेदारी को बढ़ावा देना एजेंडे में शामिल

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर रवाना हो गए हैं। पीएम का यह दौरा 10 से 14 फरवरी तक है। वे आज और कल फ्रांस के दौरे पर रहेंगे। इसके बाद 12 और 13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को लेकर

पीएम ने कहा- राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर मैं 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा पर रहूंगा। मैं पेरिस में एआई समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हूं। फ्रांस से मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निमंत्रण पर अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाऊंगा। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलने के लिए उत्सुक हूं। उनके साथ पहले कार्यकाल में काम करने का अनुभव अच्छा है। पीएम ने बताया कि वह फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का मार्सिले शहर में उद्घाटन करेंगे और इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर परियोजना का दौरा करेंगे। इसके साथ ही वो पहले और दूसरे वर्ल्ड वॉर के दौरान मारे गए भारतीय सैनिकों को मजारग्यूज युद्ध समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देंगे।

महाकुंभ-प्रयागराज में जाम से मचा त्राहिमाम

- संगमनगरी को जोड़ने वाले सभी जिलों में भी रेंग रहे वाहन

प्रयागराज के हर एंट्री पॉइंट पर 20 किमी तक गाड़ियां फंसी, 5 किमी का सफर 8 घंटे में

प्रयागराज (एजेंसी)। बसंत पंचमी स्नान के बाद से प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। रविवार को हालत बिगड़ गए थे। शहर से लेकर वाराणसी, मिर्जापुर, लखनऊ और रीवा हाईवे समेत 7 एंट्री पॉइंट पर 20 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई थीं।

शहर के लोग घरों में हुए कैद- प्रयागराज में यातायात व्यवस्था ध्वस्त होने से हाहाकार मचा हुआ है। शहर के लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। वह बाहर निकलकर रोजमर्रा के जरूरी सामान भी नहीं खरीद पा रहे हैं। स्थिति यह है कि कुछ दूर जाने पर ही पुलिस

की बैरिकेडिंग है। किसी भी दशा में पुलिस आगे बढ़ने नहीं दे रही है। अल्लापुर, छोटा बघाड़ा, हासिमपुर रोड, चौक, जानसेनगंज से लेकर कटरा, चौक, सुलेमसराय, अलोपीबाग, दारागंज, रामबाग, बैरहना, सोहबतियाबाग, कीडगंज, मुट्ठीगंज, लाउदर रोड, एएन झा मार्ग, मेडिकल कॉलेज रोड आदि मुहल्लों में रहने वाले लोग परेशान हैं। घर से निकलते ही वाहनों की कतार लगी है और कई घंटे बाद भी गाड़ियां सौ मीटर आगे नहीं बढ़ पा रही है। वाहनों के हार्न और धुएं के चलते लोगों का घरों में रहने भी दूभर हो गया है।

ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद छोड़ा

कहा- मैं बचपन से साध्वी, आगे भी रहूंगी

प्रयागराज (एजेंसी)। किन्नर अखाड़े में विवाद के बीच ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद छोड़ा दिया है। इस बात की घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी

है। ममता ने कहा, आज किन्नर अखाड़े में मुझे लेकर विवाद है। उसके चलते इस्तीफा दे रही हूं। मैं 25 साल से साध्वी हूं और आगे भी साध्वी रहूंगी।

एक्ट्रेस से महामंडलेश्वर बनीं ममता पर 10 करोड़ देकर पदवी लेने के आरोप लग रहे थे। प्रयागराज महाकुंभ में 24 जनवरी को उन्हें महामंडलेश्वर की पदवी दी गई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाकुंभ में डुबकी लगाई

सूर्य को अर्घ्य दिया

- हनुमान मंदिर में दर्शन किए, भीड़ के चलते संगम स्टेशन बंद करना पड़ा

प्रयागराज (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने संगम में 3 डुबकी लगाई। भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। स्नान से पहले मां गंगा को पुष्प अर्पित किए। मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन और आरती की।

इसके बाद राष्ट्रपति लेटे हनुमान मंदिर पहुंचीं और आरती की, फिर अक्षयवट धाम पहुंची और दर्शन-पूजन किया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी भी हैं।

राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी ने स्वागत किया। वहां से अरैल पहुंचीं, फिर बोट से संगम पहुंचीं और स्नान किया। द्रौपदी मुर्मू देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने महाकुंभ में स्नान किया। इससे पहले, 1954 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने फोकस के लिए दिया क्रिकेट मंत्र

कहा- सिर्फ बॉल पर फोकस करें, शोर पर नहीं; पेरेंट्स पढ़ाई का प्रेशर न डालें

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा पे चर्चा के आठवें एडिशन में पीएम नरेंद्र मोदी ने 10वीं ओर 12वीं के स्टूडेंट्स से बोर्ड एग्जाम्स को लेकर बातचीत की।

पीएम ने स्टूडेंट्स से कहा- सबसे पास दिन में 24 घंटे ही होते हैं। कोई इतने ही समय में सब-कुछ कर लेता है, तो कोई यही कहता रहता है कि समय नहीं है। ऐसे में टाइम मैनेजमेंट सीखना बहुत जरूरी है।

- पीएम मोदी की स्टूडेंट्स, टीचर्स और पेरेंट्स को 10 सीख

पेरेंट्स-टीचर्स बच्चों की भावनाओं को समझें- परिवार बच्चों को प्रेशर देता है। बच्चे को आर्टिस्ट बनना है तो कहते हैं कि इंजीनियर बनो। माता-पिता आप अपने बच्चों की इच्छाओं को समझिए, क्षमताओं को समझिए। मदद कीजिए।

टारगेट ऐसा बनाएं जो पहुंच में हो, पकड़ में नहीं- ज्यादातर लोग खुद से स्पर्धा नहीं करते, दूसरे से करते हैं। जो खुद से स्पर्धा करता है, उसका विश्वास कभी टूटता नहीं।

बॉडी पर कंट्रोल सीखने के लिए प्राणायाम करें- झरने की आवाज सुनिए। आपको आवाज सुनाई दे रही है। आप लोगों को मेडिटेशन करना चाहिए। चिंता से निकलने के लिए प्राणायाम कीजिए।

मन की बात पेरेंट्स से कहें, तनाव दूर होगा- अगर किसी पल को जिया नहीं तो वो चला जाएगा, फिर नहीं लौटेगा। याद करें

कि अपने भाई से पहले बहुत बात करते थे, अब नहीं करते।

टाइम मैनेजमेंट सीखें- सबसे पास दिन में 24 घंटे होते हैं। कोई इसमें सब-कुछ कर लेता है, कोई रोता रहता है कि पढ़ने का समय नहीं मिलता। वास्तव में वो अपना समय मैनेज करना नहीं जानते।

बच्चों को किताबों का जेलखाना नहीं, खुला आसमान चाहिए- आप डांस करते हैं तो कैसा लगता है, अच्छा लगता है ना? बच्चों को दीवारों में बंद करके किताबों का ही जेलखाना बना देंगे तो बच्चे कभी भी विकास नहीं कर पाएंगे। उन्हें खुला आसमान चाहिए।

टीचर को बच्चों की ताकत पहचाननी होगी- मैं अहमदाबाद में स्कूल में गया एक बच्चे के मां-बाप ने चिट्ठी लिखी थी कि उसे निकाल रहे हैं। बाद में टिंकरिंग लैब शुरू हुआ, वो बच्चा उसमें समय बिताने लगा। उस बच्चे ने रोबोट बनाया। उसके पास कुछ विशेष ताकत है, टीचर को पहचानना होगा।

पॉजिटिविटी खोजने की आदत डालें- जितने दोस्त हैं, उन्हें याद करो। उनके पूरे नाम लिख सकते हो क्या? नहीं। इसका मतलब कि जिसे आप अच्छा दोस्त मानते हो उसकी जानकारी कम है। फिर सोचो कि उसके गुण लिख सकते हैं क्या। इसके बाद आपको किसी भी बात में पॉजिटिव खोजने की आदत पड़ जाएगी।

तिरुपति लड्डू विवाद, सीबीआई ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया

जांच में खुलासा- घी सप्लाई का टेंडर लेने डेयरी मालिक ने फेक डॉक्यूमेंट बनाए

नई दिल्ली/तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति मंदिर के प्रसाद के लड्डू में मिलावट मामले को लेकर 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान भोले बाबा डेयरी के पूर्व निदेशक विपिन जैन और पोमिल जैन, वैष्णवी डेयरी के अपूर्व चावड़ा और एआर डेयरी के राजू राजशेखरन के रूप में हुई है। चारों को प्रसाद के लड्डू बनाने के लिए घी की सप्लाई में

अनियमितताएं मिलने पर गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई को जांच में पता चला कि वैष्णवी डेयरी के प्रतिनिधियों ने एआर डेयरी के नाम पर टेंडर हासिल किए थे। वैष्णवी डेयरी ने टेंडर प्रक्रिया में हेराफेरी करने के लिए एआर डेयरी के नाम का इस्तेमाल करते हुए फर्जी डॉक्यूमेंट और मुहरें बनाई थीं। वैष्णवी डेयरी द्वारा बनाए गए नकली रिकॉर्ड में दावा किया गया कि उसने रुड़की में भोले बाबा डेयरी से घी खरीदा है, लेकिन उसके पास जरूरी मात्रा में आपूर्ति करने की क्षमता नहीं थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मूलमंत्र

पंचकुला : शशि किरण अरोड़ा)- आज का मुद्दा-हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र देते हुए कहा कि वे जीवन में चुनौतियों को स्वीकार करें और उनसे घबराए नहीं। चुनौती स्वीकार करते हुए काम करेंगे तो बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल कर सकते है। उन्होंने कहा कि यह उनका निजी अनुभव है कि जितनी बड़ी चुनौती होगी, उसको पूरा करने में, उतना ही बड़ा आनंद होगा।

मुख्यमंत्री शहीद मेजर अनुज राजपूत राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-20 पंचकूला में आयोजित परीक्षा पे चर्चा-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने परंपरागत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद मेजर अनुज राजपूत को दी श्रद्धांजलि

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने स्कूल प्रांगण में शहीद मेजर अनुज राजपूत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शहीद के पिता कुलवंश और माता ऊषा रोहिला भी

मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला के विभिन्न स्कूलों के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा-2025 कार्यक्रम का दिल्ली से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली भी उपस्थित थे ।

प्रधानमंत्री देश के करोड़ो विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल

प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न कौनो से आए विद्यार्थियों से बातचीत की और उनको परीक्षा के दिनों में तनाव मुक्त रहते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के गुर दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के परीक्षा से संबंधित प्रश्नों और शंकाओं का निवारण भी किया। उन्होंने कहा की विद्यार्थी अपने मन को स्थिर रख कर जीवन में किसी भी चुनौती का सामना कर सकते है। उन्होंने दैनिक जीवन में प्राणायाम के महत्व पर बात करते हुए कहा कि नियमित रूप से प्राणायाम करने से मानव शरीर में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया किया कि वे अपने बच्चों की इच्छा और क्षमताओं को जानने का प्रयास करे और जीवन की दिशा तय करने में सहायता करे। उन्होंने कहा कि अध्यापकों को भी एक विद्यार्थी की तुलना दूसरे विधार्थी से नहीं करनी चाहिए ताकि उनका मनोबल कम ना हो। विद्यार्थियों ने कहा की प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी देश के करोड़ों विद्यार्थियों के रोल मॉडल है। उन्होंने विश्वास दिलाया की प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेश को जीवन में अपनाकर वे आने वाली परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

नरेंद्र मोदी ने जो मूलमंत्र दिए है, विद्यार्थी उन्हें अपने जीवन में अपनाकर आगे बढ़ेंगे

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों से सीधी बातचीत करते है और उन्हें बिना तनाव के परीक्षा देने के लिए प्रेरित करते है। विद्यार्थियों के साथ साथ प्रधानमंत्री बच्चों के अभिभावकों और अध्यापकों का भी मार्गदर्शन करते है ताकि परीक्षा के दिनों में बच्चों का मनोबल बना रहे। आज भी प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में 21 विषयों पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने शिक्षा के साथ साथ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और कौशल विकास के बारे में भी जागरूक किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ बैठकर देखें ताकि बच्चों पर परीक्षा का दबाव कम हो। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जो मूलमंत्र दिए है, विद्यार्थी उन्हें अपने जीवन में अपनाकर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को आने वाली परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उन्हें पंचकूला में विद्यार्थियों के बीच आकर सुखद अनुभव हो रहा है। उन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को आने वाली परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो चुनौतियां आप सबके सामने है, वह हमारे सामने भी थी। वर्ष 2014 से पूर्व व्यवस्था का उल्लेख करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस समय बच्चा मेहनत करके टॉप पर आता था परंतु उसे फल नहीं मिलता था, पर 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार ने इस चुनौति को स्वीकार करते हुए व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। प्रदेश में शिक्षा के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। आज हर तरफ बच्चे मेहनत करते हुए दिखाए देते है। युवाओं का भी सरकार पर विश्वास बढ़ा है और उन्हें पढ़ लिखकर रोजगार के लिए विधायकों और मंत्रियों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। राज्य सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत युवाओं को बिना खर्ची पर्ची पर मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव पर नया कानून पारित, इससे विदेशी हस्तक्षेप पर लगेगी लगाम

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव को मजबूत करने वाला एक नया कानून पारित किया गया है। इस कानून का उद्देश्य देश में नस्लीय सद्भाव को बढ़ावा देना और साथ ही विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम लगाना है। यह कानून सिंगापुर की संसद में एकमत से पारित हो गया। सिंगापुर में 300 समूह और व्यापारिक संघों को नस्ल आधारित इकाई घोषित किया गया है और इन्हें विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद का खुलासा करना होगा। यह कानून मंगलवार को पारित किया गया। सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के षणमुगम ने कहा कि सिंगापुर में पहले से ही नस्लीय सद्भाव को खतरे में डालने वाले आचरण से निपटने के कानून हैं, लेकिन नया कानून इन कानूनों को एक जगह पर लाता है। नए कानून में सामुदायिक सुधारात्मक पहल की भी शुरुआत की गई है, जो कम गंभीर नस्लीय अपराधों में आरोपियों को अभियोजन के बदले एक मौका देता है। हालांकि इससे सिंगापुर में मुक्त भाषण पर थोड़ी लगाम लगेगी। षणमुगम ने कहा, हमने हमेशा सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव को अहम आधार माना है, और इसलिए इस विधेयक को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। षणमुगम ने कहा कि नस्ल संबंधों के बारे में अस्वीकार्य आचरण का दायरा मूल रूप से वही है, क्योंकि नए कानून के तहत अपराध वही हैं जो दंड संहिता में पहले से ही मौजूद हैं।

20 हजार से ज्यादा अमेरिकी सरकारी कर्मचारी नौकरी छोड़ने को तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 20 हजार से ज्यादा सरकारी कर्मचारी सरकार के प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत नौकरी छोड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते 20 लाख सरकारी कर्मचारियों को काम छोड़ने और 30 सितंबर तक वेतन और लाभ प्राप्त करने का अवसर दिया था। नौकरी छोड़ने के लिए घोषणा करने की अंतिम तारीख 6 फरवरी है। सूत्रों ने बताया कि 20 हजार से ज्यादा कर्मचारियों ने सरकार को पद छोड़ने के बारे में सूचित कर दिया है। बता दें कि ट्रंप प्रशासन अमेरिकी सरकार के आकार में कटौती करना चाहता है। हालांकि, कुछ डेमोक्रेटिक सांसदों का कहना है कि यह प्रस्ताव कानूनी नहीं है।

उत्तरी जापान में रिकॉर्ड बर्फबारी, जन–जीवन चौपट

टोक्यो, एजेंसी। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइदो पर रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के चलते यातायात बाधित हो गया, स्कूल व हवाईअड्डा बंद करना पड़ा और ट्रेन सेवाएं भी रोकनी पड़ीं। होक्काइदो प्रीफेक्चुरल सरकार ने कहा, विशेष रूप से ओबिहिरो और कुशिरो सहित द्वीप के पूर्वी क्षेत्रों में रिकॉर्ड बर्फबारी देखी गई है। दक्षिणी होक्काइदो के साप्पोरो में लोकप्रिय हिम उत्सव शुरू होते ही कई व्यवधानों का सामना करना पड़ा। ओबिहिरो में 129 सेंमी की रिकॉर्ड तोड़ बर्फबारी दर्ज की गई है। अगले 24 घंटों में बुधवार शाम तक उत्तर–पश्चिमी जापान में 100 सेंमी तक बर्फबारी की भविष्यवाणी की गई है।

दक्षिण अफ्रीका न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ाई गई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आठ फरवरी से शुरू होने जा रही त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को पुख्ता करने के तहत बुधवार से लाहौर में सेना के जवान और रेंजर्स तैनात रहेंगे। जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी ने इसी दिन विरोध मार्च निकालने की योजना बनाई है। गृह मंत्रालय ने लाहौर में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीकाई क्रिकेट टीमों की सुरक्षा के लिए सेना और रेंजर्स की तैनाती को अनुमति दी है।

हसीना की पार्टी के दो नेता पर्चे बांटने पर किए गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार द्वारा पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के अभियान के खिलाफ चेताने के बाद पर्चे बांटने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ये गिरफ्तारियां मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक आलम के उस बयान के कुछ घंटों बाद हुईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि लीग के समर्थन में पर्चे बांटने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाएगा।

कतर लेबनानी सेना को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

दोहा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में 15 महीने के हिंसक संघर्ष के बाद फिलहाल तनावपूर्ण शांति व्याप्त है। ताजा घटनाक्रम में कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे लेबनानी सेना का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बेरूत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने कहा कि हम सरकार बनाने के बाद दोनों देशों के बीच संयुक्त परियोजनाओं पर काम करने के लिए तत्पर हैं। कतर लेबनान और उसके लोगों के साथ खड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका में एंग्लिकन चर्च ने स्वीकार की विफलता, यौन शोषण के आरोपों पर कार्रवाई का मामला

केप टाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में एंग्लिकन चर्च ने स्वीकार किया है कि वह यौन शोषण के आरोपों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। बता दें कि पूर्व सदस्य जॉन स्मिथ के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका भागने से पहले 1970 और 1980 के दशक में ब्रिटेन और जिम्बाब्वे में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया था। 2018 में उनकी मृत्यु हो गई थी।

भारतवंशी तुलसी गबार्ड राष्ट्रीय खुफिया निदेशक होंगी; डग कोलिन्स वयोवृद्ध मामलों के सचिव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद सदस्य रह चुकीं भारतवंशी तुलसी गबार्ड अब नेशनल इंटेलिजेंस निदेशक (डीएनआई) का पद संभालेंगी। सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी में मतदान के बाद उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड की नियुक्ति के लिए पूर्ण सीनेट में मतदान होना बाकी है। सीनेट कमेटी में करीबी मुकाबले के दौरान तुलसी को 9-8 से जीत मिली। वोट डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टी लाइनों के अनुसार डाले गए।

इन दोनों सीनेटरों के वोट निर्णायक रहे : रिपब्लिकन नेता और सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष टॉम कॉटन ने बताया कि समिति ने नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक बनने के लिए वोट किया। उनके नाम की पुष्टि के बाद अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए हम उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। इंडियाना से निर्वाचित सीनेटर टॉड यंग ने एलान किया था कि वह गबार्ड का समर्थन करेंगे। इसे बेहद अहम स्विंग वोट माना गया। इनके अलावा सीनेटर सुसान कोलिन्स ने भी गबार्ड का समर्थन किया। इन दोनों सीनेटरों के वोट निर्णायक माने जा रहे थे।

अमेरिकी सेना को भी सेवाएं दे चुकी हैं तुलसी : बता दें कि गबार्ड एक पूर्व आर्मी रिजर्व लेफ्टिनेंट कर्नल रही

हैं। डेमोक्रेटिक खेमे से अमेरिकी कांग्रेस सदस्या रह चुकीं गबार्ड ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बतौर उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमाई थी। पिछले साल ही ट्रंप का दामन थामने वाली तुलसी गबार्ड ने कई मौकों पर कहा है कि हजारों खुफिया कर्मी डीप स्टेट सदस्य हैं। अब इनकी जिम्मेदारी तुलसी के पास ही होगी।

नियुक्ति को औपचारिक तौर पर मंजूरी मिलने का इंतजार : बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 43 वर्षीय तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के पद के लिए नामित किया था। सीनेट के समक्ष पेशी और कठिन सवाल-जवाब के बाद सीनेट में मतदान होता है। इसके बाद तुलसी की नियुक्ति को औपचारिक तौर पर मंजूरी मिलेगी।

2024 में तुलसी ने ट्रंप को औपचारिक समर्थन देने का एलान किया : यह भी दिलचस्प है कि भारतवंशी गबार्ड चार बार कांग्रेस की सदस्य रह चुकी हैं। उन्होंने मध्य पूर्व और अफ्रीका के युद्ध क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएं दी हैं। वह हाल ही में डेमोक्रेट से रिपब्लिकन सदस्य बनी हैं। अक्तूबर 2022 में उन्होंने डेमोक्रेट खेमा छोड़कर निर्दलीय प्रत्याशी बनने की घोषणा की थी। राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले अगस्त, 2024 में तुलसी ने ट्रंप को औपचारिक समर्थन देने का एलान किया था।

ट्रंप मंत्रिमंडल के गठन के बाद वायोवृद्ध मामलों के सचिव बने डग कोलिन्स : अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को डग कोलिन्स को वयोवृद्ध मामलों के सचिव के रूप में नियुक्त किया। कोलिन्स, जो इराक युद्ध के वयोवृद्ध और पूर्व कांग्रेसी हैं, अब उस विभाग के प्रमुख होंगे जो अमेरिका के वयोवृद्धों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है। उन्हें 77-23 मतों से पुष्टि मिली और वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल के एक नए सदस्य बने।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की सराहना : राष्ट्रपति ट्रंप ने कोलिन्स के नामांकन की घोषणा करते हुए कहा कि कोलिन्स वयोवृद्धों और अमेरिका के लिए एक महान वकील साबित होंगे। वयोवृद्ध मामलों का विभाग 350 बिलियन डॉलर के बजट का प्रबंधन करता है और अमेरिका भर के लगभग 200 चिकित्सा केंद्रों और अस्पतालों की देखरेख करता है।

वायोवृद्धों की गुणवत्ता बढ़ाने का वादा- कोलिन्स : कोलिन्स ने कहा कि वह विभाग में विनियमनों में सुधार करेंगे और वयोवृद्धों की देखभाल की गुणवत्ता बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह इराक युद्ध का अनुभव रखने वाले सैनिकों की नई स्वास्थ्य चुनौतियों को समझते हैं, क्योंकि वे स्वयं भी इराक युद्ध में शामिल थे। बता दें कि कोलिन्स ने 2013 से 2021 तक प्रतिनिधि सभा में काम किया और ट्रंप प्रशासन के करीबी सहयोगी रहे। उन्हें सीनेट के लिए 2020 में असफल रूप से चुना गया था। सीनेटर केविन क्रैमर ने कोलिन्स की सहानुभूति और आकर्षक व्यक्तित्व की तारीफ करते हुए कहा कि वह वयोवृद्धों के साथ अच्छी तरह से काम करेंगे।

ट्रंप के गाजा पर नियंत्रण की बात के विरोध में सऊदी अरब, कहा- हम स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य के रुख पर अटल

दुबई, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पर नियंत्रण करने के सुझाव के बाद अरब देशों से प्रतिक्रिया आने लगी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य के लिए उसका रुख नहीं बदलेगा। हम अपने फैसले पर दृढ़ और अटल रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा था गाजा का मालिकाना हक अमेरिका ले और गाजा का पुनर्निर्माण करे। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब पूर्वी येरूशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना की दिशा में चल रहे कामों को नहीं रोकेगा। साथ ही अपना काम पूरा किए बिना इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पहले ही फलस्तीनियों के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। चाहे वह इस्राइल की ओर से किए गए हमले रहे हों, फलस्तीनियों की जमीन पर कब्जे के मामले रहे हों या उनको विस्थापित करने की बात रही हो, हम हमेशा इसके खिलाफ खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आज फलस्तीनियों की गंभीर मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहिए। फलस्तीनी अपनी जमीन के लिए प्रतिबद्ध हैं और इससे पीछे नहीं हटेंगे। हमारा अलग फलस्तीनी राज्य को लेकर रुख किसी बातचीत के अधीन नहीं है। हालांकि सऊदी अरब सुरक्षा समझौते और अन्य शर्तों के बदले इस्राइल को राजनयिक मान्यता देने को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फलस्तीनियों को गाजा के बाहर पुर्नवासित करने के प्रस्ताव को हमास ने खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि गाजा में नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए इस्राइल जिम्मेदार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उसे दंडित करने के बजाय पुरस्कृत कर रहे हैं। हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ह

कांगो संकट पर शिखर सम्मलेन, तंजानिया में जुटेंगे अफ्रीकी देशों के नेता

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी देशों के नेताओं ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के हालात पर चर्चा के लिए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में शामिल होने का फैसला किया है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रुटो ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में संघर्ष पर चर्चा के लिए दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) और पूर्वी अफ्रीकी समुदाय (ईएसी) का संयुक्त शिखर सम्मेलन शुक्रवार और शनिवार को तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया जाएगा। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक बयान में रुटो ने कहा, राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन (तंजानिया) ने पूर्वी डीआरसी की स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने पर सहमति व्यक्त की है। रूटो के अनुसार, डीआरसी के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेडी और रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागमे ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने की पुष्टि की है। इससे पहले शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय बैठक होगी। शनिवार को राष्ट्राध्यक्षों की बैठक होगी। जिन अन्य नेताओं ने भागीदारी की पुष्टि की है।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन

जोहान्सबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर और सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन भव्य और ऐतिहासिक समारोह के साथ हुआ। यह दक्षिण अफ्रीका के हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। इस उद्घाटन समारोह की शुरुआत 1 फरवरी (शनिवार) को एक भव्य नागर यात्रा (शोभायात्रा) से हुई, जिसमें सड़कों पर भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पवित्र मूर्तियों की झांकी निकाली। इस यात्रा में भक्तों ने भजन-कीर्तन, नृत्य, और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उत्सव मनाया। शोभायात्रा का माहौल भक्ति, एकता और आनंद से भरपूर था।

इसके बाद, 2 फरवरी (रविवार) को पवित्र मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह संपन्न हुआ। इसके साथ ही यह मंदिर आधिकारिक रूप से आध्यात्मिकता और दिव्यता का केंद्र बन गया। यह मंदिर केवल एक भौतिक संरचना नहीं, बल्कि बीएपीएस परंपरा के वर्षों की भक्ति, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। बीएपीएस की दक्षिण अफ्रीका में आध्यात्मिक यात्रा का आरंभ 20 मार्च 1960 को हुआ था, जब परम पूज्य योगीजी महाराज ने लिंपोपो नदी के तट पर खड़े होकर इस भूमि को आशीर्वाद दिया था। इस यात्रा में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सामाजिक समानता, आर्थिक स्थिरता और आध्यात्मिक उत्थान की भविष्यवाणी की थी। उनके बाद प्रमुख स्वामी महाराज ने 1974 से 2004 के बीच सात बार दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की और भक्तों

को प्रेरित किया। आज, महंत स्वामी महाराज के नेतृत्व में इस दिव्य संकल्प को साकार रूप में देखा जा रहा है। जोहान्सबर्ग का यह मंदिर बीएपीएस के 35 मंदिरों में से एक है, जो पूरे अफ्रीका में फैले हुए हैं। बीएपीएस ने विश्व भर में 1,300 से अधिक मंदिरों की स्थापना की है, जो आध्यात्मिकता, संस्कृति और सेवा के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं।

यह मंदिर सिर्फ एक भव्य निर्माण नहीं, बल्कि भक्ति, त्याग और एकता का प्रतीक है। मंदिर के निर्माण में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अपना समय, श्रम और संसाधन अर्पित किए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, बीएपीएस के एक वरिष्ठ संत ने कहा कि यह मंदिर हमारे गुरुजनों की दिव्य दृष्टि और भक्तों के निस्वार्थ समर्पण का परिणाम है। यह आध्यात्मिक उत्थान, सांस्कृतिक संरक्षण और समाज सेवा का केंद्र बनेगा। बीएपीएस द्वारा निर्मित कई मंदिर आज दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर, अबू धाबी का बीएपीएस हिंदू मंदिर, लंदन का बीएपीएस मंदिर और न्यू जर्सी का अक्षरधाम मंदिर केवल स्थापत्य के अद्भुत उदाहरण नहीं, बल्कि जीवन को शांति और आनंद से भरने के महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

स्वीडन के स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग, 10 की मौत; शूटर भी मारा गया

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन के ओरेब्रू शहर में मंगलवार को एक स्कूल पर गोलीबारी की घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी में हमलावर भी ढेर हो गया है। पुलिस का कहना है कि इस हमले को एक अकेले शूटर ने अंजाम दिया, लेकिन इस हमले का मकसद अब तक साफ नहीं हो सका है। यह घटना राजधानी स्टॉकहोम से लगभग 200 किलोमीटर पश्चिम में स्थित ओरेब्रू के कैंपस रिसबर्गस्का में हुई, जहां वयस्कों को शिक्षा दी जाती है। यह संस्थान उन लोगों के लिए है जो समय पर अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर सके। हालांकि, इस स्कूल के नजदीक बच्चों का एक स्कूल भी मौजूद है।

घटना के बाद पूरे देश में सदमा : स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने इस घटना को देश की अब तक की सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी करार दिया। उन्होंने कहा, आज हमने निर्दोष लोगों के खिलाफ खौफनाक और जानलेवा हिंसा देखी। इस हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। पुलिस प्रमुख रॉबर्टो ईड फॉरेस्ट के मुताबिक, अपराध स्थल पर नुकसान इतना

ज्यादा हुआ कि मरने वालों की सटीक संख्या तुरंत नहीं बताई जा सकी। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने यह भी साफ किया कि अभी तक इस हमले का आतंकवाद से कोई संबंध सामने नहीं आया है। लेकिन संदिग्ध हमलावर के मकसद को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। इस हमले से पूरे यूरोप में सदमा फैल गया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, ऐसी हिंसा और आतंक हमारे समाज में कोई जगह नहीं रखते, खासतौर पर स्कूलों में। स्वीडिश न्याय मंत्री गुनार स्ट्रोमर ने इस हमले को समाज को झकझोर देने वाली घटना बताया। उन्होंने कहा, स्वीडन ने हमेशा सोचा था कि हमारे देश में इस तरह की घटना नहीं होगी, लेकिन आज हमें भी इस खौफनाक हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने भी स्वीडन के लोगों के साथ संवेदना जताई और इस घटना को बेहद दुखद करार दिया। हमले के दौरान स्कूल में मौजूद शिक्षिका लीना वारनमार्क ने बताया कि उन्होंने करीब 10 गोलियां चलने की आवाज सुनी। वहीं, 28 साल के छात्र एंड्रियास सुंडलिंग ने बताया कि हमले के वक्त उन्होंने खुद को एक कक्षा के अंदर बंद कर लिया। उन्होंने कहा, हमने तीन जोरदार धमाके सुने और उसके बाद चीख-पुकार मच गई। पुलिस का कहना है कि हमलावर पहले से किसी अपराध में वॉन्टेड नहीं था। हमले के तुरंत बाद पुलिस ने संदिग्ध के घर पर छापा भी मारा, लेकिन वहां से क्या मिला, इसकी जानकारी साझा नहीं की गई।

गाजा पट्टी पर कब्जे करेगा अमेरिका; नेतन्याहू से मुलाकात के बाद डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका युद्ध से तबाह हुए फिलिस्तीनी क्षेत्र गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा। अमेरिका तब तक वहां बना रहेगा जब तक फिलिस्तीनी अन्य जगहों पर पुनर्वासित नहीं हो जाते। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका गाजा का विकास करेगा और इसे अपने अधिकार में लेगा। ट्रंप ने यह बयान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दिया है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के इस विचार को इतिहास बदलने वाला बताते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति गाजा के लिए एक अलग भविष्य की कल्पना कर रहे हैं। यह घोषणा दुनिया भर में हलचल मचा सकती है और मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक स्थितियों को प्रभावित कर सकती है।

इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के बीच अक्टूबर 2023 से जारी संघर्ष के कारण गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो चुकी है। हाल ही में युद्धविराम हुआ है, लेकिन इजरायली बमबारी ने क्षेत्र के लगभग सभी ढांचे को नष्ट कर दिया है, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, हम इसे अपने अधिकार में लेंगे और यहां पड़ी हुई खतरनाक विस्फोटक बमों और अन्य हथियारों को नष्ट करने की जिम्मेदारी लेंगे। उन्होंने आगे कहा, हम नष्ट हुई इमारतों

को समतल करेंगे और एक ऐसी आर्थिक विकास योजना तैयार करेंगे, जिससे क्षेत्र के लोगों के लिए असीमित नौकरियां और आवास उपलब्ध होंगे। जब ट्रंप से यह पूछा गया कि क्या वह क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैनिकों की तैनाती करेंगे, तो उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो हम ऐसा करेंगे। हम इस क्षेत्र को संभालेंगे। इसका विकास करेंगे। हजारों नौकरियां पैदा करेंगे और यह पूरी मध्य पूर्व के लिए गर्व की बात होगी। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह गाजा, इजरायल और सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे, लेकिन यात्रा की तारीखों का खुलासा नहीं किया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के विचार को नई सोच करार देते हुए कहा कि वह पारंपरिक सोच को चुनौती दे रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस अधिकार से गाजा पर कब्जा करेंगे और इसे लंबे समय तक अपने नियंत्रण में रखेंगे।

ट्रंप की धमकी बीच ग्रीनलैंड संसद ने पारित किया विधेयक, राजनीतिक दलों के विदेशी चंदा लेने पर लगी रोक

नुउक, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की जा रही ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात को लेकर देश में हलचल है। ग्रीनलैंड की संसद ने विदेशी चंदे पर रोक लगाने वाले विधेयक को पारित किया। इसके तहत कोई भी राजनीतिक दल विदेश से चंदा नहीं प्राप्त कर सकेगा। संसद में पारित विधेयक का उद्देश्य देश की राजनीतिक अखंडता की रक्षा करना है। साथ ही यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। संसदीय दस्तावेज में कहा गया है कि विधेयक को ग्रीनलैंड की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर लाया गया है। ग्रीनलैंड संसद की वरिष्ठ कानूनी अधिकारी केंट फ्रिडबर्ग ने बताया कि अभी यह जानकारी नहीं है कि किसी राजनीतिक दल को विदेश से चंदा मिला भी है या नहीं। हालांकि कुछ रूसी राजनेताओं ने चंदा देने की इच्छा जताई थी। नए विधेयक के मुताबिक एक पक्ष से कुल 200,000 डेनिश क्रोनर (लगभग 27,700 डॉलर) से अधिक या एकल योगदानकर्ता से 20,000 क्रोनर (लगभग 2,770 डॉलर) से अधिक चंदा प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर का ग्रीनलैंड दौरा : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए टैरिफ या सैन्य बल का इस्तेमाल कर सकते हैं और ये बात ज्यादा प्रकाश में तब आ गई जब ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ग्रीनलैंड पहुंचे और वहां के लोगों से मिले। साथ ही उन्होंने वहां मेक अमेरिका ग्रेट अगेन लिखी हुई कैप्स भी बांटीं और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस बात पर ग्रीनलैंड के लोगों ने नाराजगी जताते हुए इसे रिश्वत देने जैसा बताया।

ग्रीनलैंड पर कब्जा, ट्रंप का पुराना सपना : देखा जाए तो ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाना डोनाल्ड ट्रंप का आज का सपना नहीं है। ये

बात 2019 से चली आ रही है जब उन्होंने इसे एक रियल स्टेट सौदा बताया था। गौरतलब है कि ग्रीनलैंड अभी डेनमार्क के तहत एक स्वतंत्र राज्य है और इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय ध्यान है। बता दें कि 1945 में अमेरिका ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लिया था लेकिन बाद में इसे डेनमार्क को वापस कर दिया। हालांकि आज भी ग्रीनलैंड के उत्तर-पश्चिम में एक अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव के पहले से ही ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की इच्छा जता रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया खाते पर भी लिखा था- ग्रीनलैंड एक अद्भुत जगह है। यदि यह हमारे देश का हिस्सा बनता है, तो यहां के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। हमें इसे सुरक्षित रखेंगे और दुनिया से बचाएंगे। अमेरिकी संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन सांसदों ने मेक ग्रीनलैंड ग्रेट अगेन विधेयक पेश कर दिया है। वहीं ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बुरुप एगेडे ने कहा था कि ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनने में कोई रुचि नहीं है और यह द्वीप बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है और इसका 80 फीसदी हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है।

नीतिगत दरों में कटौती का रियल एस्टेट ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आईबीआई) द्वारा रेपो दर में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती के फैसले का रियल एस्टेट उद्योग ने स्वागत किया है। यह फैसला रियल एस्टेट सेक्टर समेत पूरी अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कटौती से होम लोन सस्ते होंगे और बाजार में नकदी प्रवाह बढ़ेगा, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

गौड़ ग्रुप के सीएमडी और क्रेडाई नेशनल के चेयरमैन मनोज गौड़ ने इसे एक अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि बजट के बाद यह निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और रियल एस्टेट में निवेश को बढ़ावा देगा। काउंटी ग्रुप के डायरेक्टर अमित मोदी के अनुसार, यह फैसला केवल ब्याज दरों की कटौती नहीं, बल्कि केंद्रीय बैंक के बदले हुए दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है।

बाजार में बढ़ेगा विश्वास

सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि पांच साल बाद पहली बार हुई इस कटौती से होम लोन सस्ता होगा, जिससे मध्यम वर्ग और प्रीमियम सेगमेंट के खरीदारों को राहत मिलेगी। एसकेए ग्रुप के डायरेक्टर संजय शर्मा ने इसे बाजार को गति देने वाला कदम बताया, जबकि ग्रुप 108 के एमडी अमिष भूटानी ने कहा कि इस फैसले से निवेशकों और डेवलपर्स दोनों को लाभ होगा।

निवेश को मिलेगा बढ़ावा

स्पेक्ट्रम मेट्रो के वाइस प्रेसिडेंट अजेंद्र सिंह ने कहा कि यह कटौती रियल एस्टेट मार्केट के लिए सकारात्मक कदम है। रॉयल एस्टेट ग्रुप के कार्यकारी निदेशक पियूष कंसल के अनुसार, यह फैसला रियल एस्टेट सेक्टर में घरेलू और विदेशी निवेश को बढ़ावा देगा।

छोटे शहरों को भी होगा लाभ

एक्सेंशिया इंफ्रा के डायरेक्टर मानित सेठी ने कहा कि इस कदम से छोटे शहरों में भी घर खरीदने की क्षमता बढ़ेगी। यह निर्णय देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और रियल एस्टेट सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा. लैंडमार्क ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन,संदीप छिल्लर का कहना है कि आरबीआई की यह सक्रिय दर कटौती और बजट 2025 में किए गए ऐलान रियल एस्टेट सेक्टर के लिए सकारात्मक माहौल बना रहे हैं। सुषमा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्रतीक मित्तल का कहना है कि रेपो रेट में कटौती कर 6.25% करना और नई इनकम टैक्स स्लैब का ऐलान रियल एस्टेट सेक्टर के लिए बड़ा प्रोत्साहन है. कम ब्याज दरों से होम लोन सस्ता होगा, वहीं लोगों की आय बढ़ने से उनकी खरीदने की क्षमता भी बढ़ेगी।

डेवलपर्स ने जताई सकारात्मक उम्मीदें

गंगा रियल्टी के कार्यकारी निदेशक नीरज के मिश्रा ने इसे रियल एस्टेट सेक्टर और होमबायर्स के लिए एक शानदार अवसर बताया। उन्होंने कहा कि इस कटौती से मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ेगी और अधिक लोग अपने घर के सपने को साकार कर पाएंगे। बीपीटीपी के सीएफओ मानिक मलिक के अनुसार, कम ब्याज दरें डेवलपर्स के लिए वित्तीय राहत लाएंगी और प्रोजेक्ट निष्पादन आसान होगा। इससे आवासीय और कमर्शियल रियल एस्टेट दोनों में मांग बढ़ने की संभावना है।

व्हाइटलैंड कॉरपोरेशन के डायरेक्टर सुदीप भट्ट ने कहा कि होम लोन की दरों में कटौती से हाउसिंग डिमांड को बहुत जरूरी बढ़ावा मिलेगा। कम ईएमआई का लाभ सभी आय वर्गों के खरीदारों को मिलेगा और अधिक लोग प्रॉपर्टी में निवेश के लिए प्रेरित होंगे। कॉन्शिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर के बिजनेस हेड मोहित अग्रवाल ने कहा कि यह कटौती प्रीमियम रियल एस्टेट सेगमेंट के लिए भी फायदेमंद होगी।

काउंटी ग्रुप के अमित मोदी ने कहा कि यह फैसला न केवल दरों में कमी को दशार्ता है बल्कि केंद्रीय बैंक की बदली हुई सोच को भी दशार्ता है। सिग्नेचर ग्लोबल के प्रदीप अग्रवाल का मानना है कि ब्याज दरों में कटौती से मध्यम वर्ग और प्रीमियम सेगमेंट के खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा।

एसकेए ग्रुप के संजय शर्मा ने इसे बाजार के लिए सही समय पर लिया गया कदम बताया। स्पेक्ट्रम मेट्रो के अजेंद्र सिंह ने कहा कि इस कटौती से अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा, जबकि रॉयल एस्टेट ग्रुप के पियूष कंसल ने उम्मीद जताई कि इससे घरेलू और विदेशी निवेश में वृद्धि होगी। एचसीबीएस डेवलपमेंट्स के सौरभ सहारण ने इसे आर्थिक स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नीतिगत दरों में पांच वर्ष बाद कमी, ऋण के सस्ते होने की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने चुनौतिपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत और लचीली बने रहने और आगे महंगाई में नरमी आने की उम्मीद जताते हुये करीब पांच वर्ष बाद नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती तथा मौद्रिक रूख को 'तटस्थ' रखने का निर्णय लिया जिससे आवास ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋणों के सस्ते होने की उम्मीद बनी है। लगातार ग्यारहवीं बैठक में बेंचमार्क रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के बाद केंद्रीय बैंक ने आर्थिक विकास की गति कम होने और मुद्रास्फीति के अपने 4 प्रतिशत लक्ष्य के करीब पहुँचने के संकेतों के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच दरों में कटौती की। रिजर्व बैंक ने लगभग पाँच वर्षों में पहली बार बेंचमार्क दरों में कटौती की। इससे पहले कोरोना के दौरान मई 2020 में रेपो दर में 40 आधार अंकों की कटौती करके इसे 4 प्रतिशत किया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष की मौद्रिक नीति की छठी और अंतिम तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते हुये कहा कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप है। समिति ने सर्वसम्मति से दरों में कटौती करने और रुख को बनाए रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच समिति ने सर्वसम्मति से बेंचमार्क नीति दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करके इसे 6.50 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.00 प्रतिशत होगी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.50 प्रतिशत होगी।

एक नजर

चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक माहौल ने भारतीय मुद्रा पर दबाव डाला: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने आज कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 'मजबूत और लचीली' बनी हुई है, लेकिन इन वैश्विक प्रतिकूलताओं से भारतीय अर्थव्यवस्था अछूती नहीं रही है तथा हाल के महीनों में भारतीय रुपया पर दबाव बना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुये कहा कि जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित किए गए थे उस दिन से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 3.2 प्रतिशत कम हुआ है, जबकि काफी हद तक उसी अवधि के दौरान डॉलर इंडेक्स में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक पृष्ठभूमि चुनौतीपूर्ण बनी हुई है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 में 3.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो कि ऐतिहासिक औसत 3.7 प्रतिशत (2000-19 से) से नीचे है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अवस्फीति पर प्रगति रुक रही है, सेवाओं की मूल्य मुद्रास्फीति से बाधा आ रही है। जनवरी 2025 में 51.8 पर वैश्विक समग्र पीएमआई विस्तार क्षेत्र में रहा, जबकि सेवा क्षेत्र की गतिविधि में कमी आई। 50.1 पर वैश्विक विनिर्माण पीएमआई भी छह महीने के संकुचन के बाद विस्तार क्षेत्र में लौटा है। उन्होंने कहा कि सीपीबी नीदरलैंड, वर्ल्ड ट्रेड मॉनिटर के अनुसार नवंबर में विश्व व्यापारिक व्यापार की मात्रा में 3.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई। उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में बड़े पैमाने पर पूंजी का बहिर्वाह हुआ है, जिससे उनकी मुद्राओं का मूल्य तेजी से कम हुआ है और वित्तीय स्थिति सख्त हुई है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति के अलग-अलग प्रक्षेपवक्र, भू-राजनीतिक तनाव और उच्च व्यापार और नीति अनिश्चितताओं ने वित्तीय बाजार में अस्थिरता को बढ़ा दिया है। इस तरह के अनिश्चित वैश्विक माहौल ने ईएमई के लिए मुश्किल नीतिगत व्यापार-नापसंद पैदा कर दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत और लचीली बनी हुई है, लेकिन यह इन वैश्विक प्रतिकूलताओं से भी अछूती नहीं रही है, हाल के महीनों में भारतीय रुपया मूल्यह्रास दबाव में आया है। हम बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने पास मौजूद सभी उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती के आकार और गति पर कम होती उम्मीदों के साथ, अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है और बॉन्ड यील्ड में भी वृद्धि हुई है।

स्वास्थ्य बीमाकर्ता वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी न करें : आईआरडीएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने विभिन्न आयु वर्गों के लिए प्रीमियम दरों में भारी बढ़ोतरी की है। कुछ कंपनियों ने तो स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को 200 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। इसे देखते हुए, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष और उससे अधिक उम्र) के लिए बीमा प्रीमियम दरों को हर साल 10 प्रतिशत से अधिक न बढ़ाएं। बीमा नियामक संस्था ने इस बात पर ध्यान दिया कि कुछ बीमा उत्पादों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए प्रीमियम दरें बहुत अधिक बढ़ाई जा रही हैं। चूंकि वरिष्ठ नागरिकों की आय सीमित होती है और वे बढ़े हुए प्रीमियम से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, इसलिए आईआरडीएआई ने यह निर्देश जारी किया है। आईआरडीएआई ने निर्देश दिया है कि अगर किसी बीमा कंपनी को 10 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम बढ़ाना हो, तो उन्हें पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा, कोई भी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा योजना वापस लेने से पहले भी बीमा कंपनियों को आईआरडीएआई से सलाह-मशविरा करना अनिवार्य होगा। नए निर्देशों में बीमा कंपनियों को यह भी कहा गया है कि वे अधिक से अधिक अस्पतालों को अपने नेटवर्क में शामिल करें और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) की तर्ज पर अस्पतालों के साथ पैकेज दरों को तय करें। इस योजना के तहत, अस्पतालों में इलाज के शुल्क को पहले से तय किया जाता है ताकि सभी को एक समान दर पर इलाज मिले। आईआरडीएआई का यह कदम बीमा कंपनियों और पॉलिसीधारकों, दोनों के हितों को संतुलित करने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा, जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी घटाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। माना जाता है कि अगर बीमा प्रीमियम पर जीएसटी कम किया जाता है, तो इससे बीमा कंपनियों और पॉलिसीधारकों, दोनों का कर भार कम होगा। बीमा से जुड़े विभिन्न मामलों पर जीएसटी दरों को लेकर मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। अगली जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस विषय पर चर्चा होगी और बीमा प्रीमियम पर मिलने वाली छूट की समीक्षा की जाएगी।

वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्विनी राणा ने रेपो रेट में कटौती का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्विनी राणा ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती का स्वागत किया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति एमपीसी) की बैठक के बाद रेपो रेट को 6.50 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी करने का ऐलान किया। अश्विनी राणा ने शुक्रवार को एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि बजट में राहत के बाद एक बार फिर मध्?यम वर्ग को एक और सौगात मिल गया है। दरअसल रिजर्व बैंक ने पांच साल बाद रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कमी करके महंगी ईएमआई भरने और होम लोन लेने वालों को कुछ राहत देने का प्रयास किया है। राणा ने कहा कि जहां महंगाई दर और जीडीपी ग्रोथ का अनुमान स्टेबल स्थित में बनी हुई है। ऐसे में आरबीआई के रेपो रेट घटाने का निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगा, वहीं बैंकों और बैंकों के ग्राहकों को भी इससे बड़ी राहत मिलेगी। उल?लेखनीय है कि आरबीआई ने रेपो रेट 6.25 प्रतिशत करने के साथ ही वित?त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.7 फीसदी और महंगाई दर 4.8 फीसदी रहने का अनुमान भी जताया है।

क्रिसिल ने अदाणी पावर की बैंक लोन सुविधाओं की रेटिंग को अपग्रेड कर 'एए/स्टेबल' किया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिसिल रेटिंग्स ने अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) की लंबी अवधि की बैंक सुविधाओं को अपग्रेड कर 'क्रिसिल एए-/पॉजिटिव' से 'क्रिसिल एए/स्टेबल' कर दिया है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने अदाणी पावर के 11,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) को भी 'क्रिसिल एए/स्टेबल' रेटिंग दी है। 'रेटिंग रेशनेल' नोट में कहा गया कि रेटिंग में अपग्रेड क्रिसिल रेटिंग्स की एपीएल के समग्र क्रेडिट जोखिम प्रोफाइल में मजबूती की उम्मीद को दशार्ता है, साथ ही कहा कि बंधी हुई क्षमताओं के अनुपात के साथ-साथ ईंधन लिंकेज में वृद्धि के कारण व्यावसायिक मापदंडों में मजबूत सुधार हुआ है। इसके साथ ही लंबी अवधि में कंपनी की आय और कैश फ्लो में सुधार होने की उम्मीद है। क्रिसिल ने अपने नोट में कहा कि लंबित विनियामक बकाया की पूर्ण वसूली, मजबूत तरलता और स्थिति को बनाए रखने के परिणामस्वरूप कंपनी की क्रेडिट मेट्रिक्स और वित्तीय जोखिम प्रोफाइल भी मजबूत हुई है, जिसके चलते डेट-सर्विस कवरेज रेश्यो (डीएससीआर) सुधरकर 2 गुना से अधिक हो गया है और चालू वित्त वर्ष में एबिटा के मुकाबले शुद्ध कर्ज 2.5 गुना हो गया है।

डिजिटल फ्रॉड रोकने के लिए आईबीआई गवर्नर का बड़ा बयान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आईबीआई) ने डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए बैंकों और गैर-बैंकिंग इकाइयों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन...बैंक डॉट इन और फिन डॉट इन...शुरू किये जाने की घोषणा की है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के बढ़ते मामले चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक इस साल अप्रैल से भारतीय बैंकों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन 'बैंक डॉट इन' शुरू कर रहा है।

साथ ही आने वाले समय में गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाइयों के लिए 'फिन डॉट इन' शुरू किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा खतरों और 'फिशिंग' जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को करने के साथ सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित बनाना है ताकि डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में विश्वास बढ़े। मल्होत्रा ने कहा कि इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (आईडीआरबीटी) विशेष रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेगा। वास्तविक पंजीकरण अप्रैल 2025 से शुरू होंगे। बैंकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गैर-बैंकिंग इकाइयों के लिए अलग से 'फिन डॉट इन' शुरू किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने इसके साथ सीमा पार बिना कार्ड प्रस्तुत किये (कार्ड नॉट प्रेजेंट) लेनदेन में सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत शुरू करने का भी निर्णय किया है। डिजिटल भुगतान के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण कारक (एएफए) की शुरूआत ने लेनदेन की सुरक्षा को बढ़ाया है, जिससे ग्राहकों को डिजिटल भुगतान अपनाने का भरोसा मिला है।

नए आयकर विधेयक को आज मिल सकती है कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आयकर से जुड़े नियमों में करीब छह दशक के बाद बदलाव होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बहु प्रतीक्षित नए आयकर विधेयक 2025 को मंजूरी दी जा सकती है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे सोमवार को संसद में पेश किया जा सकता है। विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हो सकते हैं, जो आयकर में किसी तरह की राहत के लिए बजट का इंतजार करने या आयकर अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत को खत्म कर सकते हैं।

इससे पहले वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगले हफ्ते संसद में पेश होने वाले नए आयकर विधेयक 2025 में लंबे वाक्य, प्रावधान और स्पष्टीकरण नहीं होंगे। नए विधेयक में किसी भी तरह का कोई नया टैक्स या कोई नया बोझ नहीं डाला जाएगा। ये नया विधेयक 60 साल पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के लिए तैयार किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पहली फरवरी को अपने बजट भाषण में नए आयकर विधेयक लाने की घोषणा की थी। उन्होंने 2025-26 के केंद्रीय बजट में कहा था कि इस विधेयक में आयकर दरों, स्लैब और स्त्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) संबंधी प्रावधानों में किए गए बदलावों को भी शामिल किया जाएगा।

सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सरार्फा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत मे तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,520 रुपये से लेकर 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,310 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

भारत ने हासिल की 100 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता: प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता हासिल किया है, जो एक मील का पत्थर है। जोश ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के देश के लक्ष्य को भी रेखांकित किया।

जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने 100 गीगावाट सौर क्षमता हासिल किया है। ये उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता से प्रेरित है। इससे अक्षय ऊर्जा में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय

उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। इससे पहले भारत ने 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा सहित 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने की वजह से इसे हासिल नहीं किया जा सका।

उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासन के दौरान 2004-14 के दौरान 2.82 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी थी, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 से 2025 के कार्यकाल में 100 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी गई है। सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर परियोजनाओं जैसी पहलों ने क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। इसके परिणामस्वरूप आज भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दुनिया को नई राह भी दिखा रहा है।

जोशी ने कहा कि यह उपलब्धि स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता से प्रेरित है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना छतों पर सौर ऊर्जा को एक घरेलू वास्तविकता बना रही है। यह टिकाऊ ऊर्जा में एक बड़ा बदलाव है, जो हर घर को स्वच्छ बिजली से सशक्त बनाती है।

रेपो रेट हुआ कम, घर खरीदारों और रियल एस्टेट इंडस्ट्री को मिलेगा प्रोत्साहन?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आईबीआई) ने आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने करीब 5 साल बाद रेपो दर में कटौती की है। इससे पहले मई, 2020 में कोविड-19 महामारी के समय रेपो दर को 0.40 प्रतिशत घटाकर 4 प्रतिशत किया गया था। फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई ने मई, 2022 में दरों में बढ़ोतरी करनी शुरू की थी और यह सिलसिला फरवरी, 2023 में जाकर रुका था। रेपो दर करीब दो साल से 6.50 प्रतिशत पर स्थिर थी। इसके साथ, एमपीसी ने अपने रुख को 'तटस्थ' बनाये रखने का निर्णय किया है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि छह सदस्यीय समिति ने आम सहमति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जबकि चालू वित्त वर्ष में इसके 6.4 प्रतिशत पर रहने के अनुमान को बरकरार रखा है। वहीं खुदरा महंगाई दर अगले वित्त वर्ष में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि चालू वित्त वर्ष में इसके 4.8 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी है।

त्रेहान ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सारांश त्रेहान ने कहा कि आरबीआई द्वारा रेपो रेट को 6.25% तक कम करने का फैसला घर खरीदारों और रियल एस्टेट उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है। होम लोन पर ब्याज दरें घटने से घर खरीदना अधिक सुलभ होगा, जिससे खरीदारों की खरीद क्षमता बढ़ेगी। इस कदम से बाजार में सकारात्मक माहौल बनेगा और पहली बार घर खरीदने वालों के साथ-साथ निवेशकों को भी कम ब्याज दरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करेगा। इस दर कटौती से किफायती से लेकर प्रीमियम हाउसिंग तक सभी वर्गों में मांग बढ़ेगी, जिससे बिक्री और सेक्टर की वृद्धि में इजाफा होगा। इसके अलावा, बाजार में नकदी प्रवाह बेहतर होने से रियल एस्टेट एक स्थिर निवेश विकल्प के रूप में और मजबूत होगा। त्रेहन ग्रुप में, हम इस सकारात्मक कदम का स्वागत करते हैं और उच्च गुणवत्ता वाले घर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो बदलती खरीदार आवश्यकताओं को पूरा करें। यह दर कटौती निश्चित रूप से हाउसिंग सेक्टर की गति को तेज करेगी और दीर्घकालिक आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देगी।

पंकज कुमार जैन निदेशक केडब्ल्यू ग्रुप ने कहा कि रिपोरेट 25 बीपीएस को कम करने का आरबीआई का निर्णय एक सकारात्मक कदम है क्योंकि दरों में कटौती लंबे समय के बाद की गई है। बजट में कर छूट के बाद गृह ऋण दरों में कमी से इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। एंड्यूसर और निवेशक आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों में निवेश करने के लिए अधिक इच्छुक होंगे क्योंकि डिस्पोजेबल आय में वृद्धि हुई है और ब्याज दर कम हो गई है। गंगा रियल्टी के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विकास गर्ग ने कहा कि आरबीआई द्वारा रेपो रेट को 6.25% तक घटाने का फैसला एक स्वागत योग्य कदम है, जिससे घर खरीदने वालों और रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ा फायदा मिलेगा। होम लोन पर ब्याज दरें कम होने से लोगों के लिए अपने सपनों का घर खरीदना आसान होगा, जिससे सभी वर्गों में मांग बढ़ेगी। यह कदम आवास को अधिक किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके अलावा, यह रियल एस्टेट बाजार को गति देगा और कम ब्याज दरों का लाभ उठाने के लिए खरीदारों और निवेशकों को प्रोत्साहित करेगा। हमें उम्मीद है कि इस फैसले से घर खरीदने की रुचि और सौदों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जिससे पूरे उद्योग में सकारात्मक माहौल बनेगा। गंगा रियल्टी में, हम प्रीमियम और टिकाऊ आवासीय समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हमारे ग्राहक इस आर्थिक बदलाव का पूरा लाभ उठा सकें।

रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है।

रोहित फॉर्म से भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने भारत को दिलाई शानदार शानदार शुरुआत

वनडे सीरीज

- **भारत दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 33 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया**

कटक, एजेंसी। रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा (119) की शतकीय, शुभमन गिल (60) और अक्षर पटेल (नाबाद 41) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 33 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

इंग्लैंड के 304 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और शुभमन गिल की भारतीय सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी की। 17वें ओवर में जेमी ओवर्टन ने शुभमन गिल को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। गिल ने 52 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (60) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली एक बार फिर विफल रहे। उन्हें आदिल रशीद ने (पांच) रन पर पवेलियन भेज दिया। इस दौरान रोहित शर्मा एक छोर पर डटे रहे और उन्होंने अपना 32वां शतक पूरा किया। 30वें ओवर में लियम लिविंगस्टन ने रोहित को आदिल रशीद के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। रोहित ने 90 गेंदों में 12 चौके और सात छक्के लगाते हुए (119) रनों की पारी खेली। 37वें ओवर में अपने अर्धशतकी की ओर बढ़ रहे श्रेयस अय्यर रनआउट हुये। श्रेयस अय्यर ने 47 गेंदों तीन चौके ओर एक छक्का लगाते हुए (44) रन बनाये। जेमी ओवर्टन की गेंद पर सॉल्ट के एल राहुल (10) का कैच पकड़ा। हार्दिक पंड्या (10) रूप में भारत का छठा विकेट गिरा। उन्हें गस ऐटकिंसन ने आउट किया। भारत ने 44.3 ओवर में 308 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। अक्षर पटेल (41) और रवींद्र जडेजा (11) रन बनाकर नाबाद रहे।

इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवर्टन ने दो विकेट लिये। आदिल रशीद, गस ऐटकिंसन और लियम लिविंगस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां बाराबती स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी फिल सॉल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। 11वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने फिल सॉल्ट (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने बेन डकेट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 16वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने बेन डकेट को आउटकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 56 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए (65) रनों की पारी खेली। हैरी ब्रूक (31) को हर्षित राणा ने और कप्तान जॉस बटलर (34) को हार्दिक पंड्या ने आउट किया। इंग्लैंड ने शुरुआती 10 ओवरों में जहां तेजी के साथ आठ रन से अधिक की औसत के साथ रन बटोरे, वहीं उसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे उसके रनों की रफ्तार धीमी होती चली गई। 43वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने जो रूट को आउटकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। जो रूट ने 72 गेंदों में छह चौकों की मदद से (69) रन बनाये। इसके बाद जडेजा ने जेमी ओवर्टन (छह) को भी अपना शिकार बना लिया। गस ऐटकिंसन (तीन) को शमी ने आउट किया। आठवें विकेट के रूप में आदिल रशीद (14) रनआउट हुये। आखिरी ओवर में लियम लिविंगस्टन (41) और मार्क वुड (शून्य) पर रनआउट हुये। इंग्लैंड की पूरी टीम 49.5 ओवर में 304 रन पर सिमट गई।

भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट लिये। मोहम्मद शमी, हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या और वरूण चक्रवर्ती ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट मैच में नौ विकेट से हराया

गाले, एजेंसी। मैथ्यू कुनमन और नेथन लायन (चार -चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को श्रीलंका को नौ विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है।

श्रीलंका के कल आठ विकेट मात्र 211 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में अभी श्रीलंका ने कल के स्कोर में छह रन जोड़े थे कि नेथन लायन ने कुसल मेंडिस (50) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को नौवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बो वेब्स्टर ने लाहिरू कुमारा (नौ) को आउट कर श्रीलंका की दूसरी पारी का 231 के स्कोर पर अंत कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 75 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 17.4 ओवर में एक विकेट गवां कर हासिल कर अपनी दूसरी टेस्ट जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र विकेट ट्रैविस हेड (20) रन के रूप में गिरा। उन्हें प्रभात जयसूर्या ने आउट किया। उस्मान ख्वाजा (27) और मार्नस लाबुशेन (26) रन बनाकर नाबाद रहे। 156 रनों की शानदार पारी खेलने वाले एलेक्स कैरी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज में 272 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

इससे पहले श्रीलंका ने दिनेश चांदीमल (74) और कुसल मेंडिस (नाबाद 85) रनों की पारी के दम पर पहली पारी में 257 रनों का स्कोर बनाया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में एलेक्स कैरी (156) और कप्तान स्टीव स्मिथ (131) की पारियों ने 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

भारत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड सबसे मजबूत टीमों में से एकः आर अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। महान स्पिनर आर अश्विन ने भारत और न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे मजबूत टीमें करार देते हुए कहा कि मुख्य खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि बड़ी प्रतियोगिताओं में यह टीम अपने खेल के शीर्ष पर होती है।

आईसीसी का यह प्रमुख टूर्नामेंट 19 फरवरी को पाकिस्तान में शुरू होगा लेकिन भारत अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा।

अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा, ''भारत को दुबई में घरेलू माहौल जैसे मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। भारत का सामना करने वाली टीमों को लगेगा कि वे भारतीय परिस्थितियों में ही खेल रहे हैं। यह निश्चित रूप से अन्य टीमों के लिए एक समस्या है।''

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई वर्षों के अंतराल के बाद त्रिकोणीय श्रृंखला की वापसी हुई और अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम को भी चैंपियंस ट्रॉफी की बेहतर तैयारी के लिए इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के बजाय त्रिकोणीय टूर्नामेंट में खेलना चाहिए था।

भारत के इस पूर्व स्पिनर ने कहा, ''इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की तैयारी पर्याप्त होगी? क्या हमें त्रिकोणीय श्रृंखला भी खेलनी चाहिए थी? पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान की परिस्थितियों में खेल रहे हैं, जिससे उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में मदद मिलेगी।''

उन्होंने कहा, ''भारत ने इस बड़े टूर्नामेंट से पहले सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ खेला है। दुबई में पिछली बार टी20 विश्व कप को लेकर हमारे पास सुखद यादें नहीं है। दुबई में टॉस वास्तव में महत्वपूर्ण हो जाता है। मुझे लगता है कि टॉस जीतना महत्वपूर्ण होगा।''

अश्विन ने कहा कि ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की गैरमौजूदगी में भी न्यूजीलैंड भारत के लिए मुश्किल चुनौती पेश करेगा। उन्होंने कहा, ''भारत के बाद, न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे मजबूत टीमों में से एक है। साउदी और बोल्ट जैसे खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं इसलिए उनके गेंदबाजी आक्रमण पर सवालिया निशान है। मैट हेनरी के साथ टीम में कौन होगा? क्या यह विल ओ-राउरकी होंगे, जो अगली पीढ़ी का चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं। क्या यह बेन सीयर्स होंगे?''

उन्होंने कहा, ''न्यूजीलैंड के पास माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स के साथ एक अनुभवी स्पिन आक्रमण है। यह देखना होगा कि कप्तान मिचेल सेंटनर अपने संसाधनों को किस तरह से इस्तेमाल करते है। न्यूजीलैंड निश्चित रूप से एक मजबूत टीम है। वे भारत को चुनौती देने वालों में से एक हैं।''

अश्विन ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलिया हमेशा एक मजबूत टीम रही है। उन्होंने कहा, ''कप्तान के रूप में स्टीव स्मिथ शानदार है। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की कप्तानी करने जा रहे हैं। क्या स्मिथ, हेड, मैक्सवेल और लाबुशेन ने टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचा पायेंगे? मेरा हमेशा से मानना है कि ऑस्ट्रेलिया एक चैंपियन टीम है जो हमेशा प्रमुख टूर्नामेंटों में अपने खेल के शीर्ष पर होती है।

उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी विभाग में कुछ समस्याएं हैं, ऐसे में टीम का प्रदर्शन काफी हद तक स्मिथ की फॉर्म और कप्तानी पर निर्भर करेगा।'' नियमित कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड चोटों के कारण गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। टीम को मिचेल मार्श की सेवाएं भी नहीं मिलेगी। वह पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और 31 जनवरी को टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

एनरिक नॉर्टे चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

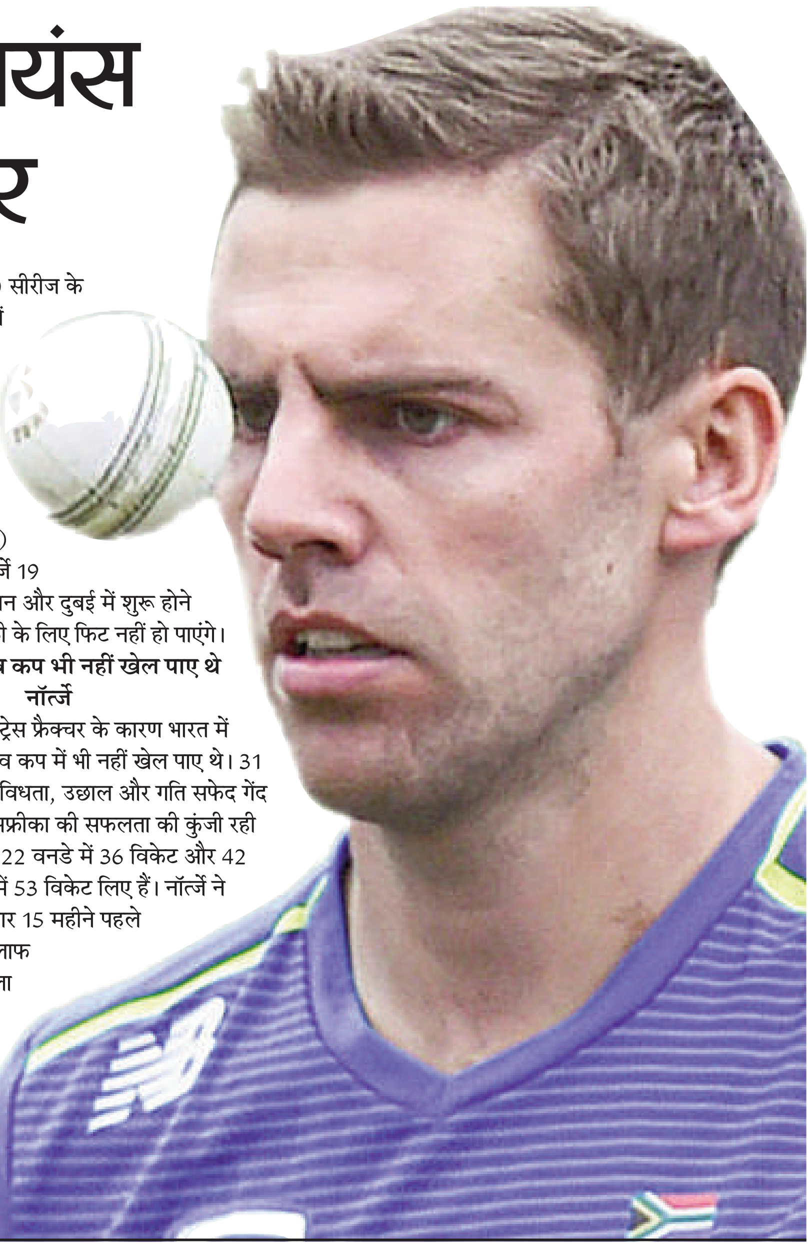

प्रिटोरिया, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन का समय बचा है। इससे पहले सभी टीमें अपनी फाइनल स्क्वॉड को तय करने में व्यस्त है। 12 फरवरी चोटिल खिलाड़ियों को रिप्लेस करने या टीम में बदलाव करने की आखिरी तारीख है। दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को चोटिल तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे के रिप्लेसमेंट का एलान किया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कॉर्बिन बॉश को स्क्वॉड में शामिल किया है। 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत हो रही है। दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड के साथ रखा गया है।

नॉर्त्जे पीठ में चोट की समस्या से जूझ रहे

नॉर्त्जे पिछले महीने पीठ में चोट की वजह से चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। वह पिछले काफी समय से चोटिल चल रहे हैं और वापसी करने में नाकाम रहे हैं। 30 साल के बॉश ने पिछले साल दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और अब तक सिर्फ एक वनडे खेल पाए हैं। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने उस मैच में एक विकेट लिया था और नाबाद 40 रन बनाए थे। इसके अलावा वह एक टेस्ट भी खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 81 की औसत से 81 रन बनाए हैं और पांच विकेट भी लिए हैं। इनमें एक अर्धशतक शामिल है। 63 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

मफाका को भी रिजर्व के तौर पर टीम से जोड़ा गया

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'बॉश के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को भी यात्रा रिजर्व के रूप में टीम में शामिल किया है। बल्लेबाज टोनी डी जोर्जी के साथ दो तेज गेंदबाज वनडे (त्रिकोणीय) सीरीज के शेष के लिए टीम में शामिल होने के लिए रविवार को पाकिस्तान की यात्रा करेंगे।' पिछले महीने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा था कि नॉर्त्जे 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट नहीं हो पाएंगे।

2023 विश्व कप भी नहीं खेल पाए थे नॉर्त्जे

नॉर्त्जे पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण भारत में 2023 क्रिकेट विश्व कप में भी नहीं खेल पाए थे। 31 वर्षीय नॉर्त्जे की विविधता, उछाल और गति सफेद गेंद क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका की सफलता की कुंजी रही है। तेज गेंदबाज ने 22 वनडे में 36 विकेट और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 53 विकेट लिए हैं। नॉर्त्जे ने वनडे में आखिरी बार 15 महीने पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्लोमफोंटेन में खेला था।

एसए 20 | **पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक ले जाने वाले राशिद के नाम एक और उपलब्धि**

सनराइजर्स को हराकर राशिद खान की एमआई केपटाउन बनी एसए 20 चैम्पियन

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। पिछली दो बार आखिरी स्थान पर रही एमआई केपटाउन ने राशिद खान की कप्तानी में तीसरे सत्र में चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए दो बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप को वांडरर्स पर खेले गए फाइनल में बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 76 रन से हराकर एसए 20 खिताब अपने नाम किया।

कैगिसो रबाडा ने जैसे ही 19वें ओवर की चौथी गेंद पर रिचर्ड ग्लीसन को आउट किया, मैदान पर आये 22000 से ज्यादा दर्शकों के बीच एमआई के नीले झंडे लहराते दिखाई देने लगे। पूरा स्टेडियम अपने स्थानीय नायक 'रबाडा रबाडा' के शोर से गूंज उठा जिन्होंने 3.4 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये। वहीं ट्रेंट बोल्ट ने चार ओवर में सिर्फ नौ रन देकर दो विकेट लिये।

जीत के लिये 182 रन का पीछा करते हुए सनराइजर्स 105 रन पर आउट हो गए। पिछले दो मैचों में जोबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स पर लगातार जीत दर्ज करके आई एडेन माक्ररम की टीम उस लय को कायम नहीं रख सकी और टॉम एबेल (30) और टोनी डि जोर्जी (26) को छोड़कर उनका कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। एमआई के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट चटकाये।

पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक ले जाकर क्रिकेट जगत को चौंकाने वाले दिग्गज लेग स्पिनर राशिद ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह इससे पहले इसी टूर्नामेंट में टी20 प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे।

लगातार पांच मैच जीतकर फाइनल तक पहुंची एमआई केपटाउन ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए काफी आक्रामक शुरूआत की और रियान रिकेलटन तथा रासी वान डेर डुसेन ने दस रन प्रति ओवर से भी अधिक तेजी से रन बनाये।

क्रेग ओवरटन ने पहला ओवर किफायती डाला जिसमें तीन ही रन बन सके लेकिन मार्को यानसेन को दूसरे ओवर में रिकेलटन ने डीप थर्ड मैन और फाइन लेग पर छक्के लगाये जबकि सिर के ऊपर से स्ट्रेट चौका जड़ा। वहीं वान डेर डुसेन ने अगले ओवर में ओवरटन को नसीहत देते हुए स्क्वेयर लेग के ऊपर से छक्का लगाया।

रिकेलटन ने यानसेन का आत्मविश्वास तोड़ने में कोई कसर नहीं रखी और चौथे ओवर में उन्हें दो शानदार छक्के लगाकर रनगति को तेजी से आगे बढाना जारी रखा। पहले आफ स्टम्प से बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर उन्होंने लेग साइड में छक्का लगाया और फिर कलाई का कमाल दिखाते हुए स्क्वेयर लेग के ऊपर शॉट खेलकर गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचाया।

इसके बाद हालांकि एमआई केपटाउन को लगातार दो झटके लगे। पांचवें ओवर में ओवरटन को वान डेर डुसेन ने छक्का जड़ा लेकिन आखिरी गेंद पर रिकेलटन (15 गेंद में चार छक्के और एक चौका) का विकेट लेकर उन्होंने सनराइजर्स को बड़ी सफलता दिलाई। कैच लियाम ग्लीसन ने लपका।

अगले ही ओवर में डॉसन ने रीजा हेंडरिक्स को खाता खोलने का मौका दिये बगैर आउट करके एमआई केपटाउन को दूसरा झटका दिया। पावरप्ले के बाद स्कोर दो विकेट पर 52 रन था।

दो विकेट गिरने के बाद रनगति पर अंकुश लग गया और बायें हाथ के कलाई के स्पिनर डॉसन ने सातवें ओवर में सिर्फ चार ही रन दिये। वान डेर डुसेन शुरू ही से असहज लग रहे थे और 25 गेंद में 23 रन बनाने के बाद डॉसन को आगे बढकर खेलने के प्रयास में चूके लेकिन विकेट के पीछे ट्रिस्टन स्टब्स ने गिल्लियां बिखेरने में चूक नहीं की।

एमआई पर बने दबाव को तोड़ने का प्रयास करते हुए जॉर्ज लिंडे ने सनराइजर्स के कप्तान एडेन माक्ररम को दसवें ओवर में लांग आन पर चौका लगाया। उन्होंने अगले ओवर में डॉसन को सिर के ऊपर से और फिर लांग आफ पर छक्का लगाने के साथ एक चौका भी जड़ा लेकिन आखिरी गेंद पर इसी तरह ऊंचा शॉट खेलने के प्रयास में लांग आफ पर ही ओवरटन को कैच दे बैठे।

एमआई के सौ रन तेरहवें ओवर में बने। डेवाल्ड ब्रेविस ने कुछ अच्छे शॉट खेलते हुए डॉसन और एंडिले साइमलेन को दो दो छक्के लगाये। उन्हें 16वें ओवर में जानसेन ने माक्ररम के हाथों लपकवाकर फिर एमआई को दबाव में ला दिया। ब्रेविस ने सिर्फ 18 गेंद में 38 रन बनाये जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल थे। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों से ज्यादा उम्मीद करना बेमानी था।

सनराइजर्स के लिये रिचर्ड ग्लीसन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिये। यानसेन और डॉसन को भी दो दो विकेट मिले लेकिन वे काफी महंगे साबित हुए।

जवाब में सनराइजर्स कभी भी मैच में वापसी करते नजर नहीं आये और तीन ओवर के भीतर फॉर्म में चल रहे उसके दो युवा बल्लेबाज डेविड बेडिंघम (पांच) और जोर्डन हरमान (एक) पवेलियन लौट गए। बेडिंघम को रबाडा ने और हरमान को ट्रेंट बोल्ट ने पवेलियन भेजा।

एबेल भी 25 गेंद में 30 रन बनाकर लिंडे की गेंद पर रिकेलटन की चुस्त स्टम्पिंग का शिकार हुए।

डब्ल्यूपीएल 2025ः ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वारियर्स की कप्तानी करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को 14 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2025 सीजन से पहले यूपी वारियर्स का नया कप्तान बनाया गया है।

27 वर्षीय दीप्ति ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगी, जो पैर में बार-बार चोट लगने के कारण डब्ल्यूपीएल 2025 से बाहर हो गई हैं। एलिसा की कप्तानी में, यूपी वारियर्स ने डब्ल्यूपीएल 2023 में तीसरा स्थान हासिल किया, इससे पहले 2024 के संस्करण में टीम लीग चरण से बाहर हो गई थी।

वारियर्स ने उद्घाटन नीलामी के दौरान दीप्ति को 2.6 करोड़ रुपये में साइन किया था। 2023 के सीजन में, उन्होंने बल्ले से 90 रन बनाते हुए नौ विकेट लिए। डब्ल्यूपीएल 2024 में, उन्होंने 295 रन बनाए, जिससे वह प्रतियोगिता में पांचवीं सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं, जबकि उन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ हैट्रिक सहित 10 विकेट लिए।

इससे दीप्ति डब्ल्यूपीएल के इतिहास में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज़ भी बन गईं। दीप्ति को हाल ही में आईसीसी की 2024 की महिला टी20 टीम ऑफ़ द ईयर में नामित किया गया था, जिसमें भारत की साथी स्मृति मंधाना और ऋचा घोष भी शामिल थीं, जो डब्ल्यूपीएल 2025 में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलेंगी।

दीप्ति पहले भी भारत की उप-कप्तान रह चुकी हैं और उन्होंने घरेलू स्तर पर नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने 2022 में महिला टी20 चैलेंज के चौथे और अंतिम सीज़न में वेलोसिटी की कप्तानी भी की, जो उपविजेता रही। लेकिन डब्ल्यूपीएल 2025 में यूपी वारियर्स की कप्तानी करना निस्संदेह एक कप्तान के तौर पर उनकी सबसे बड़ी चुनौती है।

टीम में, उनके पास ताहलिया मैकग्रा और चामरी अथापथु की सलाह भी होगी, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का नेतृत्व किया है। दीप्ति स्मृति, हरमनप्रीत कौर और स्नेह राणा के बाद डब्ल्यूपीएल में सिर्फ चौथी भारतीय कप्तान होंगी। यूपी वारियर्स 16 फरवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में गुजरात जायंट्स के खिलाफ अपने डब्ल्यूपीएल 2025 अभियान की शुरुआत करेगा।

यूपी वारियर्स डब्ल्यूपीएल 2025 टीमः दीप्ति शर्मा (कप्तान), ग्रेस हैरिस, किरण नवगिरे, राजेश्वरी गायकवाड़, श्वेता सेहरावत, सोफी एक्लेस्टोन, ताहलिया मैकग्रा, वृंदा दिनेश, साइमा ठाकोर, चामरी अथापथु, अलाना किंग, चिनेल हेनरी, उमा छेत्री, अंजलि सरवानी, पूनम खेमनार, गौहर सुल्ताना, आरुषि गोयल और क्रांति गौड़।

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।

उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।

उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-

ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है। सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

मेरे काम में मदद करती है शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला ने अपना रिलेशनशिप दो साल तक सीक्रेट रखा। हालांकि, अब भी शादी के बंधन में बंधने के बाद दोनों साथ में बहुत कम तस्वीरें शेयर करते हैं। नागा अपनी फिल्म थंडेल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के द चैतन्य ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ बातें की हैं।

तनाव से निकलने में करती हैं मदद

नागा चैतन्य ने अपनी आगामी फिल्म थंडेल के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी काम में भी उनकी बहुत मदद करती हैं। चैतन्य ने कहा कि उनकी पत्नी बहुत समझदार है, जो हर तनावपूर्ण परिस्थिति से बाहर आने में उनकी मदद करती हैं। उनके चुने प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्हें सलाह देती हैं। हर जरूरी राय उनके काम के बारे में वे हमेशा देती रहती हैं।

पत्नी शोभिता देती हैं सही सलाह

नागा चैतन्य ने कहा, मैं अपने सभी विचार उनके पास लेकर जाता हूं। जब भी किसी तरह की उलझन होती है, तो मैं उनके पास जाता हूं। जब मैं तनाव में होता हूं, तो वह उसे समझ लेती हैं। वह तुरंत मुझसे पूछती हैं, क्या गड़बड़ है? क्या है? वह निश्चित रूप से मेरी बाउंसिंग बोर्ड हैं। वह मुझे बेहतरीन सलाह देती हैं। उनकी राय बहुत ही तटस्थ होती है और वह सही जगह से सोचती हैं। मैं उनकी राय को बहुत महत्व देता हूं। हर चीज उनके जरिए फिल्टर होती है। वह बहुत समझदार हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नागा चैतन्य की फिल्म 7 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया। नागा के साथ इस फिल्म में साई पल्लवी भी नजर आने वाली हैं। इससे पहले नागा चैतन्य को अपनी फिल्म 'लव स्टोरी' के लिए काफी सराहनाएं मिली थीं। इस फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

एटली की ए6 में हुई रश्मिका की एंट्री

सलमान खान और रश्मिका मंदाना पहली बार सिकंदर में साथ नजर आएंगे। वे इस समय फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट आ रही है कि दोनों डायरेक्टर एटली के अगले प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया है, सलमान खान और रश्मिका मंदाना दोनों ने सिकंदर के सेट पर शानदार काम किया। पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग ने सलमान और एटली दोनों को प्रभावित किया। यही वजह है कि निर्माताओं ने सलमान और एटली की आने वाली फिल्म में भी उन्हें साइन करने का फैसला किया है।

रजनीकांत या कमल हासन की कास्टिंग

दिसंबर 2024 में एटली ने कंफर्म किया था कि उनकी फिल्म में सलमान लीड रोल में नजर आएंगे। इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे ए6 टाइटल दिया गया है। कथित तौर पर एटली भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए रजनीकांत या कमल हासन को लेकर कास्टिंग में बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं।

जल्द होगा धमाकेदार ऐलान

एटली ने बताया ए6 ऐसी फिल्म है, जिसमें बहुत समय और एनर्जी लगती है। हमने स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है और हम तैयारी के चरण में हैं। भगवान के आशीर्वाद से जल्द ही एक धमाकेदार ऐलान होगा।

सिकंदर में रश्मिका होंगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80 सेकंड के धमाकेदार ट्रेलर में सलमान खान पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आए हैं। ईद 2025 पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी जैसे कलाकारों की टुकड़ी है।

जॉन अब्राहम के हाथ लगी रोहित शेट्टी की एक्शन थ्रिलर फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम की नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। खबर है कि अभिनेता बॉलीवुड के निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। हालांकि, यह फिल्म रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा नहीं होगी।

अप्रैल में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की कहानी अभी लिखी जा रही है। बताया गया है कि रोहित शेट्टी और जॉन अब्राहम इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक शुरू करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि रोहित के मन में इस फिल्म का आइडिया काफी समय से था। सिंघम अगेन (2024) रिलीज होने के बाद उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया, जबकि गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट लॉक हो गई है।

क्या बायोपिक होगी रोहित शेट्टी की फिल्म?

रोहित शेट्टी पुलिस की कहानियों और कॉमेडी फ्रेंचाइजी से आगे जाना चाहते हैं। जॉन के साथ कुछ प्रारंभिक बैठकें हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि यह फिल्म मुंबई पुलिस के पूर्व संयुक्त आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक होगी।

फिल्म का शूटिंग शेड्यूल

फिल्म की शूटिंग मुंबई में 45 दिनों तक चलेगी। बताया गया कि अभिनेता और निर्देशक ने संभावित तारीखों पर चर्चा की है। वे दोनों गर्मियों में इसकी शूटिंग करने करना चाहते हैं, जिसके बाद रोहित खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग के लिए चले जाएंगे। यह जॉन अब्राहम की योजना के साथ पूरी तरह मेल खाता है, क्योंकि वह अगस्त में आइल ऑफ मैन पर अपनी मोटरसाइकिल रेसिंग फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

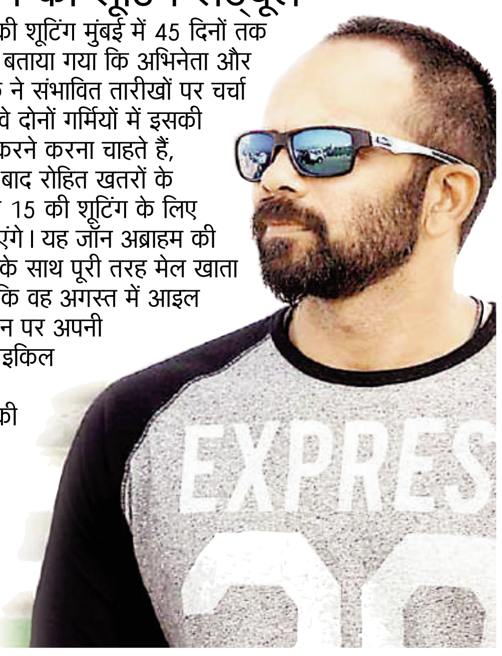

एसएसएमबी 29 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने ली इतनी मोटी रकम

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसएसएमबी 29 में महेश बाबू के साथ लीड रोल में नजर आ सकती हैं। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रही हैं।

प्रियंका ने ली मोटी फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा की फीस लगभग 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शुरुआती बातचीत में प्रियंका ने इससे भी ज्यादा फीस की मांग की थी, लेकिन निर्माता और प्रियंका के बीच सफल बातचीत के बाद इस रकम पर सहमति बनी। प्रियंका का नाम जुड़ने से एसएसएमबी 29 की लोकप्रियता भारत के साथ विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

विदेशी कलाकारों को कास्ट करने पर हो रहा विचार

एसएसएमबी 29 को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक फिल्म एक अफ्रीकी एडवेंचर होगी। यह इंडियाना जोंस जैसी क्लासिक फिल्म की लोगों को याद दिला सकती है। फिल्म की टीम विदेशी कलाकारों को भी कास्ट करने पर विचार कर रही है ताकि फिल्म की वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

बड़े बजट में बन रही फिल्म

एसएस राजामौली की फिल्में हमेशा बड़े बजट की शानदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। एसएसएमबी 29 भी इससे अलग नहीं होने वाली है। महेश बाबू की मौजूदगी और राजामौली की निर्देशन क्षमता इस फिल्म को एक बड़े हिट के रूप में स्थापित कर सकती है।

दो साल से चल रहा काम

यह फिल्म प्री-प्रोडक्शन में लगभग दो साल से तैयार हो रही है। फिल्म की पटकथा विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है जो राजामौली के पिता हैं। इसकी शूटिंग अप्रैल 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग के लिए प्रमुख स्थानों में केन्या और आंध्र प्रदेश के बोर्रा गुफाएं शामिल हैं। महेश बाबू ने अपनी भूमिका के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है और उनकी भूमिका का हनुमान से प्रेरित हो सकता है।

लवयापा के ट्रेलर रिलीज पर कांप रही थीं खुशी कपूर

खुशी कपूर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म लवयापा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री जल्द ही जुनैद खान नजर आएंगी। फिल्म 7 फरवरी 2025 को फिल्म की रिलीज से पहले इस फिल्म की रिलीज को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज को लेकर वे बहुत नर्वस हो रही हैं। जब उन्होंने ट्रेलर लॉन्च पर सिनेमा में ट्रेलर और कुछ गाने देखे तो वह कांप रही थीं। खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि सिनेमाघरों में लवयापा की रिलीज के साथ उनकी ओटीटी फिल्म, द आर्चीज की तुलना से उन्हें तनाव हो रहा है। उस पल को याद करते हुए जब उन्होंने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहली बार खुद को बड़े पर्दे पर देखा तो खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि वह वास्तव में कांप रही थीं। इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने को लेकर जुनैद ने कहा कि ओटीटी बनाम सिनेमा का सवाल वितरकों के लिए है, न कि कलाकारों के लिए। जुनैद के मुताबिक माध्यम के फर्क से कलाकारों के लिए कुछ भी नहीं बदलता है। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी लवयापा 07 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

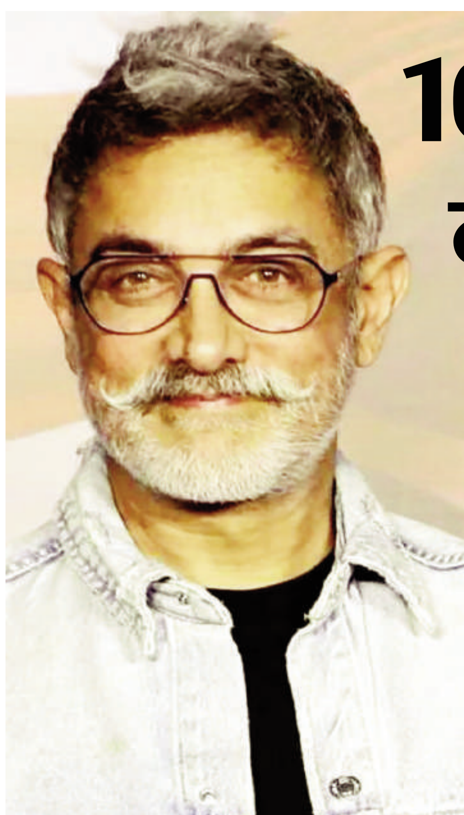

1000 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी गजनी 2

सुपरस्टार आमिर खान ने नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म थंडेल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में साउथ के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी मौजूद थे। इवेंट के दौरान खान और अरविंद ने बहुचर्चित सीक्वल गजनी 2 के बारे में बड़ा संकेत दिया।

1000 करोड़ी फिल्म बनाएंगे अल्लू अरविंद

मीडिया से बातचीत करते हुए अल्लू अरविंद ने कहा, मुझे आपके साथ 1000 करोड़ की फिल्म बनानी चाहिए। शायद गजनी 2। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर खान ने कहा, गजनी 2 के बारे में इंटरनेट पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अल्लू अरविंद तमिल और हिंदी दोनों में सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो सूर्या गजनी 2 के तमिल वर्जन में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर खान को हिंदी वर्जन के लिए चुना जाएगा।

अल्लू अरविंद ने दिया अपडेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल संस्करण में सूर्या मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर हिंदी संस्करण के लिए अपनी भूमिका को दोहराएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि आपने मुझसे अब गजनी 2 के बारे में पूछा। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद ने सीक्वल के विचार के साथ मुझसे संपर्क किया और पूछा कि क्या यह संभव होगा। मैंने कहा कि निश्चित रूप से सर, हम इस पर विचार कर सकते हैं। हां, बातचीत शुरू हो गई है और चीजें प्रक्रिया में हैं। गजनी 2 हो सकती है।

दोनों संस्करण एक साथ होंगे रिलीज

रिपोर्ट्स के अनुसार, पैन-इंडिया फिल्मों के उदय के साथ लोकप्रिय सितारों के साथ पंथ फिल्मों के रीमेक बनते जा रहे हैं। सूर्या और आमिर खान दोनों गजनी 2 को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन वे फिल्म से जुड़ा रीमेक लेबल नहीं चाहते हैं। वे इस बात से भी चिंतित हैं कि एक संस्करण को दूसरे से पहले रिलीज करने से नयापन खत्म हो सकता है और उन्होंने निर्माताओं के सामने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। दोनों अभिनेताओं की बात सुनने के बाद अल्लू अरविंद और मधु मंटेना ने एक समाधान निकाला कि गजनी 2 के दो संस्करणों को एक साथ शूट करें और उन्हें एक ही दिन रिलीज करें।

स्क्रिप्ट पर काम जारी

निर्माताओं का मानना है कि गजनी जैसी कल्ट क्लासिक का सीक्वल बनाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ आता है, क्योंकि पहला भाग दोनों अभिनेताओं के लिए गेम-चेंजर था। उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सीक्वल ऑर्गेनिक लगे और इसे केवल पैसों के फायदे के लिए नहीं बनाया गया हो। वे दोनों कॉन्सेप्ट को पसंद करते हैं। वर्तमान में स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है और फैंस को 2025 के मध्य तक इसके बारे में खास जानकारी मिल सकती है।

एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाएंगी तृप्ति

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी शूटिंग में अभिनेत्री व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। ऐसा लगता है कि तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबर है कि तृप्ति डिमरी को एक बायोपिक ओटीटी सीरीज में दिवंगत परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। 2024 में लगातार दो फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद प्रशंसक तृप्ति को इस प्रतिष्ठित भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। तृप्ति डिमरी के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इससे पहले बुलबुल और कला जैसी नेटफ्लिक्स फिल्मों में अभिनय कर चुकीं तृप्ति डिमरी को इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल होना एक बेहतरीन अगला कदम लगता है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन: 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009